डाक पंजीयन नं. 99/2021–23

E-mail:-aadhuniksamachar2014@gmail.com

website:www.aadhuniksamachar.com

आधुनिक भारत का आधुनिक नजरिया

PG,5

आधुनिक समाचार

प्रयागराज से प्रकाशित हिन्दी दैनिक

PG,8

सिनेमाः निया शर्मा ने इवेंट में पहनी ऐसी ट्रांसपेरेंट ड्रेस......

वर्ष -08 अंक -07 | प्रयागराज, सोमवार 07 मार्च, 2022 | पृष्ठ- 8 | मूल्य : 2.00 रूपये

संक्षिप्त समाचार

यूक्रेन में घायल हरजोत सिंह आज पहुंचेंगे दिल्ली, केंद्रीय मंत्री जनरल वीके सिंह ने ट्वीट करके दी जानकारा

नई दिल्ली। यूक्रेन में गोली लगने से घायल हुए दिल्ली के छतरपुर एक्सटेंशन निवासी छात्र हरजोत सिंह (31) सोमवार को दिल्ली पहुंच जाएंगे। केंद्रीय मंत्री जनरल वीके सिंह ने ट्वीट करके यह जानकारी दी है। उन्होंने लिखा है 'हरजोत सिंह वह भारतीय हैं, जिन्हें कीव में युद्ध के दौरान गोली लग गई थी। अफरातफरी में पासपोर्ट भी गुम हो गया था। सहर्ष सूचित कर रहा हूं कि हरजोत सोमवार को भारत हमारे साथ पहुंच रहे हैं। आशा है घर के खाने और देखभाल के साथ उनका शीघ्र स्वास्थ्यवर्धन होगा। हरजोत के भाई प्रभजोत सिंह ने दैनिक जागरण को बताया कि उनकी हरजोत से कोई बात नहीं हुई है। उनका मोबाइल बंद है। इस बारे में उन्हें केंद्रीय मंत्री के ट्वीट और मीडिया के जरिये ही जानकारी मिली है। हरजोत का परिवार मूलरूप से लुधियाना जिले के जगराओं का रहने वाला है। यूक्रेन पर रूसी हमले के बाद चलाए जा रहे आपरेशन गंगा के तहत अब तक 76 उड़ानों से 15,920 भारतीयों को वापस लाया जा चुका है। अब तक भारतीय वायुसेना के विमान भी 10 उड़ान भर चुके हैं और उन्होंने 26 टन राहत सामग्री पहुंचाई है। हंगरी स्थित भारतीय दूतावास ने बताया है कि भारतीयों को निकालने का अभियान अब खत्म होने वाला है क्योंकि इस अभियान का अंतिम चरण शुरू हो रहा है। रूसी हमले के बाद यूक्रेन ने अपना वायु क्षेत्र नागरिक उड़ानों के लिए बंद कर दिया था। इसके बाद से वहां फंसे भारतीय पड़ोसी देशों रोमानिया, पोलैंड, हंगरी, स्लोवाकिया और मालदोवा पहुंच रहे हैं और उन्हें वहां से वापस लाया रहा है। नागरिक उड्डयन मंत्रालय ने बताया कि रविवार को 11 विशेष उड़ानों के जरिये 2,135 भारतीयों को वापस लाया गया। सोमवार को आठ विशेष उड़ानें संचालित होने की संभावना है, जिनसे 1,500 से ज्यादा भारतीयों को वापस लाया जाएगा।

जानें- रूस और यूक्रेन की लड़ाई से क्यों बेहाल हो रहे हैं मिस्त्र, तुर्की और लेबनान नहीं सुलझा संकट तो बढ़ जाएगी समस्या

कीव । रूस और यूक्रेन के बीच छिड़ी लड़ाई से मध्य एशिया में अनाज का संकट गहराने लगा है। इसकी एक बड़ी वजह यूक्रेन का वो फैसला भी है जिसमें उसने युद्ध के चलते खाने-पीने की चीजों के एक्सपोर्ट पर रोक लगा दी है। यूक्रेन का कहना है कि देश इसकी कमी न होने पाए इसलिए ये कदम उठाया गया है। जिन चीजों पर यूक्रेन ने एक्सपोर्ट बैन किया है उसमें मांस, राई, जई, चीनी, बाजरा और नमक शामिल है। यूक्रेन की तरफ से दिए गए बयान में बताया गया है कि फिलहाल केवल कार्न, पाल्ट्री, अंडा और तेल को इस प्रतिबंध से बाहर रखा गया है। अमेरिकी मीडिया का कहना है कि यूक्रेन के कई सुपरमार्केट्स में चीजें खत्म हो रही हैं और युद्ध की वजह से रास्ते बाधित होने के चलते सामान आ नहीं पा रहा है। इसकी वजह से परेशानी और बढ़ गई है। रूस के यूक्रेन पर हमले के बाद गेहूं के दामों में भी जबरदस्त बढ़ोतरी दर्ज की गई है। आपको बता दें कि रूस और यूक्रेन मिलकर विश्व में एक्सपोर्ट होने वाले गेहूं में करीब 30 फीसद का योगदान देते हैं। रूस के हमले के बाद काला सागर समेत दूसरे रास्तों से जाने वाला सामान बाधित हुआ है। इसकी वजह से ही गेहूं के दाम भी बढ़े हैं। यदि ये आगे भी ऐसा ही बना रहा तो विश्व को इसके भारी संकट का सामना करना पड़ सकता है। विश्व में रूस जहां गेहूं का सबसे एक्सपोर्टर है वहीं यूक्रेन इस लिस्ट में चौथे नंबर पर आता है। ये दोनों देश मिलाकर विश्व को करीब 20 फीसद कोर्न भी एक?सपोर्ट करते हैं आपको बता दें कि रूस और यूक्रेन की लड़ाई दूसरे सप्ताह में प्रवेश कर चुकी है। इस दौरान यूक्रेन से विमानों की आवाजाही भी पूरी तरह से बंद है। यूक्रेन में कुछ देशों के जरिए ही सड़क मार्ग से चीजों को भेजने की कवायद की जा रही है। यदि युद्ध और अधिक लंबे समय तक चलता रहा तो गेहूं की किल्लत न सिर्फ मध्य एशिया में बल्कि यूक्रेन

को भी झेलनी पड़ सकती है। वहीं पश्चिमी देशों द्वारा रूस पर लगाए गए प्रतिबंध की बदौलत इसका खामियाजा पुतिन सरकार को भी उठाना पड़ सकता है। रूस और यूक्रेन के बीच की जंग से अनाज की कीमतों में जबरदस्त तेजी आने की आशंका भी व्यक्त की जा रही है। इसके अलावा जिन चीजों के दाम बढ़ सकते हैं उनमें ब्रेड, मिल्क, मीट समेत अन्य चीजें भी शामिल हैं। एक आंकड़े के मुताबिक लेबनान अकेला ही अपनी खपत का करीब 81 फीसद गेहूं यूक्रेन से और करीब 15 फीसद रूस से खरीदता है। इसी तरह से तुर्की करीब 66 फीसद गेहूं रूस से तो 10 फीसद यूक्रेन से खरीदता है। मिस्र भी करीब 60 फीसद गेहूं रूस से तो 25 फीसद यूक्रेन से खरीदता है। रूस और यूक्रेन के बीच छिड़ी जंग का असर भी इन देशों पर सबसे अधिक पड़ सकता है। यही वजह है कि अनाज की कमी होने से इन देशों की चिंता भी बढ़ गई है। मिस्र के लिए अपनी खपत के लिए गेहूं को दूसरे देशों से खरीदना भी आसान नहीं है। पिछले वर्ष मिस्र ने अपनी जरूरत का करीब 85 फीसद गेहूं रूस और यूक्रेन से खरीदा था। इस संकट को देखते हुए पिछले माह मिस्र ने गेहूं की खरीद के लिए ग?लोबल टेंडर जारी किया था लेकिन इसमें केवल फ्रांस की तरफ से ही एक प्रपोजल आया था जिसके चलते इसको रद कर दिया गया था। इसके लिए कम से कम दो दावेदारों का होना बेहद जरूरी है। दूसरे टेंडर को जारी करने में हुई देरी और अनाज की कमी से वहां पर गेहूं के दाम बीते चौदह वर्षों में सबसे अधिक हो गए हैं।

सरकार ने मेडिकल की पढ़ाई करने वालों के लिए लिया है बड़ा फैसला- पीएम मोदी

नई दिल्ली । प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जनऔषधि दिवस के मौके पर उन्होंने कहा कि जन औषधि केद्रों पर आठ सौ करोड़ रुपये की दवाएं बिकी हैं। उन्होंने कहा कि इसके तहत सरकार मध्यम वर्ग के लोगों की जेब का धन बचाकर उन्हें फायदा पहुंचाने का काम कर रहे हैं। इन केंद्र पर अब तक 21 करोड़ सैनेट्री नेपकींस बिक चुके हैं। ये एक रुपये में यहां से लिए जा सकते हैं। पीएम मोदी ने कहा कि दुनिया के कई देशों में कोरोना रोधी वैक्सीन के लिए लोगों को बड़ी कीमत चुकानी पड़ी है। लेकिन भारत ने इसको सभी को फ्री में लगाने का फैसला किया। इस पर अब तक सरकार ने तीस हजार करोड़ रुपये खर्च किए हैं। सरकार ने फैसला किया है कि आधे निजी मेडिकल कालेज में अब सरकारी मेडिकल कालेज के बराबर ही फीस लगेगी। सरकार की कोशिश है कि हर जिले में एक बड़ा अस्पताल हो। सरकार ने कई दवाओं की कीमत को बेहद कम किया है। जन औषधि केंद्रों के मालिकों से बात कर रहे हैं। इस दौरान उन्होंने बिहार की महिला से बात कर उनसे इस बारे में जानकारी हासिल की। महिला ने बताया कि जन औषधि केंद्र से मिली दवाओं के चलते उन्हें काफी फायदा हो रहा है। ये सस्ती होने के साथ-साथ गुणवत्ता में भी अच्छी है। पीएम मोदी ने कहा कि मध्यम वर्ग की आमदनी का बड़ा हिस्सा दवाओं पर खर्च होता है। यदि दवाएं सस्ती हों तो सभी का लाभ होगा। इसलिए मध्यम वर्ग इसको आगे बढ़ाने में अहम भूमिका निभा सकता है। ओडिशा के सुरेश ने बताया कि उन्हें भी इससे काफी फायदा हुआ है। हर माह दवाओं पर खर्च होने वाला करीब दो से ढाई हजार रुपया अब बच जाता है। पीएम मोदी ने उनसे पूछा कि वो ऐसी दवाओं के बारे में बताएं जो दवाएं उन्हें जन

औषधि केंद्र पर नहीं मिलती हैं। इसके जवाब में उन्होंने बताया कि ऐसी कोई दवाई नहीं है जो वहां पर नहीं मिलती हैं। कर्नाटक की बबीता से भी पीएम मोदी ने पूछा कि उन्हें इससे कैसे लाभ मिला। बबीता ने बताया कि वो इस योजना और इसके केंद्रों का लोगों के बीच जागरुक करती हैं। पीएम मोदी ने कहा कि वो सोशल मीडिया के जरिए इसका अधिक से अधिक प्रचार कर सकती हैं। गुजरात की उर्वशी से भी उन्होंने इसके लाभ के बारे में जानकारी हासिल की। इस मौके पर पीएम ने उनसे कहा कि वो पीएम आवास योजना का लाभ उठाने वालों के पास जाकर इस योजना के लिए उन्हें जागरुक करें। छत्तीसगढ़ के डाक्टर शैलेश की पीएम मोदी ने तारीफ की वो इस दिशा में काम कर रहे हैं। इस कार्यक्रम में केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री मनसुख मांडविया समेत अन्य लोग भी शामिल हैं। कार्यक्रम की शुरुआत में मांडविया ने कहा कि देश में मिलने वाली जेनेरिक दवाओं की कीमत 50-80 फीसद तक कम है और इनकी गुणवत्ता विश्व स्तर की है। पीएमओ से दी गई जानकारी के मुताबिक इस इवेंट को जन औषधि जन उपयोगी का नाम दिया गया है। इससे पहले किए गए अपने ट्वीट में पीएम मोदी ने इसको जन औषधि को मेडिसिन रिवोल्यूशन बताया था। आपको बता दें कि पूरे देश में एक मार्च से जन औषधि सप्ताह मनाया गया है। इस दौरान लोगों को इस बारे में जानकारी के साथ उनके बीच इसकी जागरुकता को बढ़ाने का भी काम किया गया है। जन औषधि परियोजना के तहत इसमें लोगों को जेनेरिक दवाओं के इस्तेमाल और इनके फायदे बताए गए।इस दौरान कई दूसरे इवेंट भी चलाए गए जिसमें जन औषधि संकल्प यात्रा, मैत्री शक्ति सम्मान, जन औषधि बाल मित्र, जन औषधि जन जागरण अभियान, आओ जन औषधि मित्र बनाएं और जन औषधि जन आरोग्य मेला भी शामिल है। पीएम मोदी की दूर्गामी सोच पर आगे बढ़ते हुए इन दवाओं को न सिर्फ सस्ता किया गया है बल्कि लोगों तक इनकी पहुंच बनाने की भी पूरी कोशिश की गई है। पूरे देश में आज जन औषधि केंद्र के करीब 8600 स्टोर्स खुले हुए हैं जहां पर ये दवाएं आसानी से और सस?ती कीमत पर खरीदी जा सकती हैं। इसमें देश के लगभग हर ज़िले को शामिल किया गया है।इस दौरान कई दूसरे इवेंट भी चलाए गए जिसमें जन औषधि संकल्प यात्रा, मैत्री शक्ति सम्मान, जन औषधि बाल मित्र, जन औयान, आओ जन औषधि मित्र बनाएं और जन औषधि जन आरोग्य मेला भी शामिल है। पीएम मोदी की दूर्गामी सोच पर आगे बढ़ते हुए इन दवाओं को न सिर्फ सस्ता किया गया है बल्कि लोगों तक इनकी पहुंच बनाने की भी पूरी कोशिश की गई है। पूरे देश में आज जन औषधि केंद्र के करीब 8600 स्टोर्स खुले हुए हैं जहां पर ये दवाएं आसानी से और सस्ती कीमत पर खरीदी जा सकती हैं। इसमें देश के लगभग हर जिले को शामिल किया गया है।गौरतलब है कि प्रधानमंत्री जन औषधि योजना की शुरुआत पीएम नरेन्द्र मोदी ने 1 जुलाई 2015 को की थी।इस योजना के तहत सरकार द्वारा उच्च गुणमवत्ता वाली जैनरिक दवाइऱ्यों के दाम बाजार मूल्य से कम कर इन्हें बेचा जाता है।

केंद्रीय मंत्री हरदीप सिंह पुरी के साथ हंगरी से लौटा छात्रों का अंतिम जत्था, जताई खुशा

नई दिल्ली। रूस और यूक्रेन का युद्ध 12वें दिन भी जारी है। रूसी सेना द्वारा यूक्रेन पर लगातार हमले किए जा रहे हैं। तो वहीं विदेशी कंपनियां भी रूस के खिलाफ एक्शन ले रही है। इसके अलावा युद्ध के 12वें दिन भी आपरेशन गंगा के तहत भारतीयों की घर वापसी भी जारी है। उधर, उत्तर प्रदेश में सातवें और अंतिम चरण का मतदान सुबह 7 बजे से जारी है। नौ जिलों के 54 विधानसभा क्षेत्रों में मतदाता पोलिंग बूथ पर वोटिंग के लिए पहुंच रहे हैं। विधानसभा चुनाव के आखिरी चरण में वाराणसी, जौनपुर, गाजीपुर, चंदौली, आजमगढ़, मऊ, मीरजापुर, सोनभद्र और भदोही की 54 सीटों पर मतदान हो रहा है। इस चरण में 2.06 करोड़ मतदाता 613 प्रत्याशियों का फैसला करेंगे। 613 प्रत्याशियों में इनमें 75 महिला उम्मीदवार हैं। वर्ष 2017 में हुए विधानसभा चुनाव में इन 54 सीटों में से भाजपा ने 29, सपा ने 11, बसपा ने छह, अपना दल ने चार और सुभासपा ने तीन व निषाद ने पार्टी एक सीट जीती थी।

सुप्रीम कोर्ट और हाई कोर्ट भी बंदरों से परेशान, अदालत परिसर में बंदरों को खाना नहीं खिलाने का निकाला गया सर्कुलर

नई दिल्ली। यूं तो दिल्ली के कई इलाके बंदरों से परेशान हैं, अब सुप्रीम कोर्ट और दिल्ली हाई कोर्ट ने औपचारिक रूप से इससे निजात पाने की कोशिश शुरू की है। सुप्रीम कोर्ट ने न्यायाधीशों के बंगलों से बंदर भगाने के लिए निविदाएं आमंत्रित की है। दिल्ली हाई कोर्ट ने सर्कुलर निकाला है, जिसमें अदालत परिसर में बंदरों को खाना खिलाने की मनाही की गई है। साथ ही सभी ब्लाक की खिड़कियां बंद रखने की बात कही गई है, ताकि बंदर हाई कोर्ट की इमारत में न घुस सकें। सुप्रीम कोर्ट ने तीन मार्च को टेंडर आमंत्रित किए थे, जबकि दिल्ली हाई कोर्ट का सर्कुलर चार मार्च का है। सुप्रीम कोर्ट ने वेबसाइट पर टेंडर का विवरण डाला है। इसके मुताबिक, सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीशों के बंगलों और गेस्ट हाउस से बंदरों को भगाने के लिए हाउस कीपिंग एजेंसी से मैन पावर उपलब्ध कराने के लिए टेंडर आंमत्रित किए गए हैं। दिल्ली एनसीआर की प्रतिष्ठित हाउस कीपिंग एजेंसी से सीलबंद निविदा आमंत्रित की गई है। कहा गया है कि सुप्रीम कोर्ट से तीन-चार किलोमीटर की परिधि में न्यायाधीशों के 35-40 रिहायशी बंगले हैं, जहां से बंदरों को भगाना है। शुरुआत में छह महीने के लिए सेवा देने की बात की गई है। सेवा संतोषजनक होने पर ठेके की अवधि बढ़ाई भी जा सकती है। निविदा देने की आखिरी तारीख 24 मार्च को शाम तीन बजे तक है।

केवल एक ट्रेलर मात्र था यूरोप के सबसे बड़े न्यूक्लियर पावर प्लांट पर हुआ रूस का हमला, पिक्चर तो अभी बाकी है

नई दिल्ली। रूस और यूक्रेन के बीच छिड़ी जंग दूसरे सप्ताह में चल रही है। इस दौरान रूस ने चर्नीबिल समेत यूरोप के सबसे बड़े न्यूक्लियर पावर प्लांट जैपोरिझिक

पर भी अपना कब्जा कर लिया है। इससे पहले रूस ने इस परमाणु संयंत्र पर हमला भी किया था, जिसको लेकर कई सारे सवाल भी उठे थे। हालांकि जानकार मानते हैं कि इस संयंत्र पर हुआ रूस का हमला पश्चिमी देशों को एक कड़ा और सीधा संकेत था। जवाहरलाल नेहरू यूनिवर्सिटी में सेंटर फार रशिया एंड सेंटर फार एशियन स्टडीज की प्रोफेसर अनुराधा शिनोए का कहना है कि रूस ने इस हमले से सभी देशों को ये कड़ा संकेत दिया है कि यदि उन्होंने इस लड़ाई में कूदने की कोशिश की तो वो न्यूक्लियर अटैक करने से भी नहीं चूकेगा। उनके मुताबिक इसका एक संकेत राष्ट्रपति जेलेंस्की के लिए भी है कि यदि वो रूस की मांगों के आगे नहीं झुके तो अंजाम सही नहीं होगा। रूस अपनी मांगों को पूरा करने के लिए कहीं तक भी जा सकता है। जिस संकेत को देने के लिए रूस ने जैपोरिझिक न्यूक्लियर पावर प्लांट पर हमला किया था उसका असर भी साफतौर पर होता दिखाई दे रहा है। इस हमले के बाद पश्चिमी देशों और अमेरिका ने बयानबाजी के अलावा कोई दूसरा कदम नहीं उठाया है। आपको बता दें कि रूस यदि चाहता तो इस परमाणु संयंत्र को सीधा निशाना बनाकर जबरदस्त तबाही मचा सकता था और यूक्रेन को घुटनों पर ला सकता था। लेकिन रूस ने ऐसा नहीं किया है। इस बीच यूक्रेन का भी संयंम अब पश्चिमी देशो, नाटो और अमेरिका से टूटता दिखाई दे रहा है। यही वजह है कि शनिवार को राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने नाटो पर ही सवाल उठा दिया था। उन्होंने आरोप लगाया था कि नाटो ने ही रूस को यूक्रेन के गांव और शहरों पर हमले करने का ग्रीन सिग्नल दिया था। उनका ये बयान कहीं न कहीं यही बताता है कि रूस के आगे जो उनकी बेबसी है उसको खत्म करने की राह उन्हें कहीं भी दिखाई नहीं दे रही है। पश्चिमी देशों ने यूक्रेन को हथियारों की सप्लाई तो की है लेकिन इन्हें चलाने वाले वहां पर नहीं हैं। वहीं जो अमेरिका पहले यूक्रेन की हर संभव मदद की बात करता था वो कहीं दूर खड़ा हुआ केवल बयानबाजी ही कर रहा है। ऐसे में यूक्रेन की स्थिति बेहद खराब हो चुकी है।

भारत सरकार ने शुरू की अनोखी स्कीम, असंगठित क्षेत्र के श्रमिकों को होगा फायदा, जानें क्या है योजना

नई दिल्ली। भारत सरकार ने देश के असंगठित क्षेत्र के श्रमिकों के लिए एक नई पहल शुरू की है। इस स्कीम के तहत लोग अपने सहायक कर्मचारियों को पेंशन देने में सहायता कर सकेंगे। केंद्रीय श्रम एवं रोजगार मंत्री भूपेंद्र यादव ने सोमवार को लोगों को उनके सहायक कर्मचारियों की पेंशन निधि में योगदान देने के लिए प्रधानमंत्री श्रम योगी मान-धन (पीएम-एसवाईएम) के तहत 'डोनेट-ए-पेंशन' कार्यक्रम शुरू किया। बता दें कि आज शुरू किया गया यह कार्यक्रम 7 से 13 मार्च तक मनाए जा रहे 'आइकॉनिक वीक' में शुरू किए जाने वाले श्रम मंत्रालय की कई पहलों का हिस्सा है। पीएम-एसवाईएम के तहत असंगठित क्षेत्र में कार्य करने वाले श्रमिक ई-श्रम रजिस्ट्रेशन करा सकते हैं। इस स्कीम के तहत असंगठित क्षेत्र में 18-40 वर्ष के बीच के श्रमिक अपनी उम्र के आधार पर हर साल न्यूनतम 660 से 2400 रुपये जमा कर सकते हैं। इसका फायदा यह है कि वे 60 वर्ष की आयु प्राप्त करने के बाद न्यूनतम 3,000 रुपये प्रति माह की पेंशन पा सकते हैं। मंत्री भूपेंद्र यादव ने आज अपने आवास पर अपने माली को दान करके 'डोनेट-ए-पेंशन' कार्यक्रम शुरू किया। यह (पीएम-एसवाईएम) पेंशन योजना के तहत एक पहल है, जहां नागरिक अपने सहायक कर्मचारियों जैसे घरेलू कामगारों, ड्राइवरों और हेल्पर्स आदि के प्रीमियम योगदान में दान कर सकते हैं। बता दें कि श्रम मंत्रालय 'आइकॉनिक वीक' के तहत कई गतिविधियां करेगा। इन गतिविधियों में ई-श्रम 25 करोड़ पंजीकरण का जशन मनाना, उमंग ऐप पर ई-श्रम का शुभारंभ, 'डोनेट-ए-पेंशन' का शुभारंभ, राष्ट्रीय करियर सेवा केंद्रों द्वारा नौकरी मेला, प्लेसमेंट ड्राइव और प्लेसमेंट-उन्मुख शिविर शामिल हैं।

30 अप्रैल तक जिले में लागू रहेगी धारा-144 -अपर जिला मजिस्ट्रेट

(आधुनिक समाचार सेवा)
डॉ0रणजीत सिंह

प्रतापगढ़। अपर जिला मजिस्ट्रेट मुकेश चन्द्र ने बताया कि जनपद में मतगणना एवं होली आदि त्योहारों को दृष्टि में रखकर 30 अप्रैल तक धारा 144 के तहत निषेधाज्ञा लागू रहेगी। उन्होंने बताया कि दिनांक 10 मार्च को विधानसभा सामान्य निर्वाचन-2022 से सम्बन्धित महुली मण्डी समिति प्रतापगढ़ में मतगणना सम्पन्न होनी है तथा दिनांक 17 मार्च को होलिका दहन, 18 मार्च को होली, 03 अप्रैल से पवित्र रमजान के शुभारम्भ, 10 अप्रैल को रामनवमी, 15 अप्रैल को गुड फ्राइडे व दिनांक 29 अप्रैल को अन्तिम जुमा (अलविदा की नमाज) सम्पन्न होने है। इसी दौरान उ0प्र0 माध्यमिक शिक्षा परिषद द्वारा संचालित हाईस्कूल एवं इण्टरमीडिएट की परीक्षायें भी आयोजित होगी। विधानसभा सामान्य निर्वाचन-2022 की मतगणना तथा त्योहारों/आयोजनों व हाईस्कूल एवं इण्टरमीडिएट की परीक्षाओं को सकुशल, निष्पक्ष, पारदर्शी ढंग से सम्पन्न कराये जाने हेतु अपर जिला मजिस्ट्रेट ने जनपद प्रतापगढ़ के सम्पूर्ण क्षेत्र में 30 अप्रैल तक दण्ड प्रक्रिया संहिता की धारा-144 के अन्तर्गत निषेधाज्ञा लागू कर दी है।उन्होने बताया है कि राजनैतिक दल या अभ्यर्थी मतगणना के अवसर पर किसी प्रकार भीड़ एकत्रित नही करेगा और न ही विजय जुलूस निकालेगा। कोई भी व्यक्ति किसी प्रत्याशी की हार-जीत के सम्बन्ध में सट्टा नही लगायेगा। कोई भी व्यक्ति मतगणना स्थल पर एवं उसके चारो तरफ 200 मीटर की परिधि में मोबाइल फोन, कार्डलेस व वाकी-टाकी का प्रयोग नही करेगा। यह प्रतिबन्ध निर्वाचन ड्यूटी में लगे अधिकारियों/कर्मचारियों पर लागू नही होगा। मतगणना स्थल पर एवं उसके चारो तरफ 200 मीटर की परिधि में मदिरा सेवन एवं अन्य किसी नशीले पदार्थ का सेवन, बीड़ी सिगरेट का सेवन नही करेगा और न ही माजिश, लाइटर अथवा अन्य ज्वलनशील पदार्थ लेकर जायेगा। कोई भी व्यक्ति, व्यक्तियों का समूह अथवा राजनैतिक दल के सदस्यगण एवं अभ्यर्थी किसी भी प्रत्याशी के पक्ष या विपक्ष में किसी प्रकार की नारेबाजी, उत्तेजना फैलाने वाले या साम्प्रदायिक सद्भाव विगाडने वाले प्रचार नही करेगा। राजनैतिक दल के सदस्यगण एवं अभ्यर्थी भारत निर्वाचन आयाग द्वारा जारी आदर्श चुनाव आचार संहिता एवं तत्सम्बन्ध में जारी निर्देशों का किसी भी दशा में उलंघन नही किया जायेगा। कोई भी व्यक्ति किसी भी प्रकार का कोई संगठन या राजनैतिक दल ऐसी कोई प्रचार की सामग्री नही छपवायेगा जिससे जनमानस की भावनाओं को ठेस पहुॅचे एवं उत्तेजना उत्पनन्न हो।उन्होने बताया है कि एक स्थान पर 5 या 5 से अधिक व्यक्तियों का विधि विरूद्ध जमाव प्रतिबन्धित किया जाता है। त्योहारों के पावन पर्व पर कोई नई परम्परा नही कायम की जायेगी। कोई भी व्यक्ति मतगणना स्थल या अन्य किसी सार्वजनिक स्थानों पर रिवाल्वर, पिस्टल, राइफल, एक नली बन्दूक व दो नली बन्दूक अथवा घातक हथियार यथा चाकू, बल्लम, फरसा, विस्फोटक, ज्वलनशील पदार्थ, तेजाब आदि अथवा लाठी, डंडा, हाकी स्टिक आदि या किसी भी प्रकार का हथियार/शस्त्र लेकन नही चलेगा न तो उसका प्रयोग करेगा। यह प्रतिबन्ध सरकारी ड्यूटी पर तैनात अधिकारी/कर्मचारी तथा बैंक में लगे हुये सुरक्षा कर्मियों पर लागू नही होगा। किसी भी सार्वजनिक धार्मिक स्थल पर लाउडस्पीकर का प्रयोग किसी भी दशा में इस प्रकार से नहीं किया जायेगा जिससे विभिन्न सम्प्रदाय के लोगें में उत्तेजना फैलने की सम्भावना हो। लाउडस्पीकर का प्रयोग रात्रि 10 बजे से प्रातः 6 बजे तक किसी भी प्रकार से नही किया जायेगा। किसी भी सार्वजनिक, धार्मिक स्थल पर कोई ऐसी जनसभा, रैली या जुलूस का आयोजन नहीं किया जायेगा और न ही किसी प्रकार की अफवाह फैलायी जायेगी। कोई भी व्यक्ति या दल/अभ्यर्थी, अन्य राजनैतिक दलों के अभ्यर्थियों के बारे में कोई ऐसी आलोचना नही करेगा जिसकी सत्यता स्थापित न हुई हो या तोड़-मरोड़ कर कही गयी बातों पर आधारित हो एवं जातीय या साम्प्रदायिक भावनाओं की दुहाई नहीं देगा।

राष्ट्रीय मानवाधिकार एवं अपराध नियंत्रण ब्यूरो की टीम आज प्रयागराज में पदाधिकारियों का सम्मान एवं एक्टिव मेंबर की मीटिंग रखी गई

(आधुनिक समाचार सेवा)
विलास गुप्ता

प्रयागराज। राष्ट्रीय मानवाधिकार एवं अपराध नियंत्रण ब्यूरो आज प्रयागराज में एक्टिव मेंबर राकेश वैश्य जीके होटल जॉनसन गंज मैं किया गया इस मीटिंग में उपस्थित स्टेट लेवल के पदाधिकारी और जिला प्रयागराज के जिलाध्यक्ष और महिला विंग स्टेट लेवल की पदाधिकारी भी शामिल हुए सभी पदाधिकारियों का माल्यार्पण द्वारा सम्मान किया गया और एक्टिव सदस्यों को भी सम्मान किया गया और सर्टिफिकेट बांटे गए।मीटिंग में मानवाधिकार के बारे में भी लोगों को विस्तार से बताया गया और अंत में सभी को जलपान एवं मिष्ठान दिए गए मीटिंग का समापन सभी का परिचय के बाद किया गया।

108 एंबुलेंस के चालक की सूझबूझ से महिला ने एंबुलेंस में दिया जुड़वा बच्चे को जन्म

(आधुनिक समाचार सेवा)
राकेश मिश्रा

प्रयागराज। विकासखंड जसरा अंतर्गत निवासी ग्राम कोहनियां की सरोजा देवी पत्नी संध्या आदिवासी को प्रसव पीड़ा होने पर तत्काल एंबुलेंस की मदद मांगी मौके पर एंबुलेंस चालक ईएमआई राजू साहनी मनीष कुमार पांडेय प्रसव से कराह रही महिला को लेकर जैसे ही गांव से निकले कुछ दूरी पर महिला को प्रसव पीड़ा होने से जुड़वा बच्चे को दिया जन्म जच्चा बच्चा दोनों सकुशल स्वास्थ्य एंबुलेंस सेवा अपने कर्तव्य का निर्वाह करते हुए इस तरह कई महिलाओं को अस्पताल जाते समय एंबुलेंस में ही बच्चा पैदा हो गया सबसे बड़ी बात यह है कि स्वास्थ विभाग टीम अपनी जिम्मेदारी का निर्वाह बराबर करते हैं आशा बहुएं का सहयोग बराबर देखने को मिलता है गर्भवती महिलाओं के साथ थे।

जिला जज ने लोक अदालत की बैठक में लिया भाग

(आधुनिक समाचार सेवा)
डॉ0रणजीत सिंह

प्रतापगढ़। आगामी राष्ट्रीय लोक अदालत 12 मार्च 2022 के सम्बन्ध में जनपद न्यायाधीश संजय शंकर पाण्डेय की अध्यक्षता में प्रशासनिक अधिकारियों के साथ जनपद न्यायाधीश के विश्राम कक्ष में बैठक की गयी। जिला जज ने सभी प्रशासनिक नोडल अधिकारियों को अधिक से अधिक मामलों को चिह्नित कर राष्ट्रीय लोक अदालत में निस्तारित करने के निर्देश दिये। बैठक का संचालन जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सचिव नीरज कुमार त्रिपाठी ने किया। बैठक में अपर जिलाधिकारी (वि0/रा0) मुकेश चन्द्र, अपर पुलिस अधीक्षक पश्चिमी रोहित मिश्रा, अपर मुख्य चिकित्साधिकारी शिव चरन लाल द्विवेदी उपस्थित रहे।

जिलाधिकारी ने होली पर्व को सकुशल सम्पन्न कराने के दृष्टिगत की बैठक

अवैध शराब की बिक्री किसी भी दशा में न हो-जिलाधिकारी मिलावटी खाद्य पदार्थो पर कड़ी कार्यवाही सुनिश्चित हो-जिलाधिकारी

(आधुनिक समाचार सेवा)
सतिष केशरवानी

प्रयागराज। जिलाधिकारी श्री संजय कुमार खत्री ने होली पर्व को सकुशल सम्पन्न कराने के दृष्टिगत संगम सभागार में बैठक की। उन्होंने सभी उपजिलाधिकारी सुनिश्चित करें। कहीं पर भी अवैध शराब आदि की बिक्री नहीं होनी चाहिए। उन्होंने नगर निगम के अधिकारियों को निर्देशित किया कि शहर में साफ-सफाई, छिड़काव तथा पानी आदि की व्यवस्था दुरूस्त करा ली जाये तथा नगर पंचायतों

एवं पुलिस उपाधीक्षक को निर्देश दिया है कि होलिका दहन स्थल का निरीक्षण कर ले तथा जहां पर भी कोई समस्या आ रही है, उसका निस्तारण समय से करा लें तथा होलिका दहन स्थलों पर लेखपालों की ड्यूटी लगायी जाये। अपने-अपने क्षेत्रों में पीस कमेटी की बैठक भी सुनिश्चित करा लें। उन्होंने बिजली विभाग के अधिकारियों को निर्देशित किया है कि मार्गो पर जो भी तार जर्जर है, पोल तथा ट्रांसफार्मर खराब है, उन्हे तत्काल बदल दे। उन्होंने आबकारी विभाग को निर्देशित किया है कि संयुक्त टीम बनाकर छापेमारी आदि की कार्यवाही के अधिशाषी अधिकारी भी ये सुनिश्चित कर लें कि साफ-सफाई, पानी आदि की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित रहे। उन्होंने अभिहित अधिकारी (फूड आफिसर) को निर्देशित किया है कि त्यौहारों के समय खाद्य पदार्थो पर विशेष निगरानी रखे, किसी भी दशा में मिलावटी खाद्य पदार्थ की बिक्री न होने पाये, मिलावटी खाद्य-पदार्थों की बिक्री करने वालो पर कड़ी कार्यवाही की जाये। इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी श्री शिपू गिरि, समस्त अपर जिलाधिकारी, उपजिलाधिकारी सहित पुलिस के अधिकारीगण उपस्थित रहे।

प्रयागराज राजकीय उद्यान विभाग की ओर से मंडलीय पुष्प प्रदर्शनी का आयोजन हुआ

(आधुनिक समाचार सेवा)
सरफराज अहमद

प्रयागराज। राजकीय उद्यान विभाग की ओर से मंडलीय पुष्प प्रदर्शनी का आयोजन चंद्रशेखर आजाद पार्क कंपनी बाग में किया गया इसका उद्घाटन मंडलायुक्त ने अपने कर कमलों द्वारा किया इस प्रदर्शनी का लोगों को पूरे साल भर इंतजार रहता है कि कब यह दिन आए और हमें यह फल साग भाजी पुष्प प्रदर्शनी देखने को मिले इसके लिए बकायदा अलग-अलग स्टाल लगाए जाते हैं और वहां पर विभिन्न प्रकार की पुष्प प्रजातियों को लोगों के खातिर दर्शाया जाता है साथ ही साथ इस पुष्प प्रदर्शनी में लोगों के मनोरंजन के लिए कई तरह के कार्यक्रमों का आयोजन भी किया जाता है जहां बच्चों के लिए फैशन शो का आयोजन किया जाता है तो वही बड़ों के लिए भी तमाम तरीके के गेम्स भी खेले जाते हैं इससे लोगों को इस प्रदर्शनी में हिस्सा बनने का खासा इंतजार रहता है इसके साथ ही साथ जो भी दर्शक इस प्रदर्शनी को देखने आते हैं वह चाहे तो इसके बारे में जानकारी और फल साग भाजी पुष्प प्रदर्शनी का अपने घर में साज सज्जा भी करा सकते हैं इसके लिए बकायदा यहां पर विभाग की ओर से लोग मौजूद रहते हैं जो उनके घरों पर जाकर इसके लिए उन्हें दिशा निर्देश भी देते हैं और कार्य भी करते हैं लेकिन यह सशुल्क होता है बकायदा माली भेज करके लोग अपने घरों के बागीचों में पुष्प सज्जा करवाते हैं और बहुत सारे लोग फल साक भाजी के बीजों की खरीदारी भी करते हैं और पुष्पों की भी खरीदारी की जाती है इस दौरान पूरा कंपनी बाग फूलों की घाटी में तब्दील हो जाता है और यह हृदय विभोर कर देने वाला दृश्य देखने लायक रहता है तो वही रंग बिरंगा विभिन्न रंगों से सजा कंपनी गार्डेन का फौव्वारा भी लोगों के आकर्षण का केंद्र बना रहता है इस पुष्प प्रदर्शनी को देखने के लिए शहर से ही नहीं बल्कि बाहर से भी लोग अपने रिश्तेदारों के यहां आकर देखने के लिए आते हैं इस प्रदर्शनी का आयोजन हर साल किया जाता है और इस वर्ष भी हर वर्ष की भांति इसका आयोजन किया गया है।

मो साबिर शेख व मो युसुफ के इन्तेकाल से नगर में छाया मातम

(आधुनिक समाचार सेवा)
सरफराज अहमद

प्रयागराज। नगर पंचायत फूलपुर मोहल्ला शेखपुर सुहेल ठाकुर के आवास पर एक बैठक हुई जिसमें शेखपुरा पूर्वी के निवासी मोहम्मद साबिर मंसूरी कल 5 मार्च को सउदी अरब से अपने वतन हिन्दुस्तान वापसी के दौरान लखनऊ में अचानक इन्तेकाल होने व शेखपुर निवासी शेख मोहम्मद युसुफ के दो अचानक मौतों से नगर पंचायत फूलपुर नगर वासियों में शोक कि लहर हर तरफ गम छाया रहा दोनों व्यक्ति समाजिक मिलनसार होने पर अफसोस जाहिर करते रहे और नम आंखों में आसूं लिए दोनों जनाजे में भारी भीड़ उमड़ी रही और कस्बा वासियों ने सुपुर्द-ए-खाक किया इस दौरान सलीम सिद्दीकी,जुबेर नवाब अंसारी,डा, जियाउद्दीन डा, फैय्याज,अरशद उल्लाह, नसीरुद्दीन राईन, सुहेल ठाकुर,सैयद मेराज अरशद,मो अशफाक सिद्दीकी,कुमार मंगल, मुराद मंसूरी,मो इरफान, परवेज आलम, वाजिद तुफानी, विरेन्द्र यादव,यहिया सिद्दीकी, अरकान सिद्दीकी, मोहम्मद शकील, इम्तेयाज,आदि सैकड़ों लोग मौजूद रहे।

अभिकर्ता मोहतसिम हुए सम्मानित

(आधुनिक समाचार सेवा)
सरफराज अहमद

फूलपुर। नगर पंचायत फूलपुर की भारतीय जीवन बीमा निगम शाखा कार्यालय में रविवार को शाखा प्रबंधक आलोक कुमार मालवीय की अध्यक्षता में अभिकर्ताओ की एक बैठक कर के सर्वश्रेष्ठ जमा करता अभिकर्ताओ को सम्मानित किया गया। महेंद्र कुमार अस्थाना सहायक शाखा प्रबंधक, मनोज कुमार गुप्ता विकास अधिकारी, संजीव सोनकर, विश्व प्रताप आदि की उपस्थिति में अभिकर्ता मोहतसिम अहमद को सबसे अधिक प्रीमियम जमा कराने हेतु सम्मानित किया गया तथा अन्य अभिकर्ता गण को प्रोत्साहित करते हुए ज्यादा से ज्यादा प्रीमियम जमा कराने को कहा गया। मौके पर मोहम्मद वसीम, राम बहादुर प्रजापति, अश्वनी, उषा विश्वकर्मा, अरविंद सिंह आदि लोग उपस्थित रहे।

नैनी औद्योगिक प्रशिक्षण केन्द्र, प्रयागराज

भारत सरकार की कौशल विकास योजना में अगस्त 2021 से प्रारम्भ हो रहे सत्र के लिए निम्नलिखित ट्रेडों में दाखिले के लिए आवेदन पत्र आमंत्रित ट्रेड प्रवेश योग्यता तथा प्रस्तुत विभिन्न पाठ्यक्रमों की अवधि इस प्रकार है-

क0सं0	ट्रेड का नाम	ट्रेड की अवधि	योग्यता
1.	कोपा	1 वर्ष	12वीं पास
2.	फिटर	2 वर्ष	10वीं पास
3.	बेसिक कम्प्युटिंग	6 माह	साक्षर
4.	डाटा इंट्री ऑपरेटर	6 माह	10वीं पास
5.	फायर प्रिवेन्शन एण्ड इंडस्ट्रियल सेफ्टी	6 माह	8वीं पास
6.	सेक्योरिटी सर्विस	6 माह	8वीं पास
7.	कम्प्यूटर हार्डवेयर एण्ड एसेम्बली	1 वर्ष	10वीं पास
8.	सर्टिफिकेट इन कम्प्युटर एप्लीकेशन	1 वर्ष	10वीं पास
9.	इलेक्ट्रिकल टेक्निशियन्स	1 वर्ष	8वीं पास
10.	रेफरिजरेटर एण्ड एयर कन्डिसनिंग	1 वर्ष	8वीं पास
11.	योगा असिस्टेन्ट	1 वर्ष	10वीं पास
12.	वेल्डिंग टेक्नोलॉजी	1 वर्ष	8वीं पास
13.	कम्प्यूटर टीचर ट्रेनिंग कोर्स	1 वर्ष	10वीं पास

1.**प्रमाण पत्रः**- सफल प्रशिक्षणार्थियों को भारत सरकार द्वारा प्रमाणपत्र दिए जाते है, जो केंद्रीय सरकार एवं राज्य सरकार के अधीनस्थ पद एवं सेवा में भर्ती के लिए मान्य है। 2.**चयन की प्रक्रियाः**- इस वर्ष कोविड-19 महामारी के चलते सभी सीटों पर दाखिले पहले आओ-पहले पाओ के आधार पर किये जायेंगे। 3.**आयु सीमाः**- उम्मीदवारों की आयु 1 अगस्त 2021 को न्यूनतम 14 वर्ष से अधिक होनी चाहिए। 4.**आवेदन कैसे करेः**- आवेदन फॉर्म संस्थान की वेबसाइट पर जाकर ऑनलाइन भरे जा सकते है तथा संस्थान के कार्यालय से निःशुल्क भी प्राप्त किया जा सकता है। 5.आवेदन फॉर्म भरते समय पंजीकरण शुल्क रूपये 2665/- का भी देय होगा। 6.**कक्षायें/उपस्थितिः**- छात्रों की उपस्थिति में दो भाग शामिल है- थ्योरी क्लास और ट्रेनिंग इस वर्ष कोविड-19 स्थिति के कारण सभी छात्र संस्थान द्वारा आयोजित ऑनलाइन कक्षाओं में भाग लेंगे तथा उसके लिए संस्थान में छात्रों की भौतिक उपस्थिती की अनिवार्यता नहीं है, जब तक कोविड-19 की वर्तमान स्थिति समाप्त नहीं हो जाती है। प्रशिक्षण के लिए छात्रो को प्रधानाचार्य की अनुमति के साथ, अपने सम्बंधित मूल स्थानों पर प्रशिक्षण पूरा करने की अनुमति है। परीक्षा के समय छात्रों की उपस्थिति अनिवार्य होगी। 7.**छात्रवृत्तिः**- दाखिले के उपरांत शुल्क प्रतिपूर्ति के लिए सभी ट्रेडों में आरक्षित श्रेणी के अभ्यर्थी, जिनके पास आय प्रमाण पत्र एवं सम्बन्धित दस्तावेज मौजूद हो वे सभी भारत सरकार की छात्रवृत्ति योजनाओं में आवेदन कर सकते है। 8. अधिक जानकारी के लिए संस्थान की वेबसाइटः- **www.nainiiti.com** देखें। 9.**दाखिले की अंतिम तिथिः**- 15 मार्च 2022

सम्पर्क सूत्र :- 0532-2695959, 9415608710, 9807278552, 9415608790

आशा-एएनएम बच्चों का ड्यू लिस्ट जल्द तैयार करें चिकित्सा प्रभारी डॉ आर के सिंह

(आधुनिक समाचार सेवा)
सर्वेश कुमार यश

हरहुआ (वाराणसी)। विकाश खण्ड के हरहुआ प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र के डॉ0 आर0के0 सिंह द्वारा शनिवार को नियमित टीकाकरण केंद्र काजी सराय पंचायत भवन का निरीक्षण किया। निरीक्षण में एएनएम सीमा और आशा द्वारा बच्चों और गर्भवती महिला का ड्यू लिस्ट के साथ-साथ आशा डायरी, आरसीएच रजिस्टर अपडेट नहीं था। जिससे सभी लाभार्थियों को नियमित टीकाकरण का लाभ नहीं दिया जा सका।इसके लिए प्रभारी ने उनको पुनः क्षेत्र में घर घर जाकर ड्यू लिस्ट अपडेट करने के लिए निर्देश दिए। स्पष्टीकरण कार्यालय में जमा करने के लिए कहा। साथ मे एआरओ और बीपीएम बसंतलाल श्रीवास्तव व एएनएम सीम इत्यादि लोग उपस्थित रहे।

जिलाधिकारी वाराणसी : कौशल राज शर्मा ने कल सातवें चरण के चुनाव के लिए जारी किया दिशा निर्देश

(आधुनिक समाचार सेवा)
देवभूषण कन्नौजिया

वाराणसी। निर्वाचन के दौरान मतदाता अपने वाहन प्रयोग कर सकते है परंतु बूथ से 100 मीटर दूर वाहन को छोड़ना होगा। वाराणसीः- दिनांक` को निर्वाचन के दौरान मतदाता अपने वाहन प्रयोग कर सकते है परंतु बूथ से 100 मीटर दूर वाहन को छोड़ना होगा। बुजुर्ग, मेडिकल केस और दिव्यांग मतदाता के ही वाहन विशेष परिस्थितियों में बूथ तक जा पाएंगे। शाम 4 बजे तक चाय, पका कर देने वाली खाद्य सामग्री की दुकानें, लाही, चना मूंगफली, आइस क्रीम, फल के ठेले और स्ट्रीट वेंडर्स खुले रह सकते हैं ताकि मतदान ड्यूटी के लोग, ट्रैफिक और पुलिस बल खरीद कर खानपान कर सकें। किसी जंगल सामान्य पब्लिक को बिठा कर खिलाना अनुमन्य नहीं होगा। ये सब भी 4 से 6 बजे तक बंद रहेंगी ताकि सभी दुकान कर्मचारी भी वोट डाल सकें। मंडी समिति पर शाम 7 बजे के बाद से देर रात तक सभी खानपान की सामग्री, चाय, पान, मूगफली, आइस क्रीम, लाही, चना आदि के ठेले, वेंडर्स, रेस्टोरेंट, टिफिन खाना देने वाले, कैंटीन चलाने वाले वैंडर्स अनुमन्य हैं ताकि सभी लौटने वाले मतदान कर्मी खरीद कर खाना खा सकें। जनपद के सभी नागरिक मतदान के अलावा किसी अत्यंत आवश्यक कार्य हो या बस स्टैंड, रेलवे स्टेशन, एयरपोर्ट, अस्पताल आदि जगह जाना हो तभी घर से बाहर निकलें अन्यथा रोड ट्रैफिक का हिस्सा ना बनें। जनपद में बाहर से भी इसी श्रेणी के लोग आएं अन्यथा बिना काम ना आएं। मीडिया के लोग मतदान केंद्र के परिसर के अंदर अपना पास और आईडी कार्ड दिखा कर जा सकते हैं परंतु बूथ के दरवाजे के अंदर नहीं जा सकते। बूथ में वोटिंग कम्पार्टमेंट को कवर नहीं कर सकते केवल दरवाजे से पोलिंग पार्टी को कार्य करते हुए कवर कर सकते हैं, लाइन में लगे लोगो से बात नहीं कर सकते, ओपिनियन पोल या किसे वोट दिया ये नहीं पूछ सकते। वोट दे कर वापिस आते हुए लोगो से सामान्य बातचीत मतदान केंद्र परिसर के बाहर कर सकते हैं।

बलिया की शिक्षका अन्नू सिंह का अब सातवें चरण मतदान के अपील की अनोखी पहल: मतदाताओं को निमंत्रण कार्ड

(आधुनिक समाचार सेवा)
शीतल निर्भीक

बलिया। बीते कोरोना महामारी के दौरान इस बागी धरती के एक ऐसी बेटी भी और बहु भी है।जो शिक्षा जगत मे अपनी कर्तव्य निष्ठा के बूते शिक्षका अन्नू सिंह ने जनपद मे अपनी एक अलग पहचान बनाई है।यही नही सामाजिक नेक कार्यो से लगायत छठवें चरण के चुनाव मे भी उनकी मतदाता जागरूकता अभियान कम सराहनीय नही रहा। अखबार और सोशल मीडिया के माध्यम से सभी को मतदान करने के लिए प्रेरित कर महिला शक्ति का प्रदर्शन करती रही है।वही अब यूपी के अंतिम और सातवें चरण मे होने वाले चुनाव मे भी वह पीछे नही हटी है। उन्होंने बकायदा मतदान के लिए मतदाताओं को निमंत्रण कार्ड के माध्यम से ठअनोखी पहलठ अपना कर लोगो को जागरूक करने मे लगी हुई है। उत्तर-प्रदेश के वाराणसी सहित अन्य जनपदो मे होने वाले चुनाव मे भी बलिया की शिक्षका अन्नू सिंह ने मतदाताओ के नाम निमंत्रण-पत्र के माध्यम से अपने मताधिकार का उपयोग करने की ठएक अनोखीठ पहल के साथ ही मार्मिक अपील की है।जो आम चर्चा का विषय बना हुआ है। चुनावी आयोग द्वारा जारी गाइड लाइंस के तहत कल सोमवार 7 मार्च को निर्वाचन के दौरान मतदाता अपने वाहन प्रयोग कर सकते है। परंतु बूथ से 100 मीटर दूर वाहन को छोड़ना होगा। बुजुर्ग, मेडिकल केस और दिव्यांग मतदाता के ही वाहन विशेष परिस्थितियों में बूथ तक जा पाएंगे। 7 मार्च को शाम 4 बजे तक चाय,पका कर देने वाली खाद्य सामग्री की दुकानें, लाही,चना मूंगफली,आइस क्रीम, फल के ठेले और स्ट्रीट वेंडर्स खुले रह सकते हैं ताकि मतदान ड्यूटी के लोग, ट्रैफिक और पुलिस बल खरीद कर खानपान कर सकें। किसी जंगल सामान्य पब्लिक को बिठा कर खिलाना अनुमन्य नहीं होगा। ये सब भी 4 से 6 बजे तक बंद रहेंगी ताकि सभी दुकान कर्मचारी भी वोट डाल सकें। मंडी समिति पर 7 मार्च को शाम 7 बजे के बाद से देर रात तक सभी खानपान की सामग्री, चाय, पान, मूगफली, आइस क्रीम, लाही, चना आदि के ठेले, वेंडर्स, रेस्टोरेंट, टिफिन खाना देने वाले, कैंटीन चलाने वाले वैंडर्स अनुमन्य हैं ताकि सभी लौटने वाले मतदान कर्मी खरीद कर खाना खा सकें। जनपद के सभी नागरिक मतदान के अलावा किसी अत्यंत आवश्यक कार्य हो या बस स्टैंड, रेलवे स्टेशन,एयरपोर्ट, अस्पताल आदि जगह जाना हो तभी घर से बाहर निकलें अन्यथा रोड ट्रैफिक का हिस्सा ना बनें। जनपद में बाहर से भी इसी श्रेणी के लोग आएं अन्यथा बिना काम ना आएं। मीडिया के लोग मतदान केंद्र के परिसर के अंदर अपना पास और कार्ड दिखा कर जा सकते हैं परंतु बूथ के दरवाजे के अंदर नहीं जा सकते। बूथ में वोटिंग कम्पार्टमेंट को कवर नहीं कर सकते केवल दरवाजे से पोलिंग पार्टी को कार्य करते हुए कवर कर सकते हैं, लाइन में लगे लोगो से बात नहीं कर सकते,ओपिनियन पोल या किसे वोट दिया ये नहीं पूछ सकते।

भाजपा कार्यालय सैदपुर में पुलिस की लगातार छापामारी, कार्यालय काफी संख्या में भीड़ को देखकर प्रशासन अलर्ट

(आधुनिक समाचार सेवा)
शुभम मोदनवाल

गाजीपुर। जनपद के सैदपुर विधानसभा नगर स्थित भारतीय जनता पार्टी के कार्यालय पर शनिवार रात्रि व रविवार को भी सूचना के आधार पर पुलिस ने मौके पहुंचकर तलाशी ली और हर एक रूम को चेक किया लेकिन वहां पर किसी तरह कोई कमी नहीं पाए गए वहीं दूसरी तरफ सोशल मीडिया पर भारती जनता पार्टी कार्यालय

देख बड़ी संख्या में स्थानीय पुलिस व उड़नदस्ता टीम लगातार दो छापेमारी की भाजपा कार्यालय पर काफी भीड़ देखकर प्रशासन द्वारा लगातार भाजपा कार्यालय पर निगरानी रखा जा रहा है जानकारी के अनुसार पुलिस प्रशासन को किसी ने फोन पर सूचना दी थी कि विधानसभा सैदपुर भारतीय जनता पार्टी के कार्यालय पर पैसा और साड़ी बांटा जा रहा है उसी में काफी भीड़ की वीडियो वायरल हो रही है जिससे लोगों में राजनीति चुनाव चर्चा गरम हो चुकी है। सैदपुर के भाजपा के प्रत्याशी सुभाष पासी लगातार दो बार विधायक रह चुके तीसरी बार उन्होंने भाजपा का प्रत्याशी के रूप में दावेदारी किया है। सोशल मीडिया पर भीड़ की वीडियो लगातार वायरल हो रही है भाजपा कार्यालय पर आचार संहिता का उल्लंघन हो रहा है।

जब महिलाओं ने कलम को हथियार बनाकर क्रांतिकारियों का बढ़ाया था हौसला

वाराणसी। देश की स्वाधीनता के लिए पुरुषों के साथ स्त्रियों ने भी बराबर सहभागिता की है। हिंदी साहित्य में अनेक स्त्री रचनाकारों ने स्वतंत्रता संग्राम के यज्ञ में स्वयं आहुति दी है और साथ ही अपने सृजन से ब्रिटिश शासन के विरुद्ध अपना तीव्र, दृढ़ व सशक्त विरोध दर्ज किया। हरदेवी (पतनी लाला रोशनलाल) का जन्म सन् 1860 के आसपास हुआ था। हरदेवी ने अपनी पत्रिका 'भारत भगिनी' के माध्यम से प्राप्त धन से स्वतंत्रता सेनानियों की मदद की थी तभी से वह अंग्रेजी सरकार की आंखों में खटकती थीं। बाद में पटियाला षड्यंत्र केस में 'भारत भगिनी' को राजद्रोहात्मक साहित्य मानकर जब्त कर लिया गया था। विदेशी बहिष्कार आंदोलन में वह अग्रणी पंक्ति में थीं। कमला बाई किबे का जन्म सन् 1886 में महाराष्ट्र में हुआ था। असहयोग आंदोलन से वह विशेष रुप से जुड़ी हुई थीं। गांधी जी की प्रेरणा से उन्होंने हरिजन उद्धार कार्यक्रम चलाया था। हिंदी से अपने जुड़ाव के लिए हिंदी साहित्य सम्मेलन प्रयाग, मध्य भारत हिंदी साहित्य समिति इंदौर, मराठी साहित्य परिषद इत्यादि में वह सदस्य के रूप में विशेष सक्रिय थीं। किबे की कहानी कृष्णाबाई 'चांद' पत्रिका में सन् 1935 में प्रकाशित हुई थी। हिंदी के प्रचार-प्रसार के लिए उन्होंने हिंदी की अनेक साहित्यिक कृतियों को मराठी में अनुवाद तब किया था जब अनुवाद कार्य का उतना प्रचलन नहीं था। उनकी 'बालकथा' नामक पुस्तक बाल साहित्य की अनुपम निधि है। शिवरानी देवी का जन्म सन् 1889 में फतेहपुर में हुआ था, इनके पिता मुंशी देवी प्रसाद और पति प्रेमचंद थे। इन्हें सन् 1929 में स्वदेशी आंदोलन, नमक कानून के विरोध और जनसभाओं में विद्रोहात्मक भाषण के लिए कई बार गिरफ्तार किया गया था। कांग्रेस के महिला आश्रम की वह कप्तान थीं। उनकी स्वतंत्रता आंदोलन की पृष्ठभूमि में लिखी कहानियों में 'माता', 'गिरफ्तारी', 'जेल में' और 'बलिदान' प्रमुख हैं।

मऊ में प्रथम महिला विधायक को लेकर टक्कर, घोसी, मधुबन व मुहम्मदाबाद गोहना सीट से हैं प्रबल दावेदार

(आधुनिक समाचार सेवा)
शीतल निर्भीक

बलिया। विधानसभा चुनाव में प्रथम महिला विधायक को लेकर पड़ोसी मऊ जनपद के तीन सीटों पर कांटे की लड़ाई है।इसमें मुहम्मदाबाद गोहना विधानसभा सीट से भाजपा प्रत्याशी पूनम सरोज, मधुबन से बसपा प्रत्याशी नीलम कुशवाहा और घोसी से कांग्रेस की प्रियंका यादव चुनाव मैदान में हैं। देखना है कि तीनों विधानसभा सीटों में से किस सीट से आधी आबादी के सिर जीत का ताज सजता है और आजादी के बाद से चल रहा यह मिथक टूटता है। केवल मऊ की सदर सीट पर कोई महिला प्रत्याशी नहीं है। यह सीट से माफिया मुख्तार अंसारी के पुत्र अब्बास अंसारी सुभासपा से उम्मीदवार हैं। ऐसे में यह सीट पूरी तरह से हाट बनी हुई हैं। **353 मधुबन विधानसभा** इस सीट से कुल 12 प्रत्याशी मैदान में हैं। इसमें भाजपा रामविलास चौहान, सपा से उमेश पांडेय, बसपा से नीलम सिंह कुशवाहा, कांग्रेस अमरेशचंद्र पांडेय, आप से फौजी किशनलाल गोंड, जन अधिकार पार्टी दिनेश, विकासशील इंसान पार्टी से भरत सिंह, राष्ट्रीय समाज दल रामप्रवेश व रविंद्र, सूर्यकुमार दूबे, सुशील, सूरज कुमार पांडेय निर्दल प्रत्याशी के रूप में मैदान में हैं। यहां सभी प्रत्याशी अपनी-अपनी जीत सुनिश्चित करने के लिए जान फूंक चुके हैं। मतदान में मात्र कुछ समय शेष रह गया है, ऐसे में हर दल अपनी दावेदारी साबित करने में जुटा हुआ है। वैसे भाजपा, सपा, बसपा व कांग्रेस में संघर्षपूर्ण लड़ाई हैं। फिलहाल सभी प्रत्याशियों के जीत के अपने-अपने दावे भी हैं। इस सीट पर आधी आबादी विधायक बनने से दूर रही हैं। **354 घोसी विधानसभा** इस सीट से कुल 10 प्रत्याशी मैदान में है। यहां भाजपा से विजय राजभर, सपा से

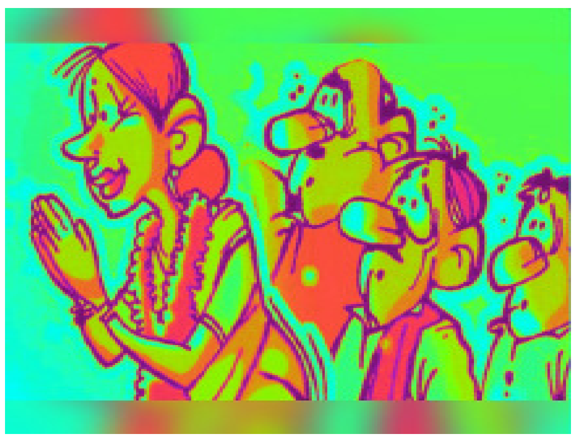

दारासिंह चौहान, कांग्रेस से प्रियंका यादव, बसपा से वसीम इकबाल उर्फ चुन्नू विकासशील इंसान पार्टी दीनानाथ , आप से पंकज कुमार, पीस पार्टी फुजैल अहमद, जनता दल यूनाइटेड विक्रम चौहान, वतन जनता पार्टी हृदय नारायण राय व निर्दलीय किशनदेव चौहान शामिल हैं। यहां भी भाजपा, सपा, बसपा व कांग्रेस के बीच जबरदस्त लड़ाई हैं। यहां एक दूसरे प्रत्याशी के वोट को काटने की अंतिम प्रक्रिया चल रही हैं। सुबह मतदान के बाद सभी की मेहनत दिखेगी। यही नहीं अन्य दल भी अपने जीत का आंकलन कर लड़ाई में होना मान रहे हैं। इस सीट पर कभी भी आधी आबादी का कब्जा नहीं रहा है। **355 मुहम्मदाबाद गोहना (अनुसूचित जाति)** इस सीट पर कुल सात प्रत्याशी चुनाव मैदान में हैं। भाजपा से पूनम सरोज, सपा राजेंद्र कुमार, बसपा से धर्मसिंह गौतम, कांग्रेस से बनवारी राम, आप से अंकित कुमार राव, जन अधिकार पार्टी से महेंद्र सोनकर व निर्दलीय दीनानाथ प्रसाद व मोनू शामिल हैं। यहां भाजपा, सपा, बसपा व कांग्रेस एक दूसरे पर हमलावर हैं। हर कोई अपने-अपने पक्ष में वोट करने के लिए पूरी ताकत लगा दिया है। यहां रविवार की सुबह से लेकर देर रात तक प्रत्याशी कांबिंग करते रहे। चारों दल अपनी जीत पक्की मान एड़ी-चोटी लगा दिए हैं। दोनों निर्दली भी अपनी जीत पक्की मान रहे हैं। इस सीट पर भी कभी महिला प्रत्याशी कोई चुनाव नहीं जीती हैं। इस बार महिला प्रत्याशी को प्रबल दावेदार माना जा रहा है। **356 मऊ सदर** इस सीट से कुल तेरह प्रत्याशी चुनाव मैदान में है। इसमें भाजपा से अशोक कुमार सिंह, सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी से अब्बास अंसारी, बसपा से भीम राजभर, कांग्रेस माधवेंद्र बहादुर, पीस पार्टी मुनौवर, जनता क्रांति पार्टी राष्ट्रवादी रामकिशोर, आप से विक्रमजीत सिंह, सोशलिस्ट यूनिटी सेंटर आफ इंडिया कम्युनिस्ट से शैलेंद्र, निर्दलीय जितेंद्र सिंह चौहान, परमहंस, मोबीन अहमद व राजपत चौहान शामिल हैं। इस सीट से मुख्तार अंसारी के पुत्र अब्बास अंसारी के मैदान में रहने से यह सीट पूरी तरह से हाट बनी हुई है।यहां सुभासपा,भाजपा, बसपा व कांग्रेस में कांटे की लड़ाई है।हर कोई अपने-अपने जीत को पक्की मान रहा है। फिलहाल यहां राष्ट्रवाद व माफियाराज खात्मे को लेकर बहस तेज है।इसके अलावा अन्य दल भी अपनी जीत पक्की मानकर अंतिम ताकत झोंके हैं।अब देखना है कि चुनाव का ऊँट किस करवट बैठता है।

बलिया मे पड़ोस के बच्चों को घर पर ईंट-पत्थर फेंकने से मना किया तो गमछे से बुजुर्ग का गला घोंट मौत के घाट उतार दिया

(आधुनिक समाचार सेवा)
शीतल निर्भीक

बलिया। जिले के फेफना थाना क्षेत्र के मटिही गांव में बुजुर्ग व्यक्ति की गमछे से गला घोंटकर हत्या कर दी गई। उसने पड़ोस के बच्चों को घर पर ईंट-पत्थर फेंकने से मना किया था। वारदात के स्वजनों ने जमकर हंगामा किया। आरोपित के घर पर शव रखकर जमकर प्रदर्शन किया। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर लिया है, जबकि आरोपित को गिरफ्तार कर लिया है।मामले की जांच शुरू कर दी गई है।इस घटना को लेकर गांव मातम पसरा हुआ है। वही लोगो मे आक्रोश व्याप्त है। घटना के संबंध मे मिली जानकारी के अनुसार रविवार को सुबह करीब सात बजे बेर के पेड़ पर बच्चे ईंट-पत्थर मार रहे थे। लोचन राजभर (62) बच्चों को ऐसा करने से मना करने लगे। क्योंकि बेर का पेड़ लोचन के मकान के सामने है। पत्थर उनके दरवाजे पर आ रहा था। लोचन बच्चों की शिकायत करने के लिए जगनारायण सिंह के घर पहुंचा। वहां मौजूद उपेन्द्र सिंह पुत्र जगनारायण भड़क गया। दोनों लोगों में झगड़ा शुरू हो गया। आरोप है कि उपेंद्र ने लोचन का गला गमछे से दबा दिया। बाद में उसे जमीन पर पटक दिया, इसके चलते लोचन की मौके पर ही मौत हो गई। लोचन की हत्या किए जाने की खबर लगते ही इलाके में सनसनी फैल गई। मौके पर सैकड़ों लोग जमा हो गए। घटना के उपरांत लोचन के स्वजन हंगामा करने लगे। आरोपित के घर के बाहर शव रखकर प्रदर्शन करने लगे। घटना की सूचना पुलिस को मिली तो थाना प्रभारी सुनील चन्द्र तिवारी मय फोर्स पहुंच गए। अपर पुलिस अधीक्षक विजय त्रिपाठी, एसडीएम सदर और एसडीएम रसड़ा भी पहुंच गए। स्वजन हत्या का मुकदमा दर्ज किए जाने की मांग पर अड़ गए।मृतक की पुत्र वधु पूनमदेवी पत्नी गुड्डू ने पुलिस को तहरीर दी। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।आरोपित उपेन्द्र सिंह को गिरफ्तार कर लिया गया, इस दौरान पुलिस को लाठियां भी भांजनी पड़ गई। मृतक का एकलौता पुत्र गुड्डू राजभर गोरखपुर में काम करता है।

इंटरनेशनल कंपनी ने मतदान के लिए किया लोगो से अपील

(आधुनिक समाचार सेवा)
शुभम मोदनवाल

सैदपुर। क्षेत्र के वेद इंटरनेशनल स्कूल बासुपुर, के छात्रों व शिक्षकों और विद्यालय परिवार के अन्य सदस्यों के द्वारा मतदाता जागरूकता अभियान का कार्यक्रम आयोजित किया गया जिसमें विद्यालय के समस्त लोगों द्वारा सैदपुर कस्बे में प्रभात फेरी निकाली गई जिसका शुभारंभ सैदपुर तहसील के उप जिलाधिकारी ओम प्रकाश गुप्ता ने तहसील परिसर से हरी झंडी दिखाकर किया। विद्यालय के विद्यार्थियों ,शिक्षकों और अन्य सदस्यों ने पूरे कस्बे में घूम कर लोगों से मतदान अवश्य करने के लिए अनुरोध किया । इस अवसर पर तहसीलदार नीलम उपाध्याय ,नायब तहसीलदार राहुल सिंह व धीरेंद्र सिंह (अध्यक्ष लेखपाल संघ) उपस्थित रहे। विद्यालय के प्रबंधक निदेशक पंकज श्रीवास्तव ने बताया कि इस कार्यक्रम का आयोजन लोगों को मतदान करने के लिए प्रेरित करेगा बच्चों को एक एक्टिविटी भी दी गई जिसमें वह अपने परिवार जनों को वोट करने के लिए जागरूक करेंगे तथा अभिभावक के वोट देने के पश्चात उनके साथ एक सेल्फी लेकर विद्यालय को भेजेंगे । इस अवसर पर विद्यालय परिवार की तरफ से चेयरमैन अनिल श्रीवास्तव, प्रधानाचार्या ऋचा श्रीवास्तव, उप प्रधानाचार्य रितेश कुमार मिश्रा,महेश शुक्ला,संतोष कुमार पाण्डेय, शैलेष श्रीवास्तव,अरुण सिंह, राजेश राय एवं ट्रांसपोर्ट इंचार्ज दीपक श्रीवास्तव व अन्य सदस्य उपस्थित रहे।

रक्षामंत्री राजनाथ सिंह के गृह जनपद चंदौली में मतदाताओं के दरबार में सियासी 'रणबांकुरे'

चंदौली। विधानसभा चुनाव के लिए प्रत्येक सीट पर चुनावी शतरंज की बिसात सज गई है।यह जिला रक्षामंत्री राजनाथ सिंह के गृहजनपद के तौर पर भी पहचाना जाता है। युद्ध जीतने के लिए राजा (प्रत्याशी) ने प्यादों (सैनिकों) को आगे बढ़ा दिया है। उनके पीछे हाथी सीधा चल रहा है, तो घोड़ा भी हिनहिना रहा है। अपनी तिरछी चाल से ऊंट भी मात देने को तैयार है। कौन शह देगा और किसकी शिकस्त होगी, यह फैसला प्रभु (मतदाता) के ऊपर है। जो वक्त की नजाकत को समझते हुए फिलहाल मौन साधे हैं। हालांकि प्रचार थमने के बाद चुनावी मैदान में ताल ठोंक रहे रणबांकुरे मतदाताओं की दरबार में हाजिरी लगाई। बिना ताम-झाम के घर-घर जाकर उनका रूझान जाना। 'धान के कटोरे में लहलहा रही 'भाग्यविधाताओं' की फसल का उपज कितना किसके हिस्से में जाएगा, यह सोमवार को ईवीएम रूपी भंडारे में स्टोर हो जाएगा। चंदौली की चार सीटों में से अधिकांश पर भाजपा व सपा की बीच सीधा मुकाबला है। 17 वीं विस चुनाव का परिणाम भाजपा के पक्ष में रहा। यहां की तीन सीटों भाजपा तो सिर्फ एक सीट पर सपा काबिज हुई, जबकि बसपा की झोली खाली रही। चंदौली जनपद की यह एक मात्र सुरक्षित सीट है। पूर्व विधायक व सपा प्रत्याशी जितेंद्र कुमार की प्रतिष्ठा इस बार भी दांव पर है, चूंकि वह अबकी चौथी बार किस्मत आजमा रहे हैं। बसपा लहर में 2007 में विधायक बने थे। इसके बाद के चुनाव में वह उप विजेता की भूमिका में रहे। 40 फीसद अनुसूचित वाली सीट पर ब्राह्मण, क्षत्रिय, पटेल व मौर्य मतदाता निर्णायक होते हैं। भाजपा ने सीटिंग विधायक शारदा प्रसाद का टिकट काटकर संघ के पदाधिकारी कैलाश आचार्य को मैदान में उतार है। यह राजनीति में बिल्कुल नए चेहरे हैं। वहीं जितेंद्र राजनीति के माहिर खिलाड़ी तो हैं ही, अनुसूचित जाति में उनकी गहरी पैठ है। बसपा प्रत्याशी विकास आजाद की भी कैडर के अलावा मुस्लिम मतदाताओं में पकड़ दिख रही। गृह क्षेत्र के लोकप्रिय नेता व रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य, प्रदेश अध्यक्ष स्वतंत्रदेव सिंह ने इनके समर्थन में जनसभा कर माहौल बदलने की पुरजोर कोशिश की है।

दो युवकों के खाते से ठग ने निकाले 75 हजार

मीरजापुर । जनपद के दो युवकों से साइबर ठगों ने फोन कर योजना के नाम पर उनके खाते में रुपये भेजने के बहाने उनके मोबाइल पर गए ओटीपी नंबर पूछकर करीब 75 हजार रुपये निकाल लिए। इसकी जानकारी होने पर दोनों पीड़ितों ने पुलिस से शिकायत कर खाते से निकाले गए रुपये को वापस दिलाने की मांग की। देहात कोतवाली के कुरकुठिया गांव निवासी अखिलेश्वर द्विवेदी ने बताया कि उनकी पत्नी दीपाजंली को जिला महिला चिकित्सालय में 12 नवंबर 2021 के दिन लड़का में पैदा हुआ था। जानकारी होने पर क्षेत्रीय आशा ने बताया कि उनके खाते में जननी सुरक्षा योजना के तहत छह हजार रुपये सरकार की तरफ से भेजे जाएंगे, लेकिन अभी तक उनके खाते में कोई रुपये नहीं आए थे। तीन मार्च को आशा उनके घर पहुंची और एक नंबर देकर बताया कि इस नंबर पर बात करने के बाद उनके खाते में रुपये पहुंच जाएंगे। कुछ देर बाद मोबाइल नंबर-6295344286 से अखिलेश्वर के मोबाइल पर फोन आया। उसने पूछा कि उनके खाते में रुपये पहुंचे या नहीं। यह सुन अखिलेश्वर ने बताया कि अभी तक नहीं पहुंचे हैं। इसके बाद युवक ने बताया कि उनके खाते में रुपये नहीं जा रहे हैं। इसके लिए उनके मोबाइल पर एक मैसेज गया होगा जिसमें ओटीपी है। उसके बताने पर ही रुपये खाते में भेजे जाएंगे। अखिलेश्वर ने जैसे ही मोबाइल पर आए मैसेज में लिखे ओटीपी के बारे में युवक बताया कि उनके खाते में रुपये आने की बजाय निकलने लगे। दो बार में ठग ने पांच व 20 हजार रुपये निकाल लिए। इसका मैसेज मोबाइल पर आते ही उनके होश उड़ गए। उन्होंने फोन किए गए नंबर पर फोन किया, लेकिन युवक ने दोबारा नहीं उठाया। इसके बाद तत्काल इंडियन बैंक जाकर अपना एकाउंट बंद कराया। फिर एसपी आफिस पहुंचकर साइबर क्राइम सेल से शिकायत की। हलिया : पटपरा गांव निवासी विपिन कुमार को ठग ने जल निगम का जेई बनकर बातचीत की । ठग ने उससे खाते में रुपया डालने की बात कही। साथ ही यूपीआइ नंबर मांगा। इसी बीच ठग ने खाते से बीस हजार रुपये निकाल लिया। खाते से रुपये निकलने का मोबाइल पर मैसेज आने पर जानकारी हुई तो युवक के होश उड़ गए। विपिन ने बताया कि बड़े भाई रवि शंकर जो गांव के ग्राम प्रधान है। ठग ने पहले उनसे संपर्क कर खाते में 50 हजार रुपये भेजने की बात करते हुए गूगल नंबर लेकर खाते से रुपया निकाला।

बुजुर्ग, दिव्यांग व कोविड प्रभावित 113 ने डाकपत्र से किया मतदान

मीरजापुर । विधानसभा सामान्य निर्वाचन 2022 में 80 वर्ष से अधिक आयु, दिव्यांग एवं कोविड-19 के संदिग्ध व प्रभावित व्यक्तियों को डाकमत पत्र से मतदान कराया गया। भारत निर्वाचन आयोग के निर्देश पर पोलिग पार्टी ने आवेदक मतदाताओं के घरों पर जाकर मताधिकार का प्रयोग कराया। पारदर्शिता के लिए पूरे मतदान प्रक्रिया की वीडियोग्राफी भी कराई गई। प्रत्येक पोलिग पार्टी में मतदान अधिकारी प्रथम, तृतीय, वीडियोग्राफर, माइक्रो आब्जर्वर संग सुरक्षाकर्मी शामिल थे। विधानसभा छानबे में 21, मीरजापुर में 19 ।

आशनाई में हुई थी युवक की हत्या

मीरजापुर । भदोही के कोईरौना थाना क्षेत्र स्थित खेतलपुर गांव निवासी सुनील यादव (25) की आशनाई में हत्या हुई थी। वारदात को अंजाम उसके ही एक रिश्तेदार के लड़के ने अपने साथी के साथ मिलकर दी थी। पुलिस ने दोनों आरोपितों को चील्ह थाना क्षेत्र के नएपुर गांव के पास से गुरुवार को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया। इनके पास से हत्या में इस्तेमाल हथौड़ी आदि बरामद हुए। शुक्रवार को मीडिया से बात करते हुए एएसपी संजय कुमार वर्मा ने बताया कि खेतलपुर निवासी सुनील यादव बचपन से ही अपने मामा अरविद यादव निवासी नएपुर चील्ह के यहां रहता था। इसी दौरान सुनील का रिश्तेदारी की एक लड़की से उसका प्रेम संबंध हो गया। उसी लड़की का उसके एक अन्य रिश्तेदार अंकित यादव से प्रेम संबंध हो गया। इसकी जानकारी पर अंकित ने लड़की को सुनील से दूर रहने की सलाह दी। उसने सुनील को भी फोन कर उसकी प्रेमिका से दूर रहने को कहा। जब सुनील नहीं माना तो अंकित ने 25 फरवरी को उसकी की हत्या करने की योजना बनाई। 27 फरवरी की रात अंकित तलवा थाना कोइरौना ने सुनील की हत्या की नियत से अपने एक साथी राधेश्याम यादव निवासी साकिन तलवा थाना कोइरौना भदोही के साथ हथौड़ी व शराब बाइक की डिग्गी में रखकर निकल पड़ा। रात करीब नौ बजे सुनील को उसके मामा अरविद के ट्यूयबेल नएपुर से अपनी बाइक पर बैठाकर चील्ह थाना क्षेत्र के चेकसारी के बंद रेलवे लाइन ला कालेज के पास शराब पिलाने के बहाने बुलाकर ले आया। वहां तीनों ने मिलकर एक साथ शराब पी। एक बार फिर अंकित ने सुनील को समझाने का प्रयास किया लेकिन वह नहीं

अपने सुरक्षा प्रबंध को प्रतिदिन मजबूत कर रहा है

रेणुकूट (सोनभद्र) । राष्ट्रीय सुरक्षा कार्यक्रम के तहत हिंडाल्को रेणुकूट में राष्ट्रीय सुरक्षा सप्ताह पाई के भेजे गए सुरक्षा संदेश के बारे में जानकारी दी। सुरक्षा दिवस के इतिहास पर भी प्रकाश डाला।

शुक्रवार से शुरू हो गया। मुख्य अतिथि अल्युमिना प्लांट प्रमुख नित्यानंद राय, रिडक्शन प्लांट हेड जगन्नाथ नायक, फैब्रिकेशन प्लांट हेड बीजे अलेक्जेंडर, प्रोजेक्ट हेड विनोद ठाकुर, कामर्शियल हेड रवि कुमार गुप्ता आदि ने विधि-विधान से भगवान विश्वकर्मी का पूजन करके व सुरक्षा ध्वज फहराकर राष्ट्रीय सुरक्षा सप्ताह का शुभारंभ किया। हिंडाल्को सेफ्टी विभाग के अधिकारी ललित मोहन पाल ने सभी को सुरक्षा शपथ दिलाई। प्रबंध निदेशक सतीश मुख्य अतिथि नित्यानंद राय ने कहा कि हिंडाल्को दिन प्रतिदिन अपनी सुरक्षा प्रबंधन को बहुत मजबूत कर रही है। कर्मचारियों की सुरक्षा के लिए कई मानक तय किए गए हैं। हिंडाल्को के प्रबंध निदेशक ने भी अपने संदेश में हिंडाल्को में सुरक्षा के प्रति बढ़ रही जागरूकता व उसके कारण कम होते दुर्घटनाओं की सराहना की है। उनका कहना है कि आज भी यदा-कदा मानवीय चूक व मानकों की अनदेखी के कारण दुर्घटनाएं हो रही हैं।

छोटेलाल हत्याकांडः दोषी शिवमूरत को 10 वर्ष की कैद

20 हजार रुपये अर्थदंड, न देने पर 5 माह की अतिरिक्त कैद होगी

(आधुनिक समाचार सेवा)
चिन्ता पान्डेय

सोनभद्र। साढ़े बारह वर्ष पूर्व हुए छोटेलाल हत्याकांड के मामले में वृहस्पतिवार को सुनवाई करते हुए अपर सत्र न्यायाधीश प्रथम सोनभद्र खलीकुज्मा की अदालत ने दोषसिद्ध पाकर दोषी शिवमूरत उर्फ बड़कऊ को 10 वर्ष की कैद एवं 20 हजार रुपये अर्थदंड की सजा सुनाई। अर्थदंड न देने पर 5 माह की अतिरिक्त कैद भुगतनी होगी। वहीं तीन आरोपियों को दोषमुक्त करार दिया। अर्थदंड की आधी धनराशि मृतक की पत्नी को मिलेगी। अभियोजन पक्ष के मुताबिक चोपन थाना क्षेत्र के जमुवल गांव निवासी बेचन पुत्र छोटेलाल ने 10 जुलाई 2009 को दी तहरीर में आरोप लगाया था कि 9 जुलाई 2009 को 9 बजे दिन जब उसके पिता छोटेलाल गुप्ता अपने घर का खपड़ैल ठीक कर रहे थे उसी समय बड़े पिता शिवमूरत उर्फ बड़कऊ पुत्र लालबहादुर गुप्ता आए और उसके पिता से कहने लगे कि जो हिस्सा है उसे दे दीजिए। इसी दौरान उसके चाचा रामविलास व रामनिहोर तथा बाबा लालबहादुर आ गए और उसके पिता छोटेलाल को बुलाकर बेरहमी से पिटाई करने लगे। कहा कि तुम्हारे वजह से घर व खेत का बंटवारा नहीं हो पा रहा है। चीखने-चिल्लाने की आवाज सुनकर अपनी मां के साथ मौके पर पहुंचा। ग्राम प्रधान के यहां सुलह-समझौता की बातचीत होने लगी तभी सभी लोगों ने मिलकर पिताजी को बेरहमी से पीटने लगे और उन्हें अंदरूनी चोटें आई। जिसकी वजह से दूसरे दिन सुबह 4-5 बजे पिता छोटेलाल की मौत हो गई। इस तहरीर पर पुलिस ने एफआईआर दर्ज कर मामले की विवेचना किया। पर्याप्त सबूत मिलने पर विवेचक ने न्यायालय में चार्जशीट दाखिल किया। मामले की सुनवाई करते हुए अदालत ने दोनों पक्षों के अधिबक्ताओं के तर्को को सुनने, गवाहों के बयान एवं पत्रावली का अवलोकन करने पर दोषसिद्ध पाकर दोषी शिवमूरत उर्फ बड़कऊ को 10 वर्ष की कैद एवं 20 हजार रुपये अर्थदंड की सजा सुनाई। अर्थदंड न देने पर 5 माह की अतिरिक्त कैद भुगतनी होगी। वहीं तीन आरोपियों लालबहादुर, रामनिवास व रामनिहोर को दोषमुक्त करार दिया। जबकि अर्थदंड की आधी धनराशि मृतक की पतनी को मिलेगी। अभियोजन पक्ष की ओर से अपर जिला शासकीय अधिवक्ता कुंवर वीर प्रताप सिंह ने बहस की।

मृत महिला का बयान दर्ज विवेचक ने की चार्जशीट दाखिल

प्यारी देवी के विरुद्ध अवर अभियंता विद्युत ने दर्ज कराई थी एफआईआर

(आधुनिक समाचार सेवा)
चिन्ता पान्डेय

सोनभद्र। अपर सत्र न्यायाधीश प्रथम सोनभद्र खलीकुज्मा की अदालत ने शनिवार को मृत महिला के विरुद्ध एफआईआर दर्ज कराए जाने एवं विवेचक द्वारा मृत महिला का बयान दर्ज कर न्यायालय में चार्जशीट दाखिल किए जाने के मामले में सुनवाई करते हुए लापरवाह मुकदमा वादी एवं विवेचक के विरुद्ध कड़ा रुख अपनाते हुए विभागीय कार्रवाई के लिए डीजीपी उत्तर प्रदेश सरकार एवं एमडी उत्तर प्रदेश पावर कारपोरेशन लखनऊ को पत्रक भेजा है। साथ ही वादी एवं विवेचक को 30 मार्च को कोर्ट में तलब किया है। बता दें कि घोरावल थाने में 30 जून 2016 को दी तहरीर में अवर अभियंता ध्यानचंद वर्मा 33/11 केवी घोरावल ने आरोप लगाया है कि 29 जून 2016 को घोरावल थाना रोड पर स्थित कई घरों की बिजली की जांच की गई तो मृत प्यारी देवी पतनी रामनाथ एवं अन्य लोगों जिनका बिजली कनेक्शन बिल बकाया होने की वजह से पूर्व में ही काट दिया गया था। लेकिन जांच में उपभोग करते हुए पाया गया। इस तहरीर पर पुलिस ने धारा 138बी विद्युत अधिनियम में एफआईआर दर्ज कर मामले की विवेचना शुरू कर दी गई। विवेचक बजरंगबली चौबे एसआई घोरावल ने विवेचना के दौरान पर्याप्त सबूत पाए जाने पर न्यायालय में चार्जशीट दाखिल कर दिया। जब इसकी जानकारी मृत प्यारी देवी के बेटे राकेश कुमार सिंह को हुई तो वह अवाक रह गया। 27 अगस्त 2019 को न्यायालय में दिए प्रार्थना पत्र में राकेश कुमार सिंह ने अवगत कराया है कि उसकी माँ प्यारी देवी की मौत 27 सितंबर 2010 को हो गई है। जिसका मृत्यु प्रमाण पत्र भी प्रार्थना पत्र के साथ दाखिल किया है। उसने यह भी अवगत कराया है कि उसके मां के नाम से बकाया विद्युत बिल भेजा गया था तो उसका भुगतान भी कर दिया गया है। बावजूद इसके मृत मां के विरुद्ध मुकदमा चलाया जा रहा है। इसका निस्तारण किया जाए। मामले की सुनवाई के दौरान अदालत ने जब अवलोकन किया तो पता चला कि प्यारी देवी की मौत वर्ष 2010 में ही हो चुकी है, बावजूद इसके मुकदमा वादी अवर अभियंता ध्यानचंद वर्मा ने 30 जून 2016 को एफआईआर दर्ज कराया है। इतना ही नहीं विवेचक बजरंगबली चौबे ने केस डायरी में पर्चा नम्बर 6 में मृत प्यारी देवी का बयान भी दर्ज किया है और न्यायालय में चार्जशीट भी दाखिल किया है। जिससे साफ जाहिर हो रहा है कि वादी अवर अभियंता एवं विवेचक ने अपने कर्तव्यों के प्रति घोर लापरवाही बरती है। इतना ही नहीं ऑफिस अथवा घर पर बैठकर फर्जी एफआईआर एवं विवेचना की गई है। यह एक गम्भीर लापरवाही है। लिहाजा विवेचक बजरंगबली चौबे के विरुद्ध विभागीय कार्रवाई के लिए डीजीपी उत्तर प्रदेश एवं अवर अभियंता ध्यानचंद वर्मा के विरुद्ध विभागीय कार्रवाई के लिए एमडी विद्युत कारपोरेशन लखनऊ को पत्रक भेजा है। वहीं 30 मार्च को अवर अभियंता एवं विवेचक को न्यायालय में तलब किया गया है।

मृत महिला के बेटे राकेश के प्रार्थना पत्र पर कोर्ट ने लिया संज्ञान लापरवाह अवर अभियंता एवं विवेचक के विरुद्ध विभागीय कार्रवाई के लिए भेजा पत्रक कोर्ट ने 30 मार्च को वादी व विवेचक को किया तलब

पीसीएफ परिसर में गंदा पानी जमा किसानों को असुविधा

जमालपुर (मीरजापुर) । क्षेत्र के बहुआर गांव स्थित पीसीएफ केंद्र परिसर में गंदा पानी जमा रहने से किसानों को असुविधा का सामना करना पड़ता है। सड़क से पीसीएफ परिसर नीचे रहने एवं पानी निकासी की समुचित व्यवस्था न होने से बारहों माह पानी लगा रहता है। यहां तक कि परिसर का बाउंड्रीवाल भी नहीं कराया गया है। आरोप है कि सड़क किनारे परिसर में अवैध कब्जा कर लोगों ने दुकान खोल लिया है एवं दुकान की गंदगी

को वही फेंक रहे है। दुकानदारों द्वारा अवैध कब्जा करने से किसानों को केंद्र से उर्वरक ले जाने में भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ता है। परिसर में इकट्ठा गंदे पानी की दुर्गंध से संक्रामक बीमारी फैलने का खतरा बना हुआ है। क्षेत्र के अन्नदाता मुनन सिंह, चंद्रशेखर सिंह, संतोष सिंह, राजन सिंह, अवधेश सिंह, पूर्णेंदु मिश्रा, सुबाष सिंह, अवनीश सिंह, केशव सिंह आदि ने परिसर में मिट्टी डालकर पानी निकासी की समुचित व्यवस्था करते हुए अवैध कब्जा हटाकर बाउंड्रीवाल कराने की मांग की हैं।

मीरजापुर के पांच विधानसभा सीट पर मतदान शुरू, 11 बजे तक 23.4 प्रतिशत वोटिंग

मीरजापुर। जिले की पांच विधानसभा सीट के लिए सोमवार चुनाव के लिए मतदान सुबह सात बजे से आरंभ हो गया। मीरजापुर में इस वर्ष 80 मतदान केंद्र और 179 मतदेय स्थल अर्थात बूथों में बढ़ोतरी हुई है। चुनाव में 1893288 बदली गई। वही अटारी मे बूथ संख्या 210 पर एवीएम बदली गई करौंदा 162 पर एवीएम बदली गई। गोपलपुर बूथ संख्या 116 पर खराबी के कारण मतदान एक घंटे देर से शुरू हुआ। बूथ संख्या 181पर वीवी पैड मशीन बदली गई।

अपने मताधिकार का प्रयोग शुरू कर दिए। इसमें से 993775 पुरुष और 899383 महिला मतदाता हैं। वहीं 130 थर्ड जेंडर भी अपने मताधिकार का हैं। पांच पोलिंग बूथों पर मशीन के खराबी के चलते मतदान देर से शुरू हुआ जिसमें कुंहकी बूथ संख्या 31में वीवी पैड मशीन खराब होने के कारण मतदान 45 मिनट देर से शुरू हुआ। रैकरी में बूथ संख्या 143,144दोनों पर एवीएम खराब होने की सूचना पर नायब तहसीलदार बिंदु नंदन सिंह पहुंच कर जायजा लेते हुए मशीन क्षेत्र के 445 बूथों में मडिहान देवरी समेत बूथों को पिंक बूथ बनाया गया है। भाजपा के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष ओमप्रकाश सिंह व उनके पुत्र भाजपा प्रत्याशी अनुराग सिंह ने मगरहां स्थित पोलिंग बूथ पर अपने मताधिकार का प्रयोग किया। मतदान के बाद उंगली में लगी अमिट स्याही दिखाते पिता-पुत्र। मीरजापुर में 60 प्रत्याशी चुनाव मैदान में भाग्य आजमा रहे हैं। भाजपा सीट से ऊर्जा राज्यमंत्री व मडिहान विधायक रमाशंकर सिंह पटेल मडिहान, मीरजापुर रतनकर मिश्रा, चुनार अनुराग सिंह तथा भाजपा व अपना दल सोने लाल गठबंधन से एक बार फिर राहुल प्रकाश कोल चुनाव मैदान में हैं और अपनी जीत का दावा कर रहे हैं। वहीं बसपा से पूर्व सांसद नरेंद्र सिंह कुशवाहा भी मडिहान विधानसभा सीट से दावेदारी कर रहे हैं। विधानसभा चुनाव के दौरान मतदान के बाद मतदाता खासकर युवाओं के लिए सेल्फी प्वाइंट बनाए गए हैं। जिला निर्वाचन अधिकारी प्रवीण कुमार लक्ष्कार द्वारा जिले भर में 126 बूथों पर सेल्फी प्वाइंट बनवाया गया है। युवाओं ने सेल्फी प्वाइंट पर सेल्फी लिया और मतदान संबंधी यादों को सहेजा। विधानसभा मीरजापुर में भाजपा से मौजूदा विधायक रतनकर मिश्रा, समाजवादी पार्टी से कैलाश चौरसिया, कांग्रेस से भगवान दत्त पाठक राजन, बसपा से राजेश पांडेय, गरीब सामना पार्टी से अनवर अली, राष्ट्रीय समाज दल आर से धनंजय कुमार, आल इंडिया मजलिस ए इत्तेहादुल मुस्लमीन से बदरूददीन हासमी, राष्ट्रीय समाज पक्ष से एडवोकेट बालेश्वर प्रसाद यादव, सुरक्षा समाज पार्टी से विपिन कुमार श्रीवास्तव, आम आदमी पार्टी से सुरेश सिंह एडवोकेट, नेशनल डेमोक्रेटिक पिपुल्स फ्रंट से संतोष कुमार तमन्ना , आजाद समाज पार्टी से संदीप कुमार सोनकर, निर्दल चंद्रिका प्रसाद और जगदीश प्रसाद जगत शास्त्री चुनाव लड़ रहे हैं।

प्रियंका गांधी का भाषण लड़की हू लड़ सकतीं हूं का कोई असर नहीं दिखाई दिया स्टेज पर आगे कि सिट पर किसी भी महिला को स्थान नहीं दिया गया

(आधुनिक समाचार सेवा)
चिन्ता पान्डेय

सोनभद्र। छत्तीसगढ़ प्रदेश के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल हाईडिल मैदान में पहुचे और जनता को सम्बोधन किये विपक्षियों पर जम कर बरसे भाजपा,सपा का हवा खराब हो गया है योगी बाबा अब अयोध्या की तैयारी कर ले 11 मार्च को पता चल जाएगा,ये अखिलेश यादव तो नरेंद्र मोदी के नाम लेने से डरते हैं बीजेपी वालो ने मंहगाई चरम सीमा पर कर दी है अभी 100 रु पेट्रोल रहा है सूरजपुर छत्तीसगढ़ से आया है रावट्र्सगंज से नही आया है यहां के लोग भगा रहे हैं इसी लिए उठक बैठक हो रहा है यही भाजपा सरकार है राशन मार्च में बंद हो जाएगा मोदी कहते हैं कि जनता को नमक हम खिला रहे हैं नमक का अदा करोगे योगी का 7 मार्च को जनता हवन करेगी अब योगी जी को मठ में बैठाने की तैयारी हो रही है पूरा देश उत्तर प्रदेश की ओर देख रहा है है छत्तीसगढ़ सरकार 25 गेहूं

वहीं दूसरी तरफ़ खानें के पैकेट को लेकर जम कर हुई लडाई

पुलिस ने बीच में आकर लन्च पैकट की लड़ाई को खत्म किया

छत्तीसगढ़ से आए मुख्यमंत्री के लोगों ने यहां की थामी थी कमान तब पर भी नहीं कर पाए पूरा खाली रह गई पंडाल में कुर्सियां

दूर दूर से आये जनता ने कहा कि हम लोगो को लंच पैकेट नही मिला जिस तरह खाना दिया जा रहा है अपने घर मे जानवरो को भी नही दिया जाता

हुआ है चुनाव बाद पेट्रोल 150 पार होगा चुनाव के चलते रुका है सिलेंडर ओर महंगा होगा 12 लाख पद खाली है भर्ती नही हुई ,किसानों का धान नही बिका भाजपा के लोग बनिया के लोगो के यहां बेचते हैं वही भाजपा प्रत्यासी भुपेश चौबे सुना है कि यहां उठक बैठक चल धान,गन्न खरीदती हैं यूपी में क्यो नही खरीदारी होती क्यो नही बिकता किसानों का धान गेंहू उत्तर प्रदेश में महिलाओ की आबरू क्यो लूटी जा रही है, भाजपा के नेता ने किसानों के छाती पर गाड़ी चढ़ा दी लेकिन कोई कार्यवाई नही हुई ये हैं अगर जनता कांग्रेस की सरकार बनाती हैं तो महिलाओं ,सुरक्षा युवाओं ,को रोजगार देने का काम करेगी छत्तीसगढ़ में प्रबुद्ध जनता का ऋण माफ हो सकता है तो उत्तर प्रदेश

में प्रबुद्ध लोगों का ऋण क्यों नहीं माफ होगा यहां मोदी योगी 25 रु किसानों का नही खरीदने वाला खरीदने वाला है तो वो कांग्रेस अखिलेश यादव भी नही देगा ये काम केवल कांग्रेस दे सकती है हम जो कहते हैं वो करते हैं जुमले वाले नही है यूक्रेन में गए जानो पर भी बघेल ने पलटवार किया प्रधानमंत्री चुनाव प्रचार में लगे हैं 2014 में मोदी आए और वादे किए की देश का काला धन आएगा नही आया कोरोना काल मे यूपी में गंगा में लासे बह रही थी। मंहगाई से निजाम पाना हैं तो कांग्रेस का साथ दीजिये।10 लाख के मुफ्त इलाज भी देगी कांग्रेस सरकार सब मतदाताओ को कमलेश ओझा बनना होगा।

लोकतंत्र के महापर्व में बनें भागीदार, यादगार पल की लें सेल्फी

मीरजापुर । युवाओं में सेल्फी लेने का आजकल बहुत क्रेज है। युवाओं के सेल्फी लेने के क्रेज को निर्वाचन आयोग ने पहचानते हुए 126 बूथों पर सेल्फी प्वाइंट बनवाया है। जिला निर्वाचन अधिकारी प्रवीण कुमार लक्ष्कार ने विध्य क्षेत्र के मतदाताओं से अपील किया है कि मतदान करके लोकतंत्र के महापर्व में भागीदार बनें और यादगार पल को सुरक्षित रखने के लिए प्वाइंट पर सेल्फी अवश्य लें। जिला पंचायत कार्यालय परिसर में भी अपर मुख्य अधिकारी नीतू सिंह सिसौदिया द्वारा सेल्फी प्वाइंट बनवाया गया है। रविवार को भी बहुत से लोग प्वाइंट पर सेल्फी लेते दिखे। मुख्य विकास अधिकारी व प्रभारी अधिकारी कार्मिक श्रीलक्ष्मी वीएस ने बताया कि मतदाता जागरूकता अभियान के तहत 50 फीसद से कम वोट वाले मतदेय स्थलों पर सेल्फी फ्लेक्स बैनर को स्थापित कराया जा रहा है। मीरजापुर विधानसभा क्षेत्र के विकास खंड कोन के मल्लेपुर, तिलठी, भटेवरा, पखवैया, पूरबपट्टी, चेकसारी, जगदीशपुर, गोबरहा, सिटी के भरुहना, तरकापुर ग्रामीण, अघवार, छानबे के धौरहरा, घमहापुर, बबुरा, बीजरबंद, कंतित, कठवैया, बिरौरा पांडेय, विजयपुर, तेलियानी, नीबी गहरवार, नदिनी, अकोढ़ी तथा नगरीय क्षेत्र घंटाघर, बरियाघाट, बथुआ, बरौंधा, बाजीराव कटरा, बाग कुंजलगिर, बल्ली का अड्डा, ब्रह्मचारी का कुआं, कंतित में पिछले चुनाव में 50 फीसद से कम मतदान हुआ था। विधानसभा छानबे में 34, मीरजापुर में 48, मझवां में 18, चुनार में 17 और मड़िहान में बकियाबाद, कोटवां पांडेय, पिपरांव, रामपुर सक्तेशगढ़, जंगल मोहाल, नुनौटी राजगढ़, गरौड़ी व गोपलपुर जमालपुर और सुरहा नरायनपुर में नौ सहित 126 बूथ ऐसे हैं, जहां बीते विधानसभा चुनाव 2017 में 50 फीसद से कम मतदान हुआ था। मझवां के विकास खंड मझवां के बजहा, केवटाबीर, महामलपुर, महानंदपुरा, सबेसर, चड़िया, चौहानपट्टी, गोतवा, गड़ौली, पहाड़ी के बेलवन, कठनई, चपगहना और सिटी ब्लाक के चितावनपुर, जिगनौड़ी, देवरी, चंदईपुर, लोहंदी कला और नगरीय क्षेत्र कछवां में 50 फीसद से अधिक मतदान की दरकार है। वर्जन विधानसभा चुनाव 2022 में अधिक से अधिक मतदान पहला लक्ष्य है। मतदाताओं को इसके लिए प्रेरित किया जा रहा है। जिले के 126 बूथों पर सेल्फी प्वाइंट बनाए गए हैं। मतदाता मतदान के बाद सेल्फी अवश्य लें। विधानसभा चुनाव 2022 में अधिक से अधिक मतदान पहला लक्ष्य है। मतदाताओं को इसके लिए प्रेरित किया जा रहा है। जिले के 126 बूथों पर सेल्फी प्वाइंट बनाए गए हैं। मतदाता मतदान के बाद सेल्फी अवश्य लें।

सुनील गावस्कर की इच्छा विराट लगाएं अपने 100वें टेस्ट में सेंचुरी, बताया क्यों चाहते हैं ऐसा

नई दिल्ली। श्रीलंका के खिलाफ टी20 सीरीज जीतने के बाद अब टीम की नजर दो मैचों की टेस्ट सीरीज पर है, जिसकी शुरुआत 6 मार्च को मोहाली में होने जा रही है। ये टेस्ट पूर्व कप्तान विराट कोहली के करियर के लिए बेहद खास होने वाला है क्योंकि ये उनका 100वां टेस्ट मैच होगा। कोहली को ये टेस्ट अपने फैंस की गैर मौजूदगी में ही खेलना होगा क्योंकि इस मैच में दर्शकों की एंट्री नहीं हो सकेगी। इस बड़े मैच से पहले महान बल्लेबाज सुनील गावस्कर ने स्टार स्पोर्ट्स से बातचीत करते हुए कहा है कि कोहली वर्तमान समय का बेहतरीन टेस्ट खिलाड़ी है। इस मौके पर गावस्कर ने कहा मैं इतना कह सकता हूं कि ये एक उपलब्धि है। जब आप बचपन में क्रिकेट खेलना शुरू करते हैं आपके मन में होता है कि एक दिन देश के लिए खेलें। देश के लिए खेलते-खेलते अचानक आपको पता चलता है कि आप 100वें टेस्ट मैच पर पहुंच गए हैं। ये एक बेहतरीन फीलिंग है। केवल टेस्ट ही नहीं उन्होंने तीनों फार्मेट में कमाल का काम किया है। इस मैच में कोहली के पास इतिहास रचने का मौका होगा। कोहली के पास इस मैच में सेंचुरी बनाने का मौका होगा। जहां तक 100 टेस्ट मैच खेलने की बात है तो कोहली भारत के 12वें बल्लेबाज बन जाएंगे जिन्होंने 100 या इससे अधिक मैच खेले हों। इस सूची में सचिन तेंदुलकर और सुनिल गावस्कर जैसे नाम भी शामिल हैं। गावस्कर चाहते हैं कि कोहली इस मैच में शतक लगाएं और उन खिलाडियों की सूची में अपना नाम भी दर्ज कराएं जिन्होंने अपने 100वें टेस्ट में ये कारनामा किया है। उन्होंने कहा कि ज्यादा बल्लेबाजों ने ऐसा नहीं किया है। कालिन काउड्रे ने पहली बार ये कारनामा किया है। अभी तक 9 ऐसे बल्लेबाज हैं जो ये कारनामा कर चुके हैं। इस सूची में जावेद मियांदाद, एलेक्स स्टीवर्ट जैसे बल्लेबाज हैं। अपने 100वें टेस्ट मैच में दोनों पारियों में शतक लगाया है। हालांकि ऐसा करने वाले वो पहले बल्लेबाज हैं। अगर कोहली अपने 100वें टेस्ट में ऐसा करने में कामयाब हो जाते हैं तो वे भारत की तरफ से पहले और एशिया के तीसरे बल्लेबाज बन जाएंगे जो ऐसा करेंगे। इससे पहले जावेद मियांदाद और इंजमाम उल हक ऐसा कर चुके हैं।उन्होंने अपने 100वें टेस्ट की याद भी शेयर की और बताया कैसे वो अपने 100वें टेस्ट मैच में 48 रन के स्कोर पर स्कवायर लेग पर आसान सा कैच देकर आउट हो गए थे।

आखिर क्यों शेन वार्न नहीं थे वर्ल्ड के बेस्ट स्पिनर, पूर्व भारतीय कप्तान सुनील गावस्कर ने बताया

नई दिल्ली। आस्ट्रेलिया के दिग्गज लेग स्पिनर शेन वार्न महज 52 साल की उम्र में ही दुनिया को अलविदा कह गए। उनके अचानक निधन से पूरा क्रिकेट जगत हैरान है और इस महान गेंदबाज के जाने का दुख हर किसी को है। शेन वार्न ने टेस्ट क्रिकेट में 700 से ज्यादा विकेट लिए थे और वो ऐसा करने वाले दुनिया के पहले स्पिनर थे। वार्न अपने समय के बेस्ट स्पिनर थे और कई क्रिकेट के जानकार उन्हें वर्ल्ड का सबसे महान स्पिनर तक मानते हैं, लेकिन टीम इंडिया के पूर्व कप्तान सुनील गावस्कर की राय वार्न के मामले में कुछ अलग है। सुनील गावस्कर ने टूडे ग्रुप से बात करते हुए कहा कि शेन वार्न को गेंद को मूव कराने में महारथ हासिल थी और वो कलाई के जादूगर थे। फिंगर स्पिनर के पास कंट्रोल होता है, लेकिन कलाई से गेंद को घूमाना या लेग स्पिन गेंदबाजी करना एक कला है। शेन वार्न अपने फन में माहिर थे, लेकिन वो मेरे लिए दुनिया के बेस्ट स्पिनर नहीं है। मैं मुथैया मुरलीधरन को शेन वार्न से ज्यादा बेहतरीन गेंदबाज मानता हूं। सुनील गावस्कर ने कहा कि मैं भारतीय स्पिनर्स और मुथैया मुरलीधरन को शेन वार्न के ऊपर मानता हूं। अगर आप शेन वार्न के रिकार्ड को देखें कि भारत के खिलाफ उनकी गेंदबाजी कैसी रही है तो वो बेहद साधारण है। भारतीय बल्लेबाजों के पास स्पिन के खेलने की शानदार क्षमता होती है और इस वजह से शेन वार्न भारत में ज्यादा सफल नहीं हो पाए। आपको बता दें कि शेन वार्न का निधन थाइलैंड में हार्ट अटैक से हो गया था जहां पर वो तीन महीनों की छुट्टियां मनाने के लिए गए हुए थे। 5 मार्च की शाम को शेन वार्न का निधन हुआ था जबकि उसी दिन कुछ घंटों पहले पूर्व आस्ट्रेलियाई क्रिकेटर राड मार्श का निधन 74 साल की उम्र में हो गया था।

विराट कोहली के समर्थन में उतरे सुनील गावस्कर, बोले- मत भूलिए अफ्रीका दौरा, फार्म नहीं है खराब

नई दिल्ली। विराट कोहली की फार्म सवालों के घेरे में है। ऐसे में पूर्व दिग्गज क्रिकेटर सुनील गावस्कर ने वेस्टइंडीज के खिलाफ तीसरे वनडे से पहले उनके बचाव में उतर आए हैं। उन्होंने कहा कि उनका फार्म खराब नहीं है। किस्मत उनका साथ नहीं दे रही है। दक्षिण अफ्रीका दौरे के बाद पूर्व भारतीय कप्तान कोहली कीरोन पोलार्ड की अगुवाई वाली वेस्टइंडीज के खिलाफ तीन मैचों की वनडे सीरीज में अच्छा प्रदर्शन करने में नाकाम रहे हैं। कोहली ने वेस्टइंडीज के खिलाफ पहले और दूसरे वनडे में खराब प्रदर्शन किया। पहले मैच में 4 गेंदों में 8 रन बनाने के बाद 33 वर्षीय क्रिकेटर दूसरे वनडे में 30 गेंदों में केवल 18 रन ही बना सका। ऐसे में गावस्कर ने पूर्व भारतीय कप्तान का बचाव किया है। वेस्टइंडीज और भारत के बीच तीसरे वनडे से पहले स्टार स्पोर्ट्स से बात करते हुए उन्होंने कहा, 'कोहली को रन बनाने के लिए थोड़ी किस्मत की जरूरत है। हर बल्लेबाज को थोड़ी किस्मत की जरूरत होती है। हर बल्लेबाज को एक ऐसी स्थिति की जरूरत होती है जहां वह खेलता है और गेंद बल्ले का किनारा लेने से चूक जाती है। गेंद बल्ले का किनारा ले और कैच छूट जाए या फील्डर से आगे गिर जाए। सुनील गावस्कर ने कोहली के आलोचकों को भी याद दिलाया कि पूर्व कप्तान ने दक्षिण अफ्रीका दौरे में दो अर्धशतक जड़े थे। गावस्कर ने कहा, 'पिछले कई मैचों में उनकी किस्मत अच्छी नहीं रही। मत भूलिए कि उन्होंने दक्षिण अफ्रीका में अर्धशतक जमाया था।' तौरतलब है कि कोहली 2019 के बाद से अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में शतक लगाने में विफल रहे हैं। उन्होंने भारत के लिए अपने पिछले 5 एकदिवसीय मैचों में 142 रन बनाए हैं। विंडीज के खिलाफ वनडे सीरीज की बात करें तो रोहित शर्मा की अगुवाई वाली टीम 2-0 से आगे है। सीरीज का आखिरी वनडे मैच आज खेला जाएगा।

शेन वार्न की मौत किस वजह से हुई आटोप्सी रिपोर्ट से हुआ खुलासा

नई दिल्ली। आटोप्सी रिपोर्ट में ऑस्ट्रेलिया के महान क्रिकेटर शेन वार्न की मौत के कारणों का खुलासा हुआ है, जिनका शुक्रवार को थाइलैंड में निधन हो गया था। 52 साल के शेन वार्न की शुरुआत में संदिग्ध दिल का दौरा पड़ने से मृत्यु होने का पता चला था, जब वह अपने दोस्तों के साथ थाईलैंड में छुट्टी मना रहे थे। अब आटोप्सी रिपोर्ट से पता चला है कि उनकी मृत्यु प्राकृति कारणों से हुई है और इसकी पुष्टि थाई अधिकारियों के द्वारा की गई है।

रोहित शर्मा की टेस्ट कप्तानी से प्रभावित गावस्कर ने उन्हें 10 में से दिए इतने प्वाइंट

नई दिल्ली।रोहित शर्मा ने टेस्ट कप्तान के तौर पर अपने पहले ही मैच में श्रीलंका पर बड़ी जीत दर्ज करते हुए उस टीम को पारी और 222 रन से हरा दिया। इस मैच के दौरान रोहित शर्मा की कप्तानी काफी अच्छी रही और पूर्व भारतीय ओपनर बल्लेबाज सुनील गावस्कर ने उनकी कप्तानी की खूब तारीफ की। गावस्कर के मुताबिक रोहित शर्मा ने मोहाली टेस्ट मैच के दौरान जिस तरह से फील्डिंग सेट की या फिर जिस तरह से अपने गेंदबाजों का इस्तेमाल किया और काफी समझदारी भरा था। सुनील गावस्कर ने स्टार स्पोर्ट्स पर बात करते हुए कहा कि देखिए उन्होंने किस तरह से टीम की कप्तानी की। उन्होंने जिस तरह से गेंदबाजी में बदलाव किए साथ ही फील्डिंग सेट की वो पूरी तरह से जरूरत के मुताबिक थी। उनकी कप्तानी इतनी अच्छी थी कि जो उनसे थोड़े निराश होंगे वो भी उन्हें 10 में 9.5 अंक देंगे। आधा अंक आप हमेशा अलग रखते हैं और मोहाली टेस्ट में रोहित को उनकी कप्तानी के लिए 10 में से 9.5 अंक सही हैं। गावस्कर ने कहा कि अगर आप तीन दिन में टेस्ट मैच जीत जाते हैं तो इससे साबित होता है कि आपकी टीम कितनी बेहतर है, लेकिन इससे भी महत्वपूर्ण ये है कि जब आपकी टीम फील्डिंग कर रही है तो बालिंग में किस तरह से बदलाव होता है साथ ही फील्ड प्लेसमेंट कैसी है। इस मामले में रोहित शर्मा काफी प्रभावशाली रहे। कैच ठीक वहीं जा रहे थे जहां पर फील्डर खड़े थे और उन्हें ज्यादा हिलना-डुलना नहीं पड़ा। गेंदबाजी में भी, आप तर्क दे सकते हैं कि जडेजा को पहली पारी में थोड़ी देर बाद लाया गया था, लेकिन इससे कोई फर्क नहीं पड़ता क्योंकि टीम दो दिन शेष रहते जीत गई। इसलिए वे छोटी-छोटी बातें हैं जिन्हें लोग सामने लाएंगे। आपको बता दें कि भारत और श्रीलंका के बीच दूसरा टेस्ट मैच 12 मार्च से खेला जाएगा जो डे-नाइट होगा।

गुजरात टाइटंस को लगा झटका, इस बल्लेबाज ने अपना नाम टूर्नामेंट से पहले लिया वापस

नई दिल्ली। इंग्लैंड क्रिकेट टीम के ओपनर बल्लेबाज जेयन राय इस महीने से शुरू होने वाले आइपीएल के 15वें सत्र से बाहर हो गए। एक रिपोर्ट में इसका दावा किया गया। सलामी बल्लेबाज जेसन राय ने लीग में लंबे समय तक बायो-बबल (कोरोना से बचाव के लिए बनाया गया सुरक्षित माहौल) में बने रहने की चुनौती का हवाला देते हुए अपना नाम वापस ले लिया। आइपीएल की टीम गुजरात टाइटंस ने हाल ही में मेगा नीलामी में राय को उनके आधार मूल्य दो करोड़ रुपये में खरीदा था। अब फ्रेंचाइजी उनकी जगह दूसरे खिलाड़ी की तलाश कर रही है। आइपीएल के 15वें सीजन की शुरुआत 26 मार्च से होगी और इसका फाइनल मुकाबला 29 मई को खेला जाएगा। इस बार सभी 70 लीग मुकाबले महाराष्ट्र में खेले जाएंगे जिसके लिए मुंबई के तीन स्टेडियम तो वहीं पुणे के एक स्टेडियम का इस्तेमाल किया जाएगा। इस बार आइपीएल में 10 टीमें हिस्सा ले रही हैं और गुजरात टाइटंस इसमें पहली बार शामिल होगी। इस टीम का कप्तान भारतीय आलराउंडर हार्दिक पांड्या को बनाया गया है। गुजरात ने नीलामी से पहले हार्दिक पांड्या, राशिद खान और शुभमन गिल को अपनी टीम में शामिल किया था। इसके बाद आइपीएल 2022 के लिए हुई नीलामी में इस टीम ने जेसन राय को दो करोड़ में खरीदा था तो वहीं लाकी फर्ग्यूसन को 10 करोड़, मो. शमी को 6.25 करोड़, राहुल तेवतिया को 9 करोड़ को डेविड वार्नर को 3 करोड़ में खरीदा था। इसके अलावा भी टीम ने कई अन्य खिलाडियों को अपने साथ जोड़ा था।

मोहाली में खेली नाबाद 175 रन की पारी रवींद्र जडेजा की सर्वश्रेष्ठ पारी क्यों नहीं थी, गौतम गंभीर ने बताया कारण

नई दिल्ली। रवींद्र जडेजा ने अपने टेस्ट करियर का सर्वश्रेष्ठ पारी मोहाली में खेली और भारत को पारी व 222 रन से जीत दिलाने में बड़ी भूमिका निभाई। जडेजा की इस पारी के बारे में पूर्व भारतीय ओपनर बल्लेबाज गौतम गंभीर कहा कि उनकी इस पारी से ज्यादा वैल्यू उन अर्धशतकीय पारियों की है, जो उन्होंने विदेशी धरती पर खेली हैं। गंभीर के मुताबिक, जडेजा ने दुनियाभर में अपने बल्ले से जिस तरह का प्रदर्शन किया है मोहाली की पारी उन सबका इम्प्रूव वर्जन है। गौतम गंभीर ने स्टार स्पोर्ट्स पर बात करते हुए कहा कि मुझे लगता है कि रवींद्र जडेजा ने आस्ट्रेलिया में जो पारी खेली या भारत के बाहर उन्होंने जो पारियां खेली हैं, उससे उन्हें और अधिक आत्मविश्वास मिलेगा। आंकड़े बहुत भ्रामक हो सकते हैं। मोहाली टेस्ट मैच में अपना शतक पूरा करने के बाद जडेजा धनंजय डी सिल्वा, चरिथ असलंका व लसिथ एम्बुलडेनिया की गेंद से साथ खिलवाड़ कर रहे थे, लेकिन अगर आप आस्ट्रेलिया या इंग्लैंड की बात करते हैं तो वहां पर 40 या 50 रन का योगदान भी शायद बहुत अधिक है और जडेजा की मोहाली टेस्ट में खेली गई पारी से ज्यादा महत्वपूर्ण है। गंभीर ने कहा कि रवींद्र जडेजा ने ओवरसीज कंडीशन में जिस तरह से बल्लेबाजी की है, ये नाबाद 175 रन उसका बाय-प्रोडक्ट है। आप सिर्फ अंतिम परिणाम देखते हैं, लेकिन इस 175 रन तक पहुंचने के लिए काफी प्रयास किए गए हैं। जडेजा ने बेहद कठिन परिस्थितियों और कंडीशन में रन बनाए हैं और यही कारण है कि उन्हें नंबर 6 या फिर नंबर 7 पर मौका मिला। अगर जडेजा ने विदेशी धरती पर रन नहीं बनाए होते तो टीम मैनेजमेंट शायद जडेजा की जगह इस नंबर पर यानी नंबर 7 पर आर अश्विन के बारे में सोचती। जब आप कठिन स्थिति में रन बनाकर आते हैं तो आपके अपने टेस्ट रिकार्ड और आंकड़े सुधारने का मौका मिलता है। आपको बता दें कि मोहाली टेस्ट में जडेजा ने नाबाद 175 रन की पारी खेली और 9 विकेट भी लिए। उन्हें इस मैच में अच्छे प्रदर्शन के लिए प्लेयर आफ द मैच का भी खिताब दिया गया।

रोहित को राहुल या ईशान नहीं बल्कि इस बल्लेबाज के साथ करना चाहिए ओपन, आस्ट्रेलिया के दिग्गज ने बताया नाम

नई दिल्ली। रोहित शर्मा ने वेस्टइंडीज के खिलाफ तीन मैचों की टी20 सीरीज में ईशान किशन के साथ पारी की शुरुआत की थी तो वहीं श्रीलंका के खिलाफ पहले दो मैचों में रोहित और ईशान की जोड़ी ने ही पारी की शुरुआत की थी। ईशान ने श्रीलंका के खिलाफ पहले मैच में शानदार पारी खेली थी और रोहित के साथ शतकीय पारी खेली थी और टीम को जीत मिली थी। ईशान किशन को मौका तब मिला जब केएल राहुल टीम में नहीं थे। अगर केएल टीम में होते तो टी20 में रोहित के साथ पारी की शुरुआत शायद वही करते, लेकिन आस्ट्रेलिया के पूर्व स्पिनर का मानना है कि सफेद गेंद की क्रिकेट में रोहित शर्मा को ईशान किशन या फिर केएल राहुल के साथ पारी की शुरुआत नहीं करनी चाहिए। ब्रैड हाग के मुताबिक वनडे या फिर टी20 रोहित शर्मा को पारी की शुरुआत विराट कोहली के साथ करनी चाहिए। अपने यूट्यूब चैनल पर बात करते हुए हाग ने कहा कि कोहली के कप्तान रोहित के साथ मैन इन ब्लू के लिए पारी की शुरुआत करनी चाहिए। उन्होंने ये भी सुझाव दिया कि अगर कोहली ओपनिंग करते हैं तो फिर श्रेयस अय्यर को तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी के लिए भेजा जा सकता है। वहीं रिषभ पंत नंबर चार पर बल्लेबाजी कर सकते हैं। हाग ने कहा कि मेरे लिए अगर आप विराट कोहली को टीम में रखना चाहते हैं तो उन्हें रोहित शर्मा के साथ पारी की शुरुआत करनी चाहिए। मैं चाहता हूं कि श्रेयस अय्यर नंबर तीन पर जबकि रिषभ पंत नंबर चार पर बल्लेबाजी करें। किसी समय केएल राहुल को भी वहां ले जाएं और हार्दिक पांड्या अगर फिर हैं तो उन्हें छठे नंबर पर जबकि रवींद्र जडेजा को सातवें नंबर पर बल्लेबाजी के लिए भेजा जा सकता है। उन्होंने कहा कि नंबर पांच पर बल्लेबाजी के लिए सूर्यकुमार यादव हो सकते हैं जबकि हार्दिक फिट नहीं हैं तो नंबर छह पर वेंकटेश अय्यर को रखा जा सकता है। वहीं उन्होंने बतौर तेज गेंदबाज टीम के आक्रमण की जिम्मेदारी बुमराह, शमी और सिराज को दी जबकि ये कहा कि लीड स्पिनर युजवेंद्रा चहल होने चाहिए।

चेन्नई सुपर किंग्स कब कब खेलेगी अपने मुकाबले देखिए पूरा शेड्यूल

नई दिल्ली। आइपीएल 2022 के लीग मैचों के शेड्यूल का ऐलान कर दिया गया है। इस सीजन में 10 टीमें हिस्सा ले रही हैं और प्रत्येक टीम को 14 लीग मुकाबले खेलने हैं। जाहिर है सीएसके भी इतने ही लीग मैच खेलेगी और इस टीम का पहला मैच 26 मार्च को केकेआर के खिलाफ होगा। आइपीएल 2021 का फाइनल मैच इन दोनों टीमों के बीच खेला गया था। एम एस धौनी की कप्तानी में इस बार थोड़ी बदली-बदली सी सीएसके की टीम खिताब जीतने के इरादे से मैदान पर उतरेगी। सीएसके ने इस सीजन के लिए नीलामी से पहले चार खिलाड.ियों रवींद्र जडेजा, एम एस धौनी, मोइन अली और रितुराज गायकवाड़ को रिटेन किया था। इसके बाद सभी खिलाड.ियों को नीलामी के जरिए खरीदा गया। नीलामी में सीएसके ने आलराउंडर दीपक चाहर को 14 करोड़ रुपये में खरीदा था, लेकिन वो चोटिल होकर अभी क्रिकेट से दूर हैं। कयास ये है कि वो शायद सीएसके के लिए शुरुआती कुछ मुकाबलों से दूर रह सकते हैं। इस बार सभी 10 टीमों को दो ग्रुप में बांटा गया है और सीएसके को ग्रुप बी में रखा गया है। सीएसके इस बार अपने ग्रुप की अन्य चार टीमों के साथ दो-दो मैच, साथ ही ग्रुप एक में उसके सामने यानी सबसे ऊपर मुंबई की टीम है उसके साथ भी दो मैच और फिर ग्रुप बी की अन्य चार टीमों के साथ एक-एक मैच खेलेगी। इस टीम की बात करें तो इसने अब तक चार बार खिताब अपने नाम किए हैं। महेंद्र सिंह धौनी, दीपक चाहर, मोइन अली, रविन्द्र जडेजा, अंबाती रायडू, रितुराज गायकवाड़, ड्वेन ब्रावो, शिवम दुबे, राबिन उथप्पा, तुषार देशपांडे, केएम आसिफ, राजवर्धन हंगारगेकर, सिमरजीत सिंह, डेवोन

राशिफल

मेष-:आज आप बौद्धिक कार्यों से धन अर्जित करेंगे. भौतिक संसाधनों की ओर अधिक झुकाव के कारण इनमें वृद्धि हो सकती है। यात्रा की स्थिति सुखद और लाभकारी रहेगी।

वृष-:आज आपका किसी से तीखा झगड़ा हो सकता है. इस झगड़े से बचने की पूरी कोशिश करें, आपको बाद में पछताना पड़ सकता है। इस दौरान किया गया कोई भी झगड़ा भयानक रूप ले सकता है।

मिथुन-:आज आपका दिन पहले से बेहतर रहेगा. आप अपने भविष्य के बारे में थोड़ा सोच सकते हैं। संबंध बेहतर रहेंगे। कार्यस्थल पर आपको सहयोग मिल सकता है।

कर्क-:आज ही भविष्य के लिए अपनी आर्थिक योजना बनाएं और अपनी योजना और लक्ष्य तय करने का प्रयास करें. कार्यस्थल पर विवाद खत्म होने से सुख शांति में वृद्धि होगी।

सिंह-:आज आपके परिवार में खुशियों की वृद्धि होगी. संतान की शिक्षा में उन्नति संभव है। माता-पिता का स्वास्थ्य आज बहुत अच्छा रहेगा। उनसे भी आपको पूरा सहयोग मिलने की उम्मीद है

कन्या-: आज का दिन आपके लिए अच्छा रहेगा। आप अपनी सूझबूझ से सारे काम संभाल लेंगे। नौकरीपेशा लोगों को साथ काम करने वालों से मदद मिलेगी।

तुला-:आज आपको आर्थिक और पारिवारिक क्षेत्र में भी लाभ होने की संभावना है। आज मनपसंद खाना खाकर आपको आनंद मिलेगा।नौकरी में अधिक मेहनत करें।

वृश्चिक-: आज आपको व्यापार में सफलता मिलेगी. जो आपको गर्व और जोश से भर देगा। इस तरक्की को हासिल करने से आपको एहसास होगा कि आपने सही समय पर सही कदम उठाए है।

धनु-:आज अधिकारी आपकी प्रशंसा करेंगे. छात्रों को किसी भी प्रतियोगी परीक्षा में अच्छे अंक मिलेंगे। वैवाहिक जीवन में आप अच्छा महसूस करेंगे। समाज में आपकी प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी।

मकर-:आज आपको शुभ समाचार मिलेगा. सुबह व्यायाम करें, अतिरिक्त लाभ मिलेगा। आपका पार्टनर काफी नाराज़ रहेगा फिर भी अपने जीवन की सभी समस्याओं को नज़रअंदाज करते हुए।

कुंभ-:आज आपको कारोबार में सफलता मिलेगी. जो आपको गर्व और जोश से भर देगा। इस तरक्की को हासिल करने से आपको एहसास होगा कि आपने सही समय पर सही कदम उठाए

मीन-:आज का दिन आपके लिए अच्छा रहेगा। परिवार वालों की सलाह आपके लिए अहम रहेगी। साथ ही आप उनकी हर संभव मदद भी करेंगे। आपके भौतिक सुखों में वृद्धि होगी।

सम्पादकीय

विकास, कल्याण और खुशहाली की नई पहचान है योगी आदित्यनाथ का आर्थिक विकास माडल

अर्थव्यवस्था में विकास अथवा ग्रोथ एक बहुत महत्वपूर्ण फैक्टर होता है। लेकिन वैश्वीकरण और मुक्त अर्थव्यवस्था का एक दशक बीतने के बाद ही विश्व बैंक के अर्थशास्त्रियों ने कहना शुरू कर दिया था कि विकास केवल तीव्र ही नहीं, समावेशी भी होना चाहिए। इसका सीधा सा मतलब था कि विकास केवल ऊपर से नहीं, बल्कि नीचे से भी होना चाहिए। विश्व बैंक ने इसकी तरफ ध्यान आकर्षित तो किया था, लेकिन देश के अंदर इसके लिए कार्य संस्कृति विकसित करना सरकारों की संवेदनशीलता पर निर्भर करता था। क्या ऐसा प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के जैम ट्रिनिटी के लागू होने से पहले हो पाया था? स्पष्टतः नहीं। क्या 2017 से पहले उत्तर प्रदेश में अर्थव्यवस्था के ऐसे माडल का विकास हो पाया था जिसमें सुरक्षा, शिक्षा, स्वावलंबन, विकास, रोजगार और खुशहाली, एक साथ सुनिश्चित हुए हों। बिना किसी संशय के नहीं, क्योंकि इससे पहले नेतृत्व के विजन में वे विशेषताएं प्रभावी थीं जिनका सरोकार मध्यकाल के नकारात्मक प्रत्ययों से अधिक था, इसलिए उस दौर में लोककल्याण या ईज आफ लिविंग जैसी व्यवस्था की कल्पना भी मुश्किल थी। मार्च 2017 के बाद मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने उत्तर प्रदेश को सुरक्षा और तीव्र व समावेशी विकास के साथ-साथ हैपीनेस व ईज आफ लिविंग जैसी विशेषताओं के साथ आगे ले जाने की रणनीति बनाई। इसी का परिणाम है कि प्रदेश की छवि बदली है और लोगों में नया आत्मविश्वास देखने को मिल रहा है। प्रधानमंत्री मोदी और मुख्यमंत्री योगी ने दशकों से चले आ रहे ट्रिकल डाउन थ्योरी में आए रिसावों को रोक कर अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्ति तक सरकार की योजनाओं का लाभ पहुंचाया। यदि ऐसा पहले हो गया होता तो इतनी चौड़ी सामाजिक-आर्थिक खाई निर्मित नहीं हुई होती। दरअसल अमेरिका-यूरोप की अर्थव्यवस्था में जब रीगनो-थैचरामिक्स का दौर आया तो ट्रिकल डाउन थ्योरी गढ़ी गई। इसमें इस मान्यता को सुस्थापित किया गया कि यदि अमीरों को और अमीर बना दिया जाए तो फिर अमीरी रिस-रिस कर बाटम आफ पिरामिड यानी गरीबों तक स्वयं ही पहुंच जाएगी। लेकिन ऐसा हुआ नहीं, बल्कि अमीर और अमीर होते गए तथा गरीब और गरीब। इसे आगे बढ़ाने के लिए तीन आयाम और गढ़े गए- उदारवाद, निजीकरण और वैश्वीकरण। विकास का यह माडल सभी की खुशहाली का असली माडल नहीं, बल्कि बाजारों की रौनक और अमीरों की बढ़ती आय के साथ तरल अर्थव्यवस्था के बढ़ते हुए आयतन यानी ग्रोथ का माडल था। इसमें कोई संशय नहीं कि ग्रोथ बढ़ी, लेकिन विकास की वह भावना नेपथ्य में चली गई जिसमें क्वालिटेटिव इंडेक्स की अहम भूमिका थी। इसने इतनी गहरी सामाजिक खाइयों का निर्माण कर दिया कि दुनिया के विकसित देश नए किस्म के विभाजनों की ओर चल पड़े जिसके प्रभाव वहां अभी तक दिख रहे हैं और शायद आगे तक दिखेंगे। इतना ही नहीं, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने पहली बार जैम ट्रिनिटी (जनधन, आधार, मोबाइल) के माध्यम रिसाव वाले रास्तों को बंद किया और सरकार की योजनाओं का लाभ सीधे लाभार्थी तक पहुंचा। कृषि उत्पादन : पिछले पांच वर्षों में कृषि उत्पादन बढ़ाने की दिशा में व्यापक कार्य हुआ। धान, गेहूं, दलहन और तिलहन के उत्पादन को उदाहरण के रूप में देखा जा सकता है। किसान को उसके उत्पादन का उचित मूल्य मिले, इसके लिए सरकार ने बिचौलिया वर्ग को खारिज कर किसानों से एमएसपी पर सीधे खरीद की, जो पिछली सरकार के मुकाबले ढाई गुना से अधिक है। किसानों की कृषि पर लागतें (इनपुट कास्ट) कम हों, इसके लिए जरूरी है कि बीज, खाद, पानी और बिजली पर व्यय कम हो। नीम कोटेड यूरिया ने इस दिशा में निर्णायक भूमिका निभाई। यहां कुछ और महत्वपूर्ण तथ्य अहम हैं जिन्हें लागत मूल्यों का निर्धारण दिया जाता है। पहला है बाढ़। उत्तर प्रदेश में पिछली सरकारों के दौरान प्रतिवर्ष बाढ़ आती थी जिससे ग्रामीण क्षेत्र में बड़े पैमाने पर धन और संसाधनों की हानि होती थी। इससे ग्रामीण क्षेत्र में विकास का चक्र (साइकिल आफ डेवलपमेंट) टूट जाता था। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने इस दिशा में निर्णायक कदम उठाए और बाढ़ रोकने का स्थायी प्रबंध किया।

प्रामाणिक इतिहास लेखन से छंटेगा कोहरा, संघ प्रमुख मोहन भागवत ने बताए सूत्र

सरस्वती नदी को केंद्र में रखकर संपादित पुस्तक 'द्विरूपा सरस्वती' के लोकार्पण समारोह में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक मोहन भागवत ने अपने वक्तव्य में भारतीय इतिहास और उसकी सत्यता पर पूर्व में उठाए गए सवालों पर कटाक्ष किया। उन्होंने अंग्रेजों की मंशा को रेखांकित करते हुए बताया 'अंग्रेजों ने बताया कि भारत का न तो कोई रणगौरव है और न ही धनगौरव। वेद पुराण सब भांग के नशे में गाए गए गीत हैं।भारतीय इतिहास कपोल कल्पित है।' ये बताते हुए मोहन भागवत ने इस बात पर बल दिया कि भारतवर्ष की प्राचीनता और सनातनता के सातत्य को स्थापित करना होगा। इसके लिए विद्वानों और नई पीढ़ी को प्रमाण देना होगा क्योंकि इतिहास के प्रमाण बदल दिए गए, भाषा बदल दी गई और गुलामी के कालखंड में बदले हुए प्रमाण और भाषा को ही प्राथमिकता दी गई। सरसंघचालक ने अपने संक्षिप्त वक्तव्य में कई सूत्र दिए। नई पीढ़ी को प्रमाण देने की बात बेहद अहम है। इसके लिए आवश्यक है कि शिक्षा की हमारी वर्तमान प्रणाली में प्राथमिक स्तर से सुधार हो।प्राचीनता और सनातनता के सातत्य को स्थापित करने के लिए आवश्यक है कि ऐसी पुस्तकें तैयार की जाएं जो प्रमाणिक तरीके से विदेशी इतिहासकारों के मतों का निषेध करे और भारतीय मत और सिद्धांत को स्थापित करे। यह रास्ता बहुत कठिन है लेकिन भारत और भारतीयता से प्रेम करने वाले और उसके गौरव को स्थापित करने के उद्देश्य से लेखन करने वालों को इस कठिन राह पर आगे बढ़ना ही होगा।इतिहास लेखन बेहद श्रमसाध्य कार्य है। इसमें तथ्यों की प्रधानता होनी चाहिए। उसके बाद व्याख्या को महत्व देना चाहिए। तथ्यों की अनदेखी करने से इतिहास का स्वरूप बदलता है। व्याख्या में भाषा का स्थान बेहद महत्वपूर्ण होता है। इतिहासकार जब शब्दों का चयन करता है तो उसकी मंशा स्पष्ट हो जाती है। अगर हम प्राचीन भारतीय इतिहास को लिख रहे होते हैं और वर्ण के स्थान पर अगर जाति का प्रयोग कर देते हैं तो अर्थ ही बदल जाता है। प्राचीन भारतीय इतिहास लेखन में जब सबाल्टर्न को केंद्र में रखकर लेखन किया गया तो इस तरह के शब्दों के प्रयोग ने पूरा परिदृश्य ही बदल दिया। मोहनराव मधुकरराव भागवत का जन्म महाराष्ट्र के चन्द्रपुर नामक एक छोटे से नगर में 11 सितम्बर 1950 को हुआ था। वे संघ कार्यकर्ताओं के परिवार से हैं।ड2॰ उनके पिता मधुकरराव भागवत चन्द्रपुर क्षेत्र के प्रमुख थे जिन्होंने गुजरात के प्रान्त प्रचारक के रूप में कार्य किया था।ड2॰ मधुकरराव ने ही लाल कृष्ण आडवाणी का संघ से परिचय कराया था। उनके एक भाई संघ की चन्द्रपुर नगर इकाई के प्रमुख हैं। मोहन भागवत कुल तीन भाई और एक बहन चारो में सबसे बड़े हैं। मोहन भागवत ने चन्द्रपुर के लोकमान्य तिलक विद्यालय से अपनी स्कूली शिक्षा और जनता कॉलेज चन्द्रपुर से बीएससी प्रथम वर्ष की शिक्षा पूर्ण की। उन्होंने पंजाबराव कृषि विद्यापीठ, अकोला से पशु चिकित्सा और पशुपालन में स्नतक की उपाधि प्राप्त की। 1975 के अन्त में, जब देश तत्कालीन प्रधानमन्त्री इंदिरा गान्धी द्वारा लगाए गए आपातकाल से जूझ रहा था, उसी समय वे पशु चिकित्सा में अपना स्नतकोत्तर पाठ्यक्रम अधूरा छोड़कर संघ के पूर्णकालिक स्वयंसेवक बन गये।आपातकाल के दौरान भूमिगत रूप से कार्य करने के बाद 1977 में भागवत महाराष्ट्र में अकोला के प्रचारक बने और संगठन में आगे बढ़ते हुए नागपुर और विदर्भ क्षेत्र के प्रचारक भी रहे। 1991 में वे संघ के स्वयंसेवकों के शारीरिक प्रशिक्षण कार्यक्रम के अखिल भारतीय प्रमुख बने और उन्होंने 1999 तक इस दायित्व का निर्वहन किया। उसी वर्ष उन्हें, एक वर्ष के लिये, पूरे देश में पूर्णकालिक रूप से कार्य कर रहे संघ के सभी प्रचारकों का प्रमुख बनाया गया। वर्ष 2000 में, जब राजेन्द्र सिंह (रज्जू भैया) और हो0वे0 शेषाद्री ने स्वास्थ्य सम्बन्धी कारणों से क्रमशः संघ प्रमुख और सरकार्यवाह का दायित्व छोडने का निश्चय किया, तब के एस सुदर्शन को संघ का नया प्रमुख चुना गया और मोहन भागवत तीन वर्षों के लिये संघ के सरकार्यवाह चुने गये। 21 मार्च 2009 को मोहन भागवत संघ के सरसंघचालक मनोनीत हुए। वे अविवाहित हैं तथा उन्होंने भारत और विदेशों में व्यापक भ्रमण किया है। वे राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रमुख चुने जाने वाले सबसे कम आयु के व्यक्तियों में से एक हैं। उन्हें एक स्पष्टवादी, व्यावहारिक और दलगत राजनीति से संघ को दूर रखने के एक स्पष्ट दृष्टिकोण के लिये जाना जाता है।मोहन भागवत को एक व्यावहारिक नेता के रूप में देखा जाता है। उन्होंने हिन्दुत्व के विचार को आधुनिकता के साथ आगे ले जाने की बात कही है।ड3॰ उन्होंने बदलते समय के साथ चलने पर बल दिया है। लेकिन इसके साथ ही संगठन का आधार समृद्ध और प्राचीन भारतीय मूल्यों में दृढ़ बनाए रखा है।ड4॰ वे कहते हैं कि इस प्रचलित धारणा के विपरीत कि संघ पुराने विचारों और मान्यताओं से चिपका रहता है, इसने आधुनिकीकरण को स्वीकार किया हैं और इसके साथ ही यह

देश के लोगों को सही दिशा भी दे रहा है। नवंबर 2016 में, राष्ट्रसेविका समिति की 80 वीं वर्षगांठ पर एक 'प्रेरणा शिबिर' को संबोधित करते हुए, आरएसएस की महिला शाखा, मोहन भागवत ने कहा कि होमो सेपियन्स ने अतीत में होमो जीनस की अन्य प्रजातियों के अंतरिक्ष में खाया - जैसे - होमो फ्लोरेसेंसिस और निएंडरथल, लेकिन यहां तक कि होमो सेपियन्स अगले हजार वर्षों में विलुप्त हो सकते हैं।सितंबर 2018 में, मोहन भागवत ने कहा कि आरएसएस ने माधव सदाशिव गोलवलकर के ठबंच ऑफ़ थॉट्सठ के कुछ हिस्सों को छोड़ दिया है जो वर्तमान परिस्थितियों के लिए प्रासंगिक नहीं हैं।हिन्दू समाज में जातीय असमानताओं के सवाल पर, भागवत ने कहा है कि अस्पृश्यता के लिए कोई स्थान नहीं होना चाहिए। इसके साथ ही उन्होंने यह भी कहा कि अनेकता में एकता के सिद्धान्त के आधार पर स्थापित हिन्दू समाज को अपने ही समुदाय के लोगों के विरुद्ध होने वाले भेदभाव के स्वाभाविक दोषों पर विशेष ध्यान देना चाहिए। केवल यही नहीं अपितु इस समुदाय के लोगों को समाज में प्रचलित इस तरह के भेदभावपूर्ण रवैये को दूर करने का प्रयास भी करना चाहिए तथा इसकी शुरुआत प्रत्येक हिन्दू के घर से होनी चाहिए।यही गलती सामंती व्यवस्था को व्याख्यायित करते समय भी हुई।विदेशी इतिहासकार ने यूरोपीय सिद्धांतों के आधार पर भारत के समाज को समझने की कोशिश की। डेमोक्रेसी या लोकतंत्र को विदेशी अवधारणा मानने और प्रचारित करने के चक्कर में इतिहासकारों ने भारत की जनपद व्यवस्था या वैशाली में प्रचलित गणतंत्रीय व्यवस्था को जानबूझकर ओझल कर दिया। मध्यकाल में जब धर्म की व्याख्या की गई तो वहां भी इतिहासकारों ने यूरोपीय अर्थ के आधार पर इस शब्द की व्याख्या की और अर्थ का अनर्थ कर दिया। ऐसे कई उदाहरण दिए जा सकते हैं। आधुनिक भारत का इतिहास लिखने के क्रम में भी तथ्यों को ओझल कर दिया गया। छवि निर्माण के लिए गलत व्याख्या की गई। स्वाधीनता आंदोलन और उसके बाद के भारत के इतिहास में भी इस तरह की कई गड़बडियां दिखाई देती हैं। ऊपरी तौर पर इस कालखंड का विवेचन वैज्ञानिक तरीके किया प्रतीत होता है लेकिन अगर हम उसकी तह में जाते हैं और घटनाओं और व्यक्तियों का सूक्ष्मता से आकलन करते हैं तो समग्र तस्वीर नहीं दिखती।अगर स्वाधीनता के ठीक पहले और उसके बाद की घटनाओं पर नजर डालें तो इतिहास लेखकों ने भारत के पहले प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू के प्रसंग में बहुधा उन तथ्यों की अनदेखी कि जिससे नेहरू की प्रचलित छवि खंडित होती है। इसको कई उदाहरणों से समझा जा सकता है। 3 जून 1947 की माउंटबेटन योजना में भारत विभाजन को सैद्धांतिक स्वीकृति दी गई थी। भारत और पाकिस्तान के बीच बंटवारे और सीमा निर्धारण के लिए सर सिरिल रेडक्लिफ को चुना गया था। वो कभी भारत नहीं आए थे और इसको ही आधार बनाकर उनकी निष्पक्षता को प्रचारित किया गया। रेडक्लिफ को अंतराष्ट्रीय सीमा निर्धारण का कोई अनुभव नहीं था। वो कानूनी विशेषज्ञ थे।रेडक्लिफ 8 जुलाई 1947 को भारत पहुंचे तब उनको पता चला कि उनको पांच सप्ताह में सीमा निर्धारण का काम पूरा करना है। यहां तक तो ठीक था। लेकिन उसके बाद इस बात की चर्चा कम ही मिलती है कि नेहरू बंटवारे को लेकर जल्दबाजी में थे। वो चाहते थे कि बंटवारे और सीमा निर्धारण का काम जल्द से जल्द हो जाए। वो तो इसके लिए भी तैयार थे कि अस्थायी सीमा निर्धारण करके बंटवारे के काम को अंजाम दे दिया जाए।नेहरू का मत था कि नये देश बाद में आपसी सहमति के आधार पर सीमाओं को ठीक कर लेंगे। इन तथ्यों का उल्लेख पत्रकार और इतिहासकार लेनार्ड मोस्ले की 1961 में प्रकाशित पुस्तक द लास्ट डेज आफ ब्रिटिश राज में मिलता है। ये पुस्तक जवाहरलाल नेहरू के जीवन काल में ही प्रकाशित हो गई थी। इसमें उल्लिखित तथ्यों का कोई खंडन हुआ हो, ऐसा ज्ञात नहीं है। नेहरू की इस जल्दबाजी को इतिहासकारों ने ओझल कर दिया और उनकी एक दूसरी तरह की छवि निर्मित की गई।सोमनाथ मंदिर के पुनर्निमाण के समय नेहरू और राजेन्द्र प्रसाद के बीच मतभेद हुआ। नेहरू के बारे में इस तरह की बातें लिखी गईं कि वो धर्म को शासन से अलग रखना चाहते थे आदि आदि। उनके पत्रों को इसका आधार बनाया गया लेकिन नेहरू की मानसिकता को समझने के लिए इतिहासकारों ने पर्याप्त शोध नहीं किया। जो पत्र सामने आए उसके आधार पर नेहरू की छवि बना दी गई। नेहरू का सोमनाथ मंदिर को लेकर जो स्टैंड था उसके पीछे मंशा कुछ और थी। इसको समझने के लिए 14 अगस्त 1947 की एक घटना का विवरण देखना होगा।शाम को संविधान सभा के अध्यक्ष डा राजेन्द्र प्रसाद के घर एक समारोह का आयोजन किया गया था। तंजावुर के हिंदू पुरोहितों ने पूजा पाठ और हवन का जिम्मा संभाला था। वो पवित्र जल लेकर भी आए थे। राजेन्द्र प्रसाद और नेहरू हवन कुंड के सामने बैठे और महिलाओं ने उनके माथे पर तिलक लगाया। नेहरू ने भी तिलक लगाया और हवन भी किया क्योंकि उनके मित्रों ने उनको समझाया था कि सत्ता प्राप्त करने का हिंदू तरीका यही है। इसका उल्लेख 'आफ्टरमाथ आफ पार्टिशन इन साउथ एशिया' नाम की पुस्तक में मिलता है।ऐसी ही एक घटना 1952 के लोकसभा चुनाव के समय की है। फूलपुर में नेहरू की सभा थी। सभास्थल के रास्ते एक स्थानीय राजा अपने हाथी से निकलना चाहता था। अफसर उनको निकलने नहीं दे रहे थे। हो हल्ला होने लगा। नेहरू को जब पता चला तो वो राजा के पास पहुंचे और 'महाराज की जय हो' के नारे लगाए। राजा खुश हो गए और जनता से नेहरू को वोट देने की अपील कर डाली। बाद में नेहरू ने युवा अफसर को समझाया कि 'राजा को जय-जयकार की जरूरत थी और मुझे वोट की। मैंने राजा को उनका चाहा दिया और उन्होंने मुझे।' ऐसी कई अन्य घटनाएँ हैं जिससे नेहरू की छवि सत्ता के लिए हड़बड़ी में रहे एक नेता की बनती है। लेकिन आधुनिक भारत के इतिहास की पुस्तकों में ये छवि नदारद है।उदाहरण के लिए नेहरू से जुड़े प्रसंगों को गिनाया लेकिन अगर इसी तरह से वामपंथियों की स्वाधीनता आंदोलन में भूमिका पर समग्रता में विचार हो तो प्रचलित मान्यताओं से अलग ही तस्वीर निकलकर आएगी। मोहन भागवत जब प्रमाण के साथ इतिहास लेखन की बात करते हैं तो वो तथ्यों के साथ समग्रता की अपेक्षा करते हैं। इस कार्य में देश के केंद्रीय विश्वविद्यालयों को नेतृत्व करना होगा। देश में 50 से अधिक केंद्रीय विश्वविद्यालय हैं। सालभर में एक विश्वविद्यालय से एक भी प्रमाणिक पुस्तक का प्रकाशन इतिहास लेखन की कमियों को दूर कर सकता है।

मणिपुर की एक प्रमुख पहचान लोकटक झील और उस पर तैरते हुए जलीय घास

मणिपुर की पहचान को समृद्ध करने वाले लोकटक झील में बसे चामपु खंगपोक गांव को 10 मार्च का बेसब्री से इंतजार है। तैरते हुए झील पर बसा यह गांव अपनी पहचान को जीवंत रख पाएगा या भविष्य का किस्सा हो जाएगा, यह सब नई सरकार पर निर्भर होगा। लोकटक मणिपुरी में लोक और टक से मिलकर बना है जिसका अर्थ बहती हुई धारा का अंतिम सिरा है।इस झील में घने जलीय घास के हिस्से मिट्टी के साथ तैरते रहते हैं, जिसे नीमड़ी कहा जाता है। ये जलीय घास इतने मजबूत होते हैं कि मछुआरे इन पर अपनी झोपड़ी

बना कर रहते हैं। यहां रहने वाले मछुआरों की संख्या लगभग 30 हजार है।यहां के लोगों को क्या डर है इनलैंड प्रोजेक्ट्स के लिए केंद्र सरकार भी एक योजना यहां शुरू करना चाहती है। यहां के रहने वाले लोग मछुआरे हैं और यही उनकी आजीविका का प्रमुख स्रोत है। लोकटक डेवलपमेंट अथारिटी इस झील को साफ करना चाहती है और तैरते हुए घास के टीलों को हटाने की कोशिश कर रही है। इसी पर मुछआरों ने अपने अस्थायी घर बना रखे हैं जो हटाए जा सकते हैं।यहां के लगभग सभी प्रमुख राजनीतिक दलों ने लोकटक के विकास को लेकर अपने घोषणापत्रों में इसके सुधार की बातें की हैं। भारतीय जनता पार्टी ने कहा है कि राज्य में वनस्पतियों और विलुप्तप्राय प्राणियों को बचाने के लिए व्यापक कार्ययोजना को अंजाम दिया जाएगा। वहीं कांग्रेस ने स्टेट फारेस्ट डेवलपमेंट कारपोरेशन एंड लोकटक लेक रिसर्च एंड ट्रेनिंग सेंटर खोलने का वादा किया है।खोंगजोम वार मेमोरियल : मणिपुर के थौबल जिले में स्थित खोंगजोम वार मेमोरियल कांप्लेक्स एक ऐतिहासिक युद्ध स्मारक है, जहां युद्ध में वीरगति प्राप्त करने वाले योद्धाओं की स्मृति में दुनिया की सबसे ऊंची तलवार की प्रतिकृति लगाई गई है। उल्लेखनीय है कि वर्ष 1891 में अंग्रेजों ने इंफाल पर हमला बोल दिया था। यहां के राजकुमार को गिरफ्तार करने के लिए अंग्रेज अफसर ने 400 गोरखाओं के साथ रात के अंधेरे में राजमहल पर हमला बोला था। मातृभूमि और राज्य की संप्रभुता के लिए मणिपुर के सपूत अपने वीर योद्धा पाओना ब्रजबासी के नेतृत्व में युद्धरत रहे। वर्ष 1891 में 31 मार्च से शुरू हुए इस युद्ध में 25 अप्रैल 1891 को पाओना ब्रजबासी वीरगति को प्राप्त हो गए। इस युद्ध में लगभग 50 अन्य वीर मणिपुरी योद्धाओं ने अपना बलिदान दिया था।

लोकटक झील में बसे खंगपोक के भविष्य से जुड़े सवाल को समझने से पहले फिलहाल लोकटक को समझना होगा।लोकटक झील देश के पूर्वोत्तर राज्य मणिपुर के विष्णुपुर जिले में अवस्थित है। मीठे और ताजे पानी के इस झील में दुनिया का इकलौता तैरता हुआ नेशनल पार्क है। केबुल लामजाओ नामक इस नेशनल पार्क का सबसे बड़ा आकर्षण नाचने वाला शंघाई हिरण है, जिसे मणिपुर के राजकीय पशु का दर्जा प्राप्त है। तैरती हुई घास, वनस्पति और मिट्टी के द्वीपों के लिए दुनियाभर में प्रसिद्ध

खतरनाक मोड़ लेता यूक्रेन संकट, विश्व शांति के साथ वैश्विक अर्थव्यवस्था के लिए भी बढ़ रहा खतरा

यूक्रेन पर हमला करने के करीब दस दिन बाद रूस जिस तरह कुछ घंटे के लिए युद्ध विराम के लिए राजी हुआ, उससे वह अपनी अंतरराष्ट्रीय छवि की चिंता करता तो दिखा, लेकिन यह नहीं कहा जा सकता कि रूसी राष्ट्रपति पुतिन बातचीत से समस्या के समाधान के लिए तैयार होने वाले हैं। रूस अभी भी राजधानी कीव अनुमान है कि करीब दस लाख लोगों को पलायन के लिए विवश होना पड़ा है, क्योंकि रूसी सेनाएं नागरिक इलाकों को भी निशाना बना रही हैं। रूस एक सैन्य महाशक्ति अवश्य है, लेकिन उसे यह याद रखना चाहिए कि 21वीं सदी के इस युग में कोई भी देश किसी अन्य देश की संप्रभुता को उस तरह नहीं कुचल सकता, जैसे

पर कब्जा करके वहां सत्ता परिवर्तन के लिए आमादा दिख रहा है। उसकी इस कोशिश के चलते वहां भारी तबाही हो सकती है। इसकी एक झलक तब मिली, जब रूसी हमले के दौरान यूक्रेन के सबसे बड़े नाभिकीय संयंत्र के परिसर में आग लग गई। इस घटना ने पूरी दुनिया में चिंता की लहर पैदा कर दी। यूक्रेन पर हमले के बाद से अब तक दोनों देशों के सैकड़ों सैनिक मारे जा चुके हैं। यूक्रेन के तमाम लोगों की भी जान जा चुकी है। संयुक्त राष्ट्र का वह यूक्रेन की संप्रभुता को कुचलना चाहता है। रूस की मानें तो यूक्रेन पर हमला इसलिए जरूरी हो गया था, क्योंकि वह अमेरिका एवं उसके सहयोगी देशों के हाथों में खेल रहा था और इसके चलते उसकी अपनी सुरक्षा के लिए खतरा उत्पन्न हो गया था। यह सही है कि यूक्रेन अमेरिकी नेतृत्व वाले सैन्य संगठन नाटो में शामिल होने को तैयार था, लेकिन केवल इस आधार पर उस पर हमले का औचित्य नहीं बनता। यूक्रेन पर रूस के हमले से यह साफ है कि उसने अमेरिका और उसके सहयोगी देशों की ओर से दी जा रही चेतावनियों की परवाह नहीं की, लेकिन शायद वह इसका भी अनुमान नहीं लगा सका कि यूक्रेन की सेना और वहां के लोग उसका इतना डटकर मुकाबला करेंगे। यह संभव है कि वह अपनी सैन्य ताकत के बल पर यूक्रेन को देर सवेर घुटने टेकने के लिए विवश कर दे, लेकिन उसके लिए वहां पर काबिज होना आसान नहीं होगा। उसे यह याद रखना चाहिए कि अफगानिस्तान में सोवियत सेनाओं का क्या हश्र हुआ था रूस को केवल यूक्रेन में कड़े प्रतिरोध का ही सामना नहीं करना पड़ रहा, बल्कि अमेरिका, यूरोप के साथ अन्य देशों के कठोर प्रतिबंधों से भी दो चार होना पड़ रहा है। पुतिन फिलहाल इन प्रतिबंधों से बेफिक्र दिख रहे। इतना ही नहीं, वह परमाणु हमले की धमकियां भी दे रहे हैं। इससे वह विश्व शांति और वैश्विक अर्थव्यवस्था के लिए खलनायक के तौर पर उभर रहे हैं। शायद वह यह मानकर चल रहे हैं कि रूसी गैस पर यूरोप के एक बड़े हिस्से की निर्भरता इन प्रतिबंधों के असर को खत्म कर देगी, लेकिन इसकी अनदेखी नहीं की जा सकती कि यूक्रेन संकट पूरी दुनिया पर गंभीर आर्थिक असर डालने वाला साबित हो रहा है। कच्चे तेल के बढ़ते दाम इसका प्रमाण हैं। भारत अभी तक संयुक्त राष्ट्र में रूस के खिलाफ आए सभी प्रस्तावों पर हुए मतदान से अलग रहा है। कई पश्चिमी देशों को भारत का यह रवैया रास नहीं आया, लेकिन यूक्रेन संकट पर भारत का तटस्थ रहना समय की मांग है। यही कारण रहा कि विदेश मंत्रालय की संसदीय सलाहकार समिति की बैठक में विपक्षी दलों ने सरकार के रुख का समर्थन किया। भारत ने भले ही रूस के खिलाफ लाए गए प्रस्तावों पर मतदान न किया हो, लेकिन उसने रूस को यह संदेश देने में संकोच नहीं किया कि वह समस्तघटनाक्रम से विचलित है और हर स्वतंत्र देश की तरह यूक्रेन की संप्रभुता और अखंडता का भी सम्मान आवश्यक है। प्रधानमंत्री मोदी पुतिन से अपनी बातचीत में युद्ध रोकने की बात भी कर चुके हैं। वास्तव में भारत ने प्रारंभ से ही कूटनीति के जरिये समस्या के समाधान पर जोर दिया है। भारत के तटस्थ रुख का यह मतलब नहीं कि वह रूस के साथ खड़ा है। इस संदर्भ में भारत ने अपना जो पक्ष रखा, उसे अमेरिका, फ्रांस आदि ने समझा भी है। भारत के लिए इस समय सबसे अधिक आवश्यक है यूक्रेन में फंसे अपने छात्र-छात्राओं की सुरक्षित वापसी। इसके लिए रूस और यूक्रेन, दोनों का सहयोग जरूरी है। दशकों की करीबी मित्रता और रक्षा खरीद के लिए रूस पर निर्भरता के बावजूद भारत ने न केवल रूस को संयुक्त राष्ट्र चार्टर की याद दिलाई है, बल्कि यूक्रेन को मानवीय सहायता भी भेजी है। इसकी भी अनदेखी नहीं की जानी चाहिए कि जो देश यूक्रेन के पक्ष में खुलकर खड़े हैं, वे भी उसे सहायता देने तक ही सीमित हैं। निःसंदेह इसमें सैन्य मदद भी शामिल है, लेकिन यूक्रेन के राष्ट्रपति इतने मात्र से संतुष्ट नहीं। पुतिन इस समय जैसे आक्रामक रूप में दिख रहे हैं, वह दुनिया के प्रति उनके बेपरवाही भरे रुख का ही परिचायक है। ऐसे में यह जरूरी है कि भारत सरीखी वैश्विक शक्तियां बातचीत से समस्या के समाधान पर और जोर दें। यह इसलिए आवश्यक है, क्योंकि अमेरिका और अन्य देशों ने रूस पर जो प्रतिबंध लगाए हैं, उनकी रूसी राष्ट्रपति चिंता नहीं कर रहे। उलटे वह खुद ऐसे देशों पर प्रतिबंध लगा रहे हैं। अब तो इसकी भी आशंका बढ़ गई है कि अपने को मुश्किलों में घिरा देखकर पुतिन कोई ऐसा अप्रत्याशित कदम न उठा लें, जिसके भयावह नतीजे सामने आएं। यूक्रेन संकट जिस तरह गहराता जा रहा है, उसे देखते हुए सवाल उठता है कि आखिर इसका परिणाम क्या होगा? क्या रूस यूक्रेन पर उसी तरह कब्जा कर लेगा, जैसा उसने 2014 में उसके एक हिस्से क्रीमिया पर किया था या वहां अपनी पिट्ठू सरकार बैठा देगा? क्या पुतिन का मकसद यूक्रेन का पूरी तरह विसैन्यीकरण करना है? सवाल यह भी है कि रूस की मनमानी के खिलाफ अमेरिका और उसके साथी देश किस हद तक जाएंगे? इन सवालों के चाहे जो जवाब निकलें, लेकिन यह साफ है कि नाटो देशों और रूस की तनातनी में यूक्रेन एक मोहरा भर बनकर रह गया है। वे यह नहीं देख पा रहे कि केवल प्रतिबंधों से बात नहीं बन रही। दोनों पक्षों का यह रवैया पूरे विश्व की चिंता बढ़ाने वाला है।

संक्षिप्त समाचार

मुकेश सहनी का 20 से पहले हो जाएगा हिसाब-किताब भाजपा के वरीय नेता ने दिए संकेत

मुजफ्फरपुर। उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव अंतिम चरण में पहुंचने के साथ ही बिहार का राजनीतिक तापमान तेजी से बढ़ने लगा है। एक ओर जहां बिहार एमएलसी चुनाव 2022 की सरगर्मी तेज हो गई है वहीं यूपी चुनाव का आफ्टर इफेक्ट भी यहां देखने को मिल रहा है। विशेषकर सीएम नीतीश कुमार के मंत्री मुकेश सहनी की पार्टी वीआइपी व भाजपा के बीच जारी विवाद का। माना जा रहा है कि अब यह विवाद भी अपने परिणाम की ओर ही बढ़ रहा है। बीजेपी के एक वरीय नेता ने इस दिशा में संकेत भी दिए हैं। एक निजी समाचार चैनल से बातचीत के दौरान उन्होंने कहा कि 20 मार्च से पहले ही पार्टी उनके बारे में फैसला ले लेगी। इसका स्वरूप क्या होगा, इसके बारे में उन्होंने कुछ भी नहीं कहा। उत्तर प्रदेश चुनाव में अपने-अपने दलों के लिए प्रचार करने के बाद बिहार के राजनेता अब वापस आ गए हैं। यहां पहुंचने के साथ ही बयानों का दौर शुरू हो गया है। बिहार भाजपा के उपाध्यक्ष और मुजफ्फरपुर के सांसद अजय निषाद एक बार फिर मुखर हो गए हैं। इस बार उन्होंने वीआइपी के साथ ही साथ कांग्रेस पर भी निशाना साधा है। उन्होंने बिहार और बिहारी को लेकर कांग्रेस के विभिन्न नेताओं की ओर से दिए जा रहे बयानों को दुर्भाग्यपूर्ण करार दिया है। साथ ही कहा है कि इन्हीं वजह से पार्टी दिन ब दिन मिट्टी में मिलती जा रही है। पहले पंजाब के सीएम चन्नी और अब तेलंगाना के कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष रेवंत रेड्डी की ओर से दिए गए बयान को गलत बताया। कहा, इस तरह तो कांग्रेस खत्म हो जाएगी। ये लोग अपनी जड़ खुद ही खोद रहे हैं। अब बिहार में कांग्रेस क्या मुंह लेकर जनता के बीच जाएगी यदि इसी तरह से भेदभाव का काम करते रहे तो उनका कोई नाम लेने वाला भी नहीं बचेगा। मुजफ्फरपुर सांसद अजय निषाद ने बिहार सरकार में सहयोगी वीआइपी और उसके प्रमुख मुकेश सहनी के बारे में पूछे गए सवाल के जवाब में कहा कि यूपी चुनाव के दौरान उन्होंने बहुत गलत किया। हालांकि इसका योगी आदित्यनाथ की सरकार की सेहत पर कोई प्रभाव नहीं पड़ने वाला है। हमलोग 300 से अधिक सीटों के साथ सरकार बना रहे हैं, लेकिन अब उनका हिसाब किताब जरूर हो जाएगा और वह भी 20 मार्च से पहले। यूपी चुनाव के दौरान भाजपा को हराने के लिए दिए जा रहे विज्ञापन के बारे में उन्होंने कहा कि पाटाको इसकी जानकारी है।

सरस मेले में शनिवार को रही चहल पहल तेलंगाना तमिलनाडु तथा आंध्रप्रदेश के उत्पाद बने आकर्षण का केंद्र

(आधुनिक समाचार सेवा)
देव मणि शुक्ल

नोएडा । केंद्रीय ग्रामीण विकास मंत्रालय द्वारा सेक्टर 33 ए स्थित नोएडा हाट में आयोजित सरस मेले में शनिवार को खासी चहल-पहल रही। यहां नोएडा वासियों ने परिवार

के साथ जमकर खरीदारी की और विभिनन्-प्रदेश के उत्पादों को सराहा भी। वही तेलंगाना, तमिलनाडु तथा आंध्र प्रदेश के उत्पाद आकर्षण का केंद्र बने रहे। मेले में सभी राज्यों के स्टॉल का प्रबंधन राष्ट्रीय ग्रामीण विकास एवं पंचायती राज संस्थान के सुरेश प्रसाद ने संभाला है। सरस मेले में तेलंगाना राज्य के नलगोटा से संभावना संगम स्वयं सहायता समूह ने स्टॉल लगाया है। समूह का संचालन रानी करती है। इनके हस्त निर्मित उत्पादों में पर्स, हैंगिंग मैटेरियल, डेकोरेशन मैटेरियल, जर्मन मेटल की ज्वेलरी नोएडावासियों को अधिक पसंद आ रही हैं। जबकि अन्य उत्पादों में दुपट्टे, गले का पेचेस, स्कर्ट, शाल तथा बेडशीट शामिल है। तेलंगाना के ही नलगुंडा के झांसी लक्ष्मी स्वयं सहायता समूह के उत्पादों में ऑटम वैली बेडशीट, रनिंग मटेरियल, टॉवल तथा कॉटन मास्क शामिल है। वहीं शकी लक्ष्मी द्वारा संचालित हरिथा स्वयं सहायता समूह ने इक्का कॉटन साड़ी, बेडशीट तथा सूट के कपड़े का स्टॉल लगाया है। तमिलनाडु के मधुरई से सुकीलाड द्वारा संचालित थूलासी माकालिर कुलु स्वयं सहायता समूह के उत्पाद में कॉटन साड़ी, ज्वेलरी तथा जूट बैग की जमकर खरीदारी की जा रही है। तमिलनाडु के ही चित्रा देवी द्वारा संचालित मदर टेरेसा स्वयं सहायता समूह के उत्पादों में पंचधातु ज्वेलरी, सिल्क कॉटन साड़ी, जूट प्रोडक्ट तथा रेक्सीन बैग आकर्षण का केंद्र बने हुए हैं। साथ ही मधुरई के एक अन्य मीना स्वयं सहायता समूह का संचालन सरिदा करती हैं, इनके उत्पादों में पायल, तांबे के कड़े, रुद्राक्ष, अंगूठी, तुलसी माला तथा क्रिस्टल माला आदि उत्पाद शामिल हैं, जिनकी मांग दिन पर दिन बढ़ती जा रही है। आंध्र प्रदेश से कृष्णा जिले की जगनमोहन ने श्री स्वयं सहायता समूह के उत्पादों को मेले में उतारा है। जिन की विशेषता कलमकारी तथा हैंड ब्लॉक प्रिंटिंग है। इमेज ड्रेस मटेरियल, मलमल कॉटन साड़ी, सूट, मलवार सिल्क साड़ी तथा चेन्नूर सिल्क साड़ी शामिल है। कुरनूल जिले की एसतेरी रानी द्वारा संचालित सितारा स्वयं सहायता समूह नें जूट बैग, स्कूल बैग, चूड़ियां तथा कड़े का स्टॉल लगाया है। गुंटुर कि श्रीषा अपनी 10 सदस्यों के साथ वीर ब्रह्मेंद्रा स्वामी स्वंय सहायता समूह का संचालन करती हैं। इनके उत्पादों में लेदर बैग तथा सॉफ्ट टॉयज लोगों को लुभा रहे हैं। वहीं दयावती द्वारा संचालित सूर्यप्रभा स्वयं सहायता समूह के उत्पादों में हाथ से बनी वुड नक्काशी की मूतिर्यां तथा सजावट का अन्य सामान लोगों के लिए आकर्षण का केंद्र बना है। राष्ट्रीय ग्रामीण विकास एवं पंचायती राज संस्थान के शोध अधिकारी सुधीर कुमार सिंह ने बताया कि देशभर के सभी सहायता समूह की सभी सुविधाओं पर ध्यान दिया जा रहा है। जिसके लिए संस्थान के सहायक निदेशक चिरंजी लाल कटारिया निरंतर प्रयासरत है।.

ग्रामीण व नगरीय क्षेत्रों में किये गए पौधरोपण के कार्य

(आधुनिक समाचार सेवा)
दुर्गेश कुमार गुप्ता

शहडोल । 05 मार्च 2022- प्रदेश में पर्यावरण को सुरक्षित करने के लिए राज्य शासन के निर्देशानुसार 1 मार्च से 5 मार्च 2022 तक प्रदेश सहित शहडोल जिले में भी कलेक्टर श्रीमती वंदना वैद्य के मार्गदर्शन एवं मुख्य डॉ नागेंद्र सिंह, प्रभारी सौंदर्यीकरण समिति डॉ सुनील तिड़के, अस्पताल उप अधीक्षक डॉ कबीरपंथी सहित अन्य स्टॉफ गण ने पौधरोपण कर वायुदूत ऐप फोटो अपलोड किया गया। इसी प्रकार पौधरोपण अभियान में जिले के जनपद पंचायत सोहागपुर के ग्राम छतवई, पंचगांव, जनपद पंचायत ब्यौहारी

कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत श्री हिमांशु चंद्र के निर्देशन में पौधरोपण अभियान ग्रामीण एवं नगरीय क्षेत्रों में चलाया गया। पौधरोपण अभियान में आज बिरसा मुंडा शासकीय चिकित्सा महाविद्यालय अस्पताल परिसर शहडोल में पौधा रोपण का कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अभियान में अधिष्ठाता डॉ मिलिंद शिरालकर, अस्पताल अधीक्षक के ग्राम खडडा, जमुनी, विजयसोता, जनपद पंचायत बुढार के विभिन्न ग्रामों तथा नगरीय क्षेत्रों में भी जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों, स्थानीय लोगों द्वारा शासकीय रिक्त भूमियों, विद्यालयों, ग्राम पंचायतों के रिक्त भूमियों पर फलदार पौधों का रोपण किये गए तथा लोंगो द्वारा पौधरोपण के पष्चात वायुदूत ऐप पर फोटो भी अपलोड किये गए।

25 हज़ार का ईनामी वांटेड बदमाश गिरफ्तार

(आधुनिक समाचार सेवा)
देव मणि शुक्ल

नोएडा । नॉलेज पार्क पुलिस ने गैंगस्टर एक्ट में वांछित 25 हजार का इनामी बदमाश किया गिरफ्तार। इनामी बदमाश शातिर किस्म का बदमाश है। इनामी बदमाश भोलेभाले लोगों के साथ धोखाधड़ी कर धन अर्जित करता है। शातिर बदमाश पर आधा दर्जन मुकदमे दर्ज। नॉलेज पार्क पुलिस ने किया गिरफ्तार। थाना नॉलेज पार्क पुलिस द्वारा गैंगस्टर एक्ट में वांछित व 25 हजार रूपये का इनामी अभियुक्त गिरफ्तार। थाना नॉलेज पार्क पुलिस द्वारा दिनांक-05/03/2022 को मु0अ0सं0 338/18 धारा 420/430/431/432 भादवि व मु0अ0सं0 252/2019 धारा 2/3 गैंग0एक्ट में वांछित / 25,000 रुपये के इनामिया चल रहे अभियुक्त सुशील दूबे पुत्र तारकेश्वर दूबे नि0- ग्राम सलेमपुर टेकसेमर थाना आरा मफासीन जिला भोजपुर बिहार को दौराने चौकिंग ईशान कट से गिरफ्तार किया गया है। अपराध करने का तरीका अभियुक्त शातिर किस्म का अपराधी है जो कि धोखाधड़ी कर अवैध धन अर्जित करता है। गिरफ्तार अभियुक्त का विवरण 1.सुशील दूबे पुत्र तारकेश्वर दूबे नि0- ग्राम सलेमपुर टेकसेमर थाना आरा मफासीन जिला भोजपुर बिहार आपराधिक इतिहास 1.मु0अ0सं0 338/18 धारा 420/430/431/432 भादवि थाना नॉलेज पार्क 2. मु0अ0सं0 252/2019 धारा 2/3 गैंग0एक्ट थाना नॉलेज पार्क (25 हजार रूपये का ईनाम)।

गोमती मित्रों की करुण पुकार, गोमती की भी सुध लो सरकार

(आधुनिक समाचार सेवा)
अश्वनि

गोमती। मित्र मंडल परिवार विगत 11 वर्षो से आदि गंगा मां गोमती की स्वच्छता,पौराणिक धामों

की सुंदरता व पर्यावरण संरक्षण के लिए संकल्प के साथ प्रयतनशील है,जनमानस का सहयोग भी प्राप्त हो रहा है लेकिन इतना बड़ा काम बिना सरकार के सहयोग के संभव नहीं है,साप्ताहिक श्रमदान के तत्काल बाद प्रदेश अध्यक्ष रूद्र प्रताप सिंह मदन एवं मीडिया प्रभारी रमेश महेश्वरी ने जनमानस से अपील की आप सभी सरकार तक अपनी भावना को पहुंचाने का प्रयास कीजिए,प्रकृति हमारे लिए मां स्वरूप है,मां की रक्षा करना,सेवा करना सबका दायित्व है,साप्ताहिक श्रमदान प्रातः 06:00 बजे शुरू हुआ और 09:00 बजे तक पूरे तट परिसर को साफ करते हुए समाप्त हुआ,,मुख्य रूप से उपस्थित रहे रतन कसौंधन,मुनन सोनी,अजय प्रताप सिंह,संत कुमार प्रधान,मुनन पाठक, डॉ कुंवर दिनकर प्रताप सिंह,रामेंद्र प्रताप सिंह राणा,सेनजीत कसौंधन दाऊ,पवन मौर्य,अजय वर्मा,संतोष अग्रहरि,सोनू सिंह,आमोद सिंह,रुद्र विश्व दीप रघुवंशी,अनिरुद्ध यादव,तेजस्व पांडे,अभय,युवराज आदि।

ईवीएम स्ट्रांग रूम का कैमरा का बंद होना कहीं ना कहीं संदेह पैदा करता है: सुनील चौधरी

(आधुनिक समाचार सेवा)
देव मणि शुक्ल

नोएडा ।विधानसभा 61 से समाजवादी पार्टी व गठबंधन के

प्रत्याशी सुनील चौधरी ने एक बयान जारी कर कहा कि कल शाम 10:14 से 10:22 तक किसी तकनीकी कारण की वजह से स्ट्रांग रूम का कैमरा बंद रहा जो कि कहीं ना कहीं संदेह पैदा करता है इसलिए उन्होंने पुलिस प्रशासन से मांग की है कि हर चीज पारदर्शी होनी चाहिए। और उन्होंने प्रशासनिक अधिकारी से यह भी मांग किया है कि आगे इस प्रकार की गलती दोहराई ना जाए, उन्होंने बताया कि उनके लोग 5-5 की संख्या में सुबह व रात की शिफ्ट में 24 घंटे स्ट्रांग रूम के बाहर उपस्थित रहते हैं, किसी भी गड़बड़ी की स्थिति में तुरंत उनको सूचना दी जाती है, कल जैसे ही कैमरा बंद हुआ उनको तुरंत सूचना दी गई फिर उन्होंने अधिकारियों से बात की उसके बाद कैमरा का संचालन फिर से शुरू हो गया।

यूक्रेन से आए छात्र से मिले सांसद डॉक्टर महेश शर्मा

(आधुनिक समाचार सेवा)
देव मणि शुक्ल

नोएडा । यूक्रेन में फंसे हजारों छात्रों के लाने का सिलसिला भारत सरकार द्वारा निरंतर जारी है।

इसी क्रम में यूक्रेन के डाइनोपर शहर की डाइनोपर यूनिवर्सिटी मे नोएडा के रहने वाले ललित पाठक कल शाम अपने घर सदरपुर कालोनी सकुशल लौटे आज उनसे और उनके परिवार से घर पर जाकर मिले सांसद डॉ महेश शर्मा मिलने पहुंचे और ललित पाठक का कुशल क्षेम जाना और उनके इस घोर विपत्ति के अनुभवों को साझा किया। ललित पाठक ने बताया कि अपने घर पहुंचना मेरे लिए दूसरे जन्म जैसा है हम अपने यूनिवर्सिटी में अध्ययन कर रहे थे एकाएक बंब के धमाकों की आवाज आने लगी सभी बच्चों में दहशत फैल गई एकाएक यूनिवर्सिटी द्वारा जल्द से जल्द निकल जाने को कहा गया नए देश में किसी भी जानकारी करना हो ना हमारे लिए आफत बनकर टूटा किसी तरह हम हंगरी बॉर्डर पहुंचे वहां पहुंचने के उपरांत हमें

हमारी सरकार द्वारा सभी सहायता उपलब्ध कराई गई और हमें हमारे देश लाने का प्रबंध माननीय प्रधानमंत्री जी के प्रयासों द्वारा ही संभव हो पाया मुझे गर्व है अपने देश पर और अपने देश के झंडे पर जिन्होंने ना केवल हमारे देश के छात्रों को बचाया बल्कि विदेशी छात्रों की भी जान हमारे देश के झंडे के माध्यम से ही बच पाई मैं और मेरा परिवार आभारी है अपनी सरकार का और अपने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी का जिनकी वजह से यह सब संभव हो पा रहा है सांसद डॉ महेश शर्मा ने कहा कि हमारी सरकार की प्रतिबद्धता है जब तक एक भी छात्र यूक्रेन या आसपास के देशों में शरण लिए हुए हैं। उन सभी को सब कुशल उनके घर पहुंचाना है सरकार इसकी गंभीरता को जानती है तभी माननीय प्रधानमंत्री जी स्वयं इसकी मॉनिटरिंग कर रहे हैं और सरकार के चार चार वरिष्ठ मंत्री यूक्रेन से लगे हुए देशों में भेजे गये हैं। सांसद डॉ महेश शर्मा के साथ भारतीय जनता पार्टी के महामंत्री गणेश जाटव, मंडल अध्यक्ष सूरजपाल राणा, राजकुमार चौहान, शिवांस श्रीवास्तव मनोज शर्मा, रोहित शर्मा, योगेश शर्मा आदि लोग उपस्थित रहे ।

ब्यौहारी- कांग्रेस का घर चलो घर घर चलो एवं युवा कांग्रेस का एक बूथ,पांच यूथ कार्यक्रम का आज 26वा दिन ग्राम जमुनी,पपौध के बूथ में पूर्व विधायक श्री रामपाल सिंह जी शामिल हुए

(आधुनिक समाचार सेवा)
दुर्गेश कुमार गुप्ता

ब्यौहारी। मध्यप्रदेश युवा कांग्रेस अध्यक्ष श्री विक्रांत भूरिया जी के निर्देशन पर एवं प्रदेश सचिव व प्रभारी श्री इमरान मंसूरी जी सांथ ही श्री धीरेन्द्र मिश्रा जी एवं युवा कांग्रेस जिला अध्यक्ष श्री अनुपम गौतम जी के मार्गदर्शन में एवं युवा कांग्रेस विधानसभा क्षेत्र ब्यौहारी अध्यक्ष राबेन्द्र बैस महंत के नेतृत्व में आज दिनांक- 06/03/2022 को 26वाँ दिन ब्यौहारी क्षिवधानसभा क्षेत्र के ग्राम -जमुनी,पपौंध के बूथों पर जाकर घर चलो घर घर चलो एवं एक बूथ पांच यूथ कार्यक्रम के अंतर्गत पोलिंग बूथों में जाकर लोगों से संपर्क कर उनको कांग्रेस की रीति और नीति से अवगत कराया गया सांथ ही युवाओं को ठएक बूथ - पांच यूथठ में जोडा॰ गया। इस बीच मुख्य रूप से पूर्व विधायक श्री रामपाल सिंह जी,ब्लाक कांग्रेस पपौंध अध्यक्ष नरेंद्र सिंह चतुर्वेदी जी,युवा कांग्रेस ब्लाक अध्यक्ष आदित्य मिश्रा जी,एळघ् अध्यक्ष अतुल पाठक जी,युवा कांग्रेस विधानसभा सचिव राजेश बैस जी,मण्डलम अध्यक्ष कमलेश कोल जी,मनोज शुक्ला जी,आशीष द्विवेदी जी,ब्रजेश बैस जी,नीरज मिश्रा जी,अरूण मिश्रा जी,रमाकान्त मिश्रा जी,रामप्रसाद कोल जी,विजय तिवारी जी,सहित सभी कांग्रेस जन शामिल रहे

सावित्रीबाई फुले इंटर कॉलेज ग्रेटर नोएडा के परिसर में जिला स्तरीय दो दिवसीय विज्ञान नवप्रवर्तन कार्यक्रम का आज हुआ समापन

(आधुनिक समाचार सेवा)
देव मणि शुक्ल

नोएडा । विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद उत्तर प्रदेश से प्राप्त दिशा निर्देशों के क्रम में गौतमबुद्ध नगर में सावित्रीबाई फुले इंटर कॉलेज ग्रेटर नोएडा के परिसर में दो दिवसीय विज्ञान नवप्रवर्तन कार्यक्रम का आज समापन हुआ।

नवप्रवर्तन जन जागरूकता कार्यक्रम के तहत जिला स्तरीय विज्ञान प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि लीड कैब जैमिनी इंडिया रिम्मी तनेजा, ब्लॉक एजुकेशन ऑफिसर सुनील मुद्गल, समन्वयक जिला विज्ञान क्लब अर्चना शिरोमणि, एस0आर0जी0 अशोक एवं रश्मि की उपस्थिति में कार्यक्रम का आरंभ दीप प्रज्वलित कर सरस्वती वंदना से किया गया कार्यक्रम के दूसरे दिन छात्रों ने बड़ी संख्या में मॉडल्स चार्ट और प्रोजेक्ट के माध्यम से वैज्ञानिक सोच को प्रदर्शित किया। इस कार्यक्रम में उप शिक्षा निदेशक/डायट प्राचार्य प्रवीण कुमार उपाध्याय ने उपस्थित होकर छात्रों को उनके उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए बधाई दी और लगातार खोज करते रहने की प्रवृत्ति को बढ़ावा देने के लिए प्रोत्साहित किया। कार्यक्रम में खंड शिक्षा अधिकारी दादरी सुनील दत्त मुद्गल ने दोनों दिवस में उपस्थित रहकर खंड शिक्षा अधिकारी दनकौर नरेंद्र श्रीवास्तव के साथ सभी प्रोजेक्ट्स, मॉडल्स एवं चार्ट्स का गहनता पूर्वक निरीक्षण कर प्रतिभागी छात्रों और शिक्षकों को निरंतर ऐसे कार्यक्रमों में उत्साह पूर्वक प्रतिभाग करने के लिए प्रेरित किया। आज के कार्यक्रम में छात्रों ने अपनी बहुमुखी प्रतिभा का प्रदर्शन करते हुए खाद्य श्रृंखला, जल संचयन, ओजोन परत का संरक्षण, उत्सर्जन तंत्र, ठोस द्रव गैस व खगोल विज्ञान आदि से संबंधित पोस्टर, मॉडल्स एवं प्रोजेक्ट्स के माध्यम से वैज्ञानिक सोच का प्रदर्शन किया। इस कार्यक्रम में जनपद के बिसरख ब्लॉक से 15, दनकौर से 25, दादरी से 26 और जेवर से 02 विद्यालय, माध्यमिक शिक्षा परिषद से 04 विद्यालय और 02 कस्तूरबा गांधी आवासीय बालिका विद्यालय के 185 छात्रों ने लगभग 105 शिक्षकों ने और चारों ब्लॉक से सभी ए.आर.पी./एस.आर.जी. ने प्रतिभाग किया। इस कार्यक्रम में छात्रों के प्रस्तुतीकरण व प्रोजेक्ट की उपयोगिता के आधार पर सराहनीय प्रदर्शन के लिए उच्च प्राथमिक विद्यालय सादोंपुर दादरी, उ.प्रा.वि.रसूलपुर डासना दादरी, उ.प्रा.वि.सालारपुर दादरी, उ.प्रा.वि. हैबतपुर बिसरख, उ.प्रा.वि. खानपुर दनकौर तथा केजीबीवी जेवर के छात्रों को सम्मानित किया गया। सांत्वना पुरस्कार के लिए उ.प्रा.वि.अमरपुर जागीर दनकौर के छात्र शिवनंदन, उ.प्रा.वि. मुरादगढ़ी जेवर से हिमांशु और उ.प्रा.वि.घोड़ी बछेड़ा दादरी से अंश को 1000/-रुपये देकर सम्मानित किया गया। सावित्रीबाई फुले इंटर कॉलेज की छात्रा कुमारी अनु मिश्रा को उनके प्रोजेक्ट और बेहतरीन प्रस्तुतीकरण के लिए तृतीय, उ.प्रा.वि.डेरी मच्छा दादरी से कु.मानवी को द्वितीय स्थान और उ.प्रा.वि. गिझौड़ बिसरख के छात्र अनुज को प्रथम स्थान प्राप्त हुआ। इसके लिए इन छात्रों को क्रमशः 2000/-रुपये, 3000/-रुपये और 5000/- रुपये का पुरस्कार दिया गया।

घर चलो अभियान के तहत घर घर पहुंच रही ब्लाक कांग्रेस ब्योहारी

(आधुनिक समाचार सेवा)
दुर्गेश कुमार गुप्ता

ब्योहारी । मध्यप्रदेश कांग्रेस कमेटी भोपाल के अध्यक्ष माननीय श्री कमलनाथ के निर्देश पर जिला कांग्रेस शहडोल के अध्यक्ष माननीय श्री आजाद बहादुर सिंह के आवाहन पर एवं घर चलो अभियान

के संगठन प्रभारी माननीय श्री राजेन्द्र मिश्रा के मार्गदर्शन में ब्लाक कांग्रेस कमेटी ब्योहारी अध्यक्ष विनोद ताम्रकार के नेतृत्व में लगातार ब्योहारी नगर के वार्ड क्रमांक 9 न्यू बरौधां में घर चलो घर घर चलो अभियान चलाया गया एवं घर जाकर वार्ड वासियों से वार्ड में व्याप्त समास्याओं को जाना और तत्काल प्रशासनिक अधिकारियों से संवाद कर निराकरण की बात कही पुरे वार्ड में रैली निकाल कर भाजपा की जनविरोधी नीतियों को उजागर किया गया एवं भाजपा राज में व्याप्त समास्याओं को जन जन तक पहुंचाया देश में भाजपा नामक दीमक जो धर्म जाति के आधार पर लोगों को बांटना और अपना उल्लू सीधा करना जिसके लिए जनता की परेशानिया से कोई लेना देना नहीं है सिर्फ दो चीजें फूट डालो और राज करो रोजगार की बात करें तो हिंदू मुस्लिम करके मुद्दे को गुमराह कर दो चोर मचाए सोर जैसी स्थिति उत्पन्न कर दो की जनता अन्याय भ्रष्टाचार महिला उत्पीडन बाल आपराध माफिया जैसे कई अत्याचार से कराहे तो उसकी आवाज ना सुनाई दे सके लेकिन जनता अब समझ चुकी है ना हिंदू ख़तरे में है ना मुस्लिम खतरे में आंखें खोलकर देखो इनकी गद्दी खतरे में है अभियान के दौरान कांग्रेस पार्टी द्वारा चालाए जा रहे सदस्यता अभियान के अंतर्गत वार्ड वासियों को सदस्यता ग्रहण करवाई गई व कमलनाथ द्वारा जारी हर पोलिंग बूथ पर एक महिला व एक पुरूष को डिजिटल सदस्यता दिलाई गई एवं 18 वर्षों से प्रदेश में व्याप्त भाजपा कुशासन को उजागर करने हेतु जारी पम्पलेट को वितरित किया गया अभियान के दौरान मुख्य रूप से यह रहें उपस्थित संगठन महामंत्री हरिशंकर कोरी पूर्व पार्षद वार्ड क्र09 चिरंजीव लाल चंचलानी महिला कांग्रेस अध्यक्ष जारीना खातुन नगर युवा कांग्रेस अध्यक्ष पुष्पेंद्र पटेल आईटीसेल कांग्रेस अध्यक्ष आयुष ताम्रकार एडवोकेट पुष्पेंद्र परौहा बिहारी कोरी लैला खान पिंकी पटेल दिलीप तिवारी संजय सोनी अब्दुल रहमान हसीना खान संतोष सिंह सुभाष त्रिपाठी सुनीता कहार सहित सैकड़ों कार्यकर्ता व वार्ड वासी उपास्थित रहे।

मेट्रो यात्रियों के दिल को छू गया डीएमआरसी का यह ट्वीट पढ़कर आप भी हो जाएंगे भावुक

नई दिल्ली। अपनी आधुनिक और सुगम सेवाओं के लिए देश ही नहीं दुनियाभर में मशहूर 'दिल्ली मेट्रो' की लोग जमकर तारीफ करते हैं। दिल्ली-एनसीआर के 30 लाख से अधिक लोगों की लाइफलाइन बन चुकी दिल्ली मेट्रो को लेकर यात्री के एक ताजा कमेंट ने दिल्ली मेट्रो रेल निगम को भी भावुक कर दिया। यात्री के दिल छू लेने वाले ट्वीट से अभिभूत डीएमआरसी ने इसका जवाब भी बेहद प्यार से दिया है। यात्री के दिल जीत लेने वाले ट्वीट का जिस अंदाज में डीएमआरसी ने प्रतिक्रिया दी है, उसकी इंटरनेट मीडिया पर खूब तारीफ हो रही है। के लिए ट्वीट किया- 'ये मेट्रो नो होती तो मेरी, जिंदगी अधूरी सी होती'। इस ट्वीट के वायरल होते ही डीएमआरसी ने भी प्रतिक्रिया में देर नहीं लगाई और बेहद खूबसूरत शब्दों में शुक्रिया अदा किया। डीएमआरसी ने इसके जवाब में ट्वीट किया-'आपके प्यार भरे शब्द सुन कर अच्छा लगा।

निया शर्मा ने इवेंट में पहनी ऐसी ट्रांसपेरेंट ड्रेस, एक्ट्रेस पर ही टिकी रही हर किसी की नजरें, तस्वीरें हुई वायरल

नई दिल्ली। टीवी की जानी मानी एक्ट्रेस और 'नागिन' फेम निया शर्मा इंडस्ट्री में अपनी बोल्ड पर्सनैलिटी के लिए जानी जाती हैं। निया अपने करियर में कई टीवी शोज और म्यूजिक वीडियोज में काम किया है। एक्टिंग के साथ निया फिटनेस फ्रीक भी हैं। वह सोशल मीडिया पर भी छाई रहती हैं। निया फैंस के साथ अक्सर अपनी हॉट एंड बोल्ड तस्वीरें और वीडियो शेयर करती रहती हैं। इसी बीच निया ने अपने लेटेस्ट बोल्ड फोटोशूट से इंटरनेट पर तापमान हाई कर दिया है।इन तस्वीरों में उनका सीजलिंग अंदाज फैंस को पागल बना रहा है। यहां देखें तस्वीरें एक्ट्रेस निया शर्मा ने अपने आधिकारिक इंस्टग्राम हैंडल पर अपनी लेटेस्ट तस्वीरें पोस्ट की हैं। इन तस्वीरों में सुपरहॉट नजर आ रहीं हैं। फोटोज में आप देख सकते हैं कि निया ऑल ब्लैक लुक में दिखाई दे रहीं हैं।

'गंगूबाई काठियावाड़ी' और 'द बैटमैन' के बीच जानिए अमिताभ बच्चन की 'झुंड' ने किया कितना कलेक्शन

नई दिल्ली। अमिताभ बच्चन की फिल्म झुंड ने ओपनिंग वीकेंड में ठीक-ठाक कलेक्शन किया है। द बैटमैन और गंगूबाई काठियावाड़ी की चुनौती के बावजूद फिल्म ने रिलीज के तीन दिनों में 6 करोड़ से ज्यादा जमा कर लिये हैं। हालांकि, फिल्म के लिए यह हफ्ता काफी अहम है, क्योंकि इसके बाद बॉक्स ऑफिस पर हर हफ्ते एक बड़ी और बहुचर्चित फिल्म आने से यह चुनौती बढ़ने वाली है। झुंड, 4 मार्च को सिनेमाघरों में रिलीज हुई। यह एक स्पोर्ट्स फिल्म है, जिसका निर्देशन नागराज मंजुले ने किया है, जो सैराट जैसी चर्चित और सफल फिल्म बनाने के लिए जाने जाते हैं। झुंड को समीक्षकों की सकारात्मक प्रतिक्रिया मिली और इसके बीच फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर 1.50 करोड़ की ओपनिंग ली। शनिवार को रिलीज के दूसरे दिन फिल्म के कलेक्शंस में उछाल आया और 2.10 करोड़ जुटाने में सफल रही। माउथ पब्लिसिटी और सोशल मीडिया में फिल्म की चर्चा के चलते झुंड तीसरे दिन रविवार को 2.90 करोड़ जमा करने में कामयाब रही। इसके साथ फिल्म ने रिलीज के तीन दिनों में 6.50 करोड़ का नेट कलेक्शन किया। झुंड की कहानी नागपुर के विजय बोर्डे नाम के एक रिटायर्ड टीचर के जीवन से प्रेरित है, जिन्होंने झुग्गी के बच्चों के साथ मिलकर फुटबाल टीम स्लम सॉकर

की स्थापना की थी। फिल्म में उनके संघर्ष को दिखाया गया है। फिल्म के विषय, अमिताभ के अभिनय और नागराज के निर्देशन की काफी तारीफ हुई थी। आमिर खान ने फिल्म देखने के बाद कहा था कि यह ऐसी फिल्म है, जो खत्म होने के बाद आपके साथ रहती है। वहीं, धनुष ने इसे मास्टरपीस बताया था। झुंड को बॉक्स ऑफिस पर संजय लीला भंसाली और आलिया भट्ट की फिल्म गंगूबाई काठियावाड़ी से टकराना पड़ा था, जो 25 फरवरी को रिलीज हुई थी और काफी स्टॉन्ग चल रही थी। इस फिल्म ने रिलीज के 10 दिनों में लगभग 90 करोड़ का कलेक्शन कर लिया है। वहीं, झुंड के साथ हॉलीवुड की चर्चित फिल्म द बैटमैन भी अंग्रेजी के साथ हिंदी में भी रिलीज हुई। मीडिया रिपोर्ट्स की मानें तो द बैटमैन ने ओपनिंग वीकेंड में लगभग 25 करोड़ का कलेक्शन किया है।

रुमर्ड गर्लफ्रेंड सबा आजाद की ऋतिक रोशन ने इस अंदाज में की तारीफ, पलटकर एक्ट्रेस ने भी दिया ऐसा जवाब

नई दिल्ली। बॉलीवुड अभिनेता ऋतिक रोशन इन दिनों अभिनेत्री सबा आजाद को लेकर सुर्खियों में हैं। बीते कुछ दिनों से इन दोनों को लेकर इस तरह की अफवाह है कि यह दोनों एक-दूसरे को डेट कर रहे हैं। ऋतिक रोशन और सबा खान को अक्सर साथ में देखा जाता है। अब यह दोनों एक सोशल मीडिया पोस्ट की वजह से चर्चा में हैं। दरअसल सबा आजाद ने सोशल मीडिया पर अपना एक वीडियो शेयर किया है। वीडियो में वह फिल्ममेकर सत्यजीत रे की बंगाली फिल्म उद का गाना गाती नजर आ रही हैं। वीडियो में सबा आजाद की आवाज काफी खूबसूरत लग रही हैं। अभिनेत्री के इस गाने को सुनने के बाद कई सोशल मीडिया यूजर्स उनकी तारीफ कर रहे हैं। इतना ही नहीं सबा आजाद के गाने की कई फिल्मी सितारों ने भी तारीफ है। इसमें ऋतिक रोशन का भी नाम शामिल है। सबा आजाद के वीडियो पर कमेंट करते हुए अभिनेता ने लिखा, 'तुम एक अद्भुत इंसान हो।' ऋतिक रोशन के कमेंट का जवाब देते हुए सबा आजाद ने लिखा, 'और तुम सबसे दयालु हो।' सोशल मीडिया पर इन दोनों कलाकारों के कमेंट्स वायरल हो रहे हैं। ऋतिक रोशन और सबा आजाद के फैंस कमेंट पर अपनी प्रतिक्रिया दे रहे हैं। आपको बता दें कि अपने वीडियो को शेयर करते

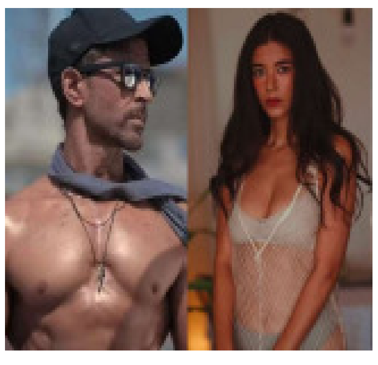

हुए सबा आजाद ने लंबा-चौड़ा पोस्ट भी लिखा है। उन्होंने लिखा, 'मैं घर पर बीमार हूं और मेरे पास गाने के अलावा किसी और चीज के लिए एनर्जी नहीं है। जब मैं छोटी थी तो मेरे माता-पिता में मुझे क्लासिक रे फिल्म के साउंडट्रैक की कैसेट लाकर दी थी। इस फिल्म को हमने एक फेस्टिवल में देखा था। उस समय मुझे बांग्ला बिल्कुल समझ नहीं आती थी। सबा आजाद ने पोस्ट में आगे लिखा, 'उस समय मुझे बंग्ला भाषा ज्यादा समझ नहीं आती थी।

पिछले 7 सालों से इस वजह से फिल्मों से दूर हैं बिपाशा बसु, बताया कब करने वाली वापसी

नई दिल्ली। बॉलीवुड अभिनेत्री बिपाशा बसु फिलहाल फिल्मों से दूर हैं। उन्हें फिल्मों में आखिरी बार साल 2015 में एक्टिंग करते हुए देखा गया था। वहीं उन्होंने दो साल पहले वेब सीरीज डेंजरस से उन्हें डिजिटल डेब्यू किया था। अब

बिपाशा बसु ने फिल्मों से इतने साल दूर रहने की वजह का खुलासा किया है। साथ ही अपने कमबैक को लेकर भी बात कही है। बिपाशा बसु ने हाल ही में अंग्रेजी वेबसाइट हिंदुस्तान टाइम्स से बातचीत की। इस दौरान उन्होंने अपने फिल्मी करियर और निजी जिंदगी को लेकर ढेर सारी बातें कीं। फिल्मों से दूर रहने की वजह पर बात करते हुए बिपाशा बसु ने कहा है कि वह आलसी होने की वजह से फिल्मों में काम नहीं कर रही थीं। अभिनेत्री ने कहा, 'मैं कुछ सालों में काम के लिए आलसी हो गई हूं, लेकिन अब 2022 में मैंने वापसी करने का प्लान किया है और कुछ मजेदार कर रही हूं। मैं इस बारे में जल्द घोषणा भी करने वाली हूं।' बिपाशा बसु ने कोरोना महामारी के बारे में बात करते हुए कहा, 'मुझे नहीं पता था कि दुनिया किस ओर जा रही है, क्योंकि वायरस ने सभी को घर पर रहने के लिए मजबूर कर दिया था। उस समय सब कुछ इतना अप्रत्याशित था, हममें से किसी ने भी कभी अनुभव नहीं किया था। मैं बहुत सारी भावनाओं से गुजरी, और फिर दिन-ब-दिन जीना शुरू कर दिया, अपने पार्टनर (पति, अभिनेता करण सिंह ग्रोवर) के साथ साधारण चीजों और हर मिनट को एन्जॉय कर रही थी। 2021 उम्मीद लेकर आया, चीजें बदली हैं।अपनी बात को खत्म करते हुए बिपाशा बसु ने बताया है कि अब उन्होंने खुद का काम करने वाला एडिट्यूट बना लिया है। उन्होंने कहा, 'मैं अब पूरी तरह से ढेर सारी काम करने के लिए तैयार हूं। मैंने इवेंट में शामिल होना शुरू कर दिया है।' इसके अलावा बिपाशा बसु ने और भी ढेर सारी बातें की हैं। आपको बता दें कि बिपाशा बसु ने साल 1996 में मॉडलिंग से अपने करियर की शुरुआत की थी।उन्होंने साल 2001 में फिल्म अजनबी से बॉलीवुड में डेब्यू किया, बिपाशा को इस फिल्म के लिए बेस्ट फीमेल डेब्यू का फिल्मफेयर अवॉर्ड मिला। जिसके बाद उन्होंने बॉलीवुड की ब्लॉकबस्टर फिल्म राज में लीड़ किरदार निभाया है। बता दें, बिपाशा ने हिन्दी के अलावा तेलुगु, तमिल फिल्मों में भी काम किया है। उन्हें आखिरी बार हॉरर ड्रामा फिल्म अलोन में देखा गया था। इस फ्लिम में उन्होंने अपने पति करण सिंह ग्रोवर के साथ अहम किरदार निभाया है। यह फिल्म साल 2015 में आई थी।

'बच्चन पांडे' का नया गाना 'सारे बोलो बेवफा' हुआ रिलीज, अक्षय कुमार संग कृति सेनन थिरकती आई नजर

नई दिल्ली। एक्टर अक्षय कुमार की बहुप्रतीक्षित फिल्म 'बच्चन पांडे' 18 मार्च, 2022 को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है। फिल्म के ट्रेलर और गानों को लेकर फैंस में पहले ही काफी क्रेज देखने को मिल रहा है। ऐसे में फैंस की एक्साइटमेंट और बढ़ाने के लिए फिल्म का नया गाना 'सारे बोलो बेवफा' आज लॉन्च कर दिया गया है। जिसकी जानकारी अक्षय ने भी सोशल मीडिया के जरिए साझा की। सोमवार को फिल्म 'बच्चन पांडे' का तीसरा गाना 'सारे बोलो बेवफा' को जारी कर दिया गया है। गानें में अक्षय के साथ एक्ट्रेस कृति सेन और अरशद वारसी भी डांस करते नजर आ रहे हैं। वीडियो में कृति सेन कैमरा लेकर शूटिंग करती दिख रही हैं। गाने में टीजर के आगे की कहानी दिखाई गई है। 'सारे बोलो बेवफा' को बी प्राक ने अपनी अवाज दी है, वहीं टी-सीरीज ने गाने का निर्माण किया है। 'बच्चन पांडे' के इस गाने को अक्षय कुमार ने अपने आधिकारिक इंस्टाग्राम पर भी साझा किया है। पोस्ट शेयर करते हुए उन्होंने लिखा, 'अब दिल टूटने की गूंज सबको सुनाई देगी। क्योंकि सारे जोर से बोल बेवफा!'बर ने फिल्म के इस सॉन्ग का टीजर रिलीज किया था और गाने की आज रिलीज होने की घोषणा की थी। टीजर में शादी का सीन था और दुल्हा- दुल्हन भी बैठे हुए दिख रहे थे। इस दौरान काफी सारी पुलिस फोर्स मौजूद थी और अक्षय इस बीच अपने अतरंगी व भौकाली रूप में स्वैग से डांस करते नजर आ रहे थे। गाने में अक्षय हाथ से कांच की बोतल तोड़ते भी दिखे थे। अक्षय कुमार की फिल्म 'बच्चन पांडे' का निर्देशन फरहाद सामजी ने किया है। फिल्म में अक्षय कुमार, कृति सेनन व अरशद वारसी के साथ जैकलीन फर्नांडिस, रितेश देशमुख, पंकज त्रिपाठी, संजय मिश्रा और अभिमन्यु सिंह भी नजर आएंगे। फिल्म में कृति सेनन एक फिल्ममेकर की भूमिका में हैं, जो 'बच्चन पांडे' नाम के एक खतरनाक गुंडे पर फिल्म बनाना चाहती है और इस काम में वह अपने दोस्त की मदद लेती हैं।

बिग बॉस ओटीटी फेम मिलिंद गाबा के घर बजेंगी शादी की शहनाइयां, इस दिन गर्लफ्रेंड संग लेंगे सात-फेरे

नई दिल्ली। यार मोड़ दो, और तेरी यारी जैसे कई सुपरहिट गाने ऑडियंस को देने वाले लोकप्रिय सिंगर और बिग बॉस फेम मिलिंद गाबा को लेकर एक खास खबर सामने आई है। रिपोर्ट्स की माने तो मिलिंद गाबा जल्द ही अपनी अप्रैल को होगी और उसके बाद दोनों की 13 अप्रैल को धूमधाम से कॉकटेल पार्टी होने वाली है। इसके बाद प्रिया बेनीवाल की मेहंदी की रस्म 15 अप्रैल को होगी और अगले दिन दोनों की पंजाबी और जट रीति-रिवाजों के साथ शादी होगी। बेनीवाल भी सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव हैं। वह एक वीडियो क्रिएटर हैं, जिनकी सोशल मीडिया पर एक अच्छी खासी प्रशंसकों की लिस्ट है। सिंगर मिलिंद गाबा दिव्या अग्रवाल और प्रतीक सहजपाल के साथ कलर्स ओटीटी के शो बिग

लॉन्ग टाइम गर्लफ्रेंड प्रिया बेनीवाल के संग जल्द ही शादी के बंधन में बंधने वाले हैं। इन दोनों की शादी अप्रैल में होगी और रिपोर्ट्स की माने तो दोनों की शादी का फंक्शन लगभग एक हफ्ते तक चलेगा। इसी के साथ इन दोनों की शादी पंजाबी और जाट रीति-रिवाजों के साथ होगी। हिंदुस्तान टाइम्स की रिपोर्ट्स के मुताबिक इन दोनों की शादी दिल्ली एनसीआर में होने वाली है। रिपोर्ट्स की मानें तो दोनों के प्री-वेडिंग फंक्शन के लिए अलग-अलग जगह पर वेन्यू बुक किए गए है। इन दोनों की सगन सेरेमनी 11 रिपोर्ट्स की मानें तो इन दोनों की शादी में कई पंजाबी सिंगर्स सामने आने वाले हैं। प्रिया बेनीवाल और मिलिंद गाबा एक लम्बे समय से एक-दूसरे को डेट कर रहे हैं। वह सोशल मीडिया पर अक्सर एक-दूसरे के साथ कई खूबसूरत तस्वीरें शेयर करते हैं। आपको बता दें कि प्रिया बेनीवाल फेमस यूट्यूबर हर्ष बेनीवाल की बहन हैं। हर्ष बेनीवाल यूट्यूबर होने के साथ-साथ एक एक्टर और कॉमेडियन भी हैं और वह करण जौहर की फिल्म 'स्टूडेंट ऑफ द इय्यर 2' में नजर आ चुके हैं। अपने भाई की तरह ही प्रिया बॉस ओटीटी में नजर आए थे। इस शो में उन्हें जोड़ियों के साथ घर के अंदर जाना था। जहां वह घर के अंदर तो सिंगर नेहा भसीन के साथ गए, लेकिन बाद में इन दोनों की जोड़ी टूट गई और उन्हें शो में भोजपुरी की लोकप्रिय अभिनेत्री अक्षरा सिंह का साथ मिला। हालांकि 42 दिनों के इस शो में मिलिंद गाबा 29 दिन ही बिग बॉस ओटीटी का हिस्सा रहे, लेकिन जितना भी समय वह घर में रहे घरवालों और उनके चाहने वालों ने उनकी जर्नी को काफी पसंद किया।

इस किरदार की आवाज बनीं मैत्रेयी रामकृष्णन नेटफ्लिक्स की सीरीज 'नेवर हैव आई एवर' से हुई थीं मशहूर

नई दिल्ली। डिजनी प्लस हॉटस्टार पर 11 मार्च को एनिमेशन फिल्म टर्निंग रेड रिलीज हो रही है। इस सीरीज की खासियत यह है कि यह किशोर उम्र के दर्शक

वर्ग को ध्यान में रखकर बनायी गयी है और इस उम्र के दौरान लड़कियों में हार्मोनों की सक्रियता के कारण हो रहे बदलावों और उस दौरान उनकी मानसिक स्थिति और प्रतिक्रिया को रेखांकित करती है। इस फिल्म का निर्देशन डोमी शी ने किया है। फिल्म में इस आयु वर्ग का प्रतिनिधित्व प्रिया करती है, जिसे भारतीय मूल की कैनेडियन अभिनेत्री मैत्रेयी रामकृष्णन ने आवाज दी है। प्रिया मानती हैं कि इस किरदार में उतरना उनके लिए मुश्किल नहीं था क्योंकि इस किरदार की शख्सियत काफी हद तक उनसे मिलती है। टर्निंग रेड के लिए अपनी डबिंग के अनुभव को शेयर करते हुए मैत्रेयी रामकृष्णन ने कहा- "रिकॉर्डिंग के वक्त प्रिया का रफ स्केच देखने पर मुझे अपनी पहली प्रतिक्रिया याद है। मैं यह देखकर बहुत उत्साहित थी कि वह बिल्कुल मेरे जैसी है- मैं उसके घने बालों, छिदी हुई नाक, चश्मे और मामूली आई बैग्स की बात कर रही हूं, जो शायद पिछली रात ज्यादा लंबे समय तक जागते रहने के कारण हो गये हैं। मैं जब मिडिल स्कूल में थी, तब प्रिया जितनी कूल और शांत नहीं थी, लेकिन एक दोस्त के लिए हम दोनों ही हमेशा तैयार रहते हैं। मैत्रेयी ने आगे कहा- "नीरस रहते हुए भी उत्साहित, दुखी या नाराज लगना बहुत मुश्किल काम है।

रेड बिकिनी पहन पूल में उतरीं पलक तिवारी, एक्ट्रेस की हॉट तस्वीरों ने बढ़ाया इंटरनेट का पारा

नई दिल्ली। टीवी अभिनेत्री श्वेता तिवारी की बेटी पलक अपनी बोल्ड अदाओं के लिए जानी जाती हैं। उनकी सोशल मीडिया पर हॉट और बोल्ड तस्वीरें जमकर वायरल भी होती रहती हैं। पलक तिवारी की सोशल मीडिया पर फैन फॉलोइंग जिसकी तस्वीरों को उन्होंने सोशल मीडिया पर शेयर किया है। पलक तिवारी सोशल मीडिया पर मीडिया पर काफी सक्रिय रहने वाली स्टारकिड्स में से एक हैं। वह अपने फैंस से जुड़े रहने के लिए अक्सर अपनी खास तस्वीरें और वीडियो

अपनी मां से कम नहीं हैं। एक बार फिर से वह अपने हॉट और बोल्ड तस्वीरों को लेकर सुर्खियों में हैं, जिसे पलक के फैंस खूब पसंद कर रहे हैं। पलक तिवारी ने अपना बिकिनी अंदाज फैंस को दिखाया, भी शेयर करती रहती हैं। पलक तिवारी ने अपने आधिकारिक इंस्टाग्राम पर अपनी लेटेस्ट बिकिनी तस्वीरें शेयर की हैं। तस्वीरों में श्वेता तिवारी की बेटी रेड कलर की बिकिनी में दिखाई दे रही हैं। इन तस्वीरों में पलक तिवारी स्वमिंग पूल में एन्जॉय करती नजर आ रही हैं। तस्वीरों में वह अलग-अलग अंदाज में बोल्ड पोज देती हुई दिखाई दे रही हैं। इन तस्वीरों में पलक तिवारी का हॉट और बोल्ड अंदाज साफ देखने को मिल रहा है। उनकी यह तस्वीरों मुंबई के एक लग्जरी होटल की हैं। सोशल मीडिया पर पलक तिवारी की यह सभी तस्वीरें तेजी से वायरल हो रही हैं। उनके फैंस और तमाम सोशल मीडिया यूजर्स तस्वीरों को खूब पसंद कर रहे हैं। साथ ही कमेंट कर अपनी प्रतिक्रिया दे रहे हैं। पलक के कई फैंस ने उन्हें बिजली बताया, वहीं कुछ उन्हें हॉट बताया रहे हैं। आपको बता दें कि पिछले साल पलक तिवारी अपने गाने बिजली बिजली को लेकर सुखिर्यों में थीं। उनके इस गानों को हार्डी संधू ने गाया था। इसके अलावा पलक तिवारी जल्द ही इंडस्ट्री में डेब्यू करने जा रही हैं। उनकी फिल्म 'रोजी- द सैफ्रॉन चैप्टर' इसी महीने रिलीज होगी। इस फिल्म को विशाल मिश्रा ने निर्देशित किया है, जबकि विवेक ओबेरॉय, प्रेरणा वी अरोड़ा ने प्रोड्यूस किया है रहे हैं। पलक तिवारी के साथ-साथ विवेक ओबेरॉय भी इस फिल्म में नजर आने वाले है। उनके फैंस फिल्म का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं।

करणवीर वोहरा ने पत्नी के मिसकैरेज को लेकर किया बड़ा खुलासा, बतायी ये दर्दभरी दास्तां

नई दिल्ली। बॉलीवुड अभिनेत्री कंगना रनोट के रियलिटी शो लॉक अप में कंटेस्टेंट्स हर दिन नए खुलासे करते रहते हैं। अब टीवी अभिनेता करणवीर वोहरा ने पत्नी टीवी अभिनेत्री तीजे सिद्धू को लेकर बड़ा खुलासा किया है। उन्होंने बताया है कि तीजे सिद्धू का मिसकैरेज हो गया था। उस समय अभिनेता और उनकी पत्नी भावनात्मरूप से काफी टूट गए थे। उनका यह मिसकैरेज तीसरी बेटी के जन्म से पहले हुआ था इस बात का खुलासा करणवीर वोहरा ने लॉक अप में मेंटल हेल्थ टास्क के दौरान बात करते हुए किया। दरअसल शो में निशा रावल अपनी मेंटल हेल्थ के बारे में बात करते हुए पति करण मेहरा के साथ हुए विवाद के बारे में बताती हैं। उनकी इस बाद को सुनने के बाद करणवीर वोहरा बाथरूम से जाकर जोर-जोर से रोने लगते हैं। फिर वह निशा रावल के पास आते हैं उन्हें लगे लगाते हुए अपनी मेंटल हेल्थ के बारे में बताते हैं। करणवीर वोहरा कहते हैं, 'जिया से पहले हमने कोविड के दौरान अपना बच्चा खो दिया था। हम किसी को बताने से बहुत डर रहे थे क्योंकि हम नहीं चाहते थे कि लोग कहें, 'अरे यार ये क्या हो गया, कैसे हो गया, क्यों हो गया। शायद हम खुद को लोगों की बातों से बचा रहे थे।

स्वत्वाधिकारी एवं मुद्रक डा0 दीपक अरोरा द्वारा रामा प्रिन्टर्स 53/25/1 ए बेली रोड न्यू कटरा प्रयागराज (उ.प्र.) 211002 से मुद्रित एवं सी-41 यूपी एसआईडीसी औद्योगिक क्षेत्र नैनी प्रयागराज। (उ.प्र.) 211010 से प्रकाशित।
सम्पादक/प्रकाशक
डा0 पुनीत अरोरा
मो0न0 09415608710
RNI No. UPHIN/2015/63398
website:www.adhuniksamachar.com

नोटः- इस समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होंगे।